खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-238

भावभीनी श्रद्धांजलि

हमारे समधी जी

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

मीठी मधुर स्मृतियाँ आपकी, कभी नहीं मिट पाएगी ...
आपका व्यवहार आपकी बातें, हमें सदैव याद आएगी ...

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

हरिप्रसाद सुरेश कुमार गुप्ता

फर्म : ज्योति विष्णु फार्मा प्रा. लि.

भगवानदास सत्यनारायण चनानिया

फर्म : श्री श्याम प्लाईवुड इंडस्ट्री

चतुरभुज सुरेंद्र गुप्ता

फर्म : जगदम्बा पर्ल्स

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विश्व राजा गणेश मित्र संघ द्वारा भव्य गणेश उत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व राजा गणेश मित्र संघ ने कोठी ईसामिया बाजार में एक भव्य गणेश उत्सव का आयोजन किया, जिसमें भगवान गणेश का आगमन काशी विश्वनाथ से आए हुए विशेष महराजाओं द्वारा गंगा आरती की तर्ज पर किया गया। इस दौरान, महामंडलेश्वर श्री महंत अमृत दास जी खाकी और बृज गोपाल जी काबरा (अयोध्या) की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को और भी दिव्य बना दिया।

कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों और संगठनों ने भाग लिया। आयोजक मंडल में लखन तोतला, पूनम मिश्रा, आशीष असावा, लक्ष्मीकांत काबरा, पायल शर्मा, कृष्णा शर्मा, महेंक शर्मा, सुभम केशव, गुन्नी तोतला, अनुराग गिलडा, और मोहन धनराज शर्मा शामिल थे।

इस अवसर पर, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष श्री सुनील पांडेय और महंत विरजू दास, संजय दास, कमलेश द्विवेदी, महेश गौतम, दीपक मिश्रा, आनंद शर्मा, कुशल व्यास, बाबूलाल, और अश्विनी यादव ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

राजस्थानी महिला संगठन और राजस्थानी महिला मंडल कोठी ईसामिया बाजार की सदस्यों ने भी इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें सुमित्रा राठी, अरुणा, बबिता तोतला, प्रीति महावीर, सारदा शोभा, निर्मला मालपानी, शोभा लाहोटी, सुनीता तापड़िया, गंगा काबरा, हेमा राठी, नीतू राठी, निर्मला उपाध्याय, लक्ष्मीकांत काबरा, संजय तोतला, और विजय कुमार तोतला शामिल थीं।यह आयोजन धार्मिक आस्था और सामाजिक सद्भाव का एक अनूठा संगम रहा, जहाँ सभी ने मिलकर भगवान गणेश का स्वागत किया और उनका आशीर्वाद लिया।

हनुमान टेकड़ी श्री कृष्ण युवा एसोसिएशन द्वारा गणेश जी की स्थापना का पावन अवसर मनाया गया। इस शुभ अवसर पर एसोसिएशन के सभी सदस्य उपस्थित थे और उन्होंने मिलकर भक्ति भाव से गणेश पूजा-अर्चना की। इस आयोजन के माध्यम से सदस्यों ने एकता और सामूहिक उत्साह का परिचय दिया। यह कार्यक्रम सामाजिक और धार्मिक उत्सवों में समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देता है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यालय में गणेश पूजा सम्पन्न

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यालय में गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर भगवान गणेश की प्रतिमा की भव्य पूजा-अर्चना की गई। इस पावन कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया और समुदाय की समृद्धि और कल्याण के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर, अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने सभी सदस्यों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पूजा कार्यक्रम में अन्य प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल और मानद मंत्री विकास कुमार केशन शामिल थे।कार्यालय प्रबंधन की ओर से, कार्यालय प्रबंधक पवन डोकानिया और सह-प्रबंधक श्रीमती शीतल अग्रवाल ने भी इस धार्मिक आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई। इनके अलावा, कार्यालय के कर्मचारी श्री राजू और श्री शिवा भी पूजा में शामिल हुए।

राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा नित्य अन्नप्रसाद सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद ने बुधवार को भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि के पावन अवसर पर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया। यह सेवा प्रातः 7:01 बजे से पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली और बेगमबाजार गौशाला, पुल की माता, हैदराबाद में आयोजित की गई। यह सेवा स्वर्गीय श्री महेंद्रकुमारजी अग्रवाल की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर समर्पित था।इस पवित्र सेवा में नारनौली बेगराजवाले परिवार द्वारा अगुवाई की गई, जिसमें जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोषनिवाल, अरुण भाई, गोविंद राम जी, नीलम विजयवर्गी, सुची अग्रवाल, आशीष, किशनपाल, सतीश गुप्ता, ई-जगन चंपापेट, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, श्याम सुंदर अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, रेनुका अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, रियंशी अग्रवाल, लहक अग्रवाल, ओजस अग्रवाल, निश्चय प्रसारमपुरिया और अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्यों ने भाग लिया।इस सेवा के माध्यम से न केवल भक्तों ने आध्यात्मिक शांति प्राप्त की, बल्कि समाज सेवा का भी संदेश दिया गया। श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर एकजुट होकर भक्ति और मानवता का परिचय दिया।

गणेश पूजा धूमधाम से मनाई गई, भक्तों ने किए दर्शन

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेश जी पूजा का उत्सव बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर, भक्तों ने सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा-आरती में भाग लिया और उनके दर्शन किए।

इस धार्मिक कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्ति और भक्तगण शामिल हुए, जिनमें राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, माया अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, किलाश दांडू, विनोद टिकमानी, अशोक लाखोटिया, मोहन लाल मित्तल, अशोक सरायवाला, प्रमोद कुमार अग्रवाल सरायवाला, और दीपक कुमार सरायवाला प्रमुख थे।

सभी भक्तों ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और इस शुभ अवसर को यादगार बनाया।

भगवती संवत्सरी महापर्व सिकंदराबाद में भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में राजा राजेश्वरी गार्डन में भगवती संवत्सरी महापर्व का भव्य आयोजन किया गया।

डॉ. साध्वी गवेषणाश्री ने इस अवसर पर कहा कि यह महापर्व उन्नत धार्मिक भावनाओं से खुद को भरने का दिन है। उन्होंने इसे सिर्फ पर्व नहीं, बल्कि महापर्व बताया, जो राग-द्वेष को कम करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दिन अध्यात्म के सागर में डुबकी लगाने, संयम का अभ्यास करने और वीतरागता के मार्ग को अपनाने का अवसर देता है। यह पर्व राग-द्वेष की मोह-रूपी जंजीरों को तोड़ने का अनुपम माध्यम है।

साध्वी जी ने स्पष्ट किया कि एक संवत्सर (एक वर्ष) के बाद आने वाले इस महानतम दिन को व्यवहार में संवत्सरी कहा जाता है, जबकि इस पर्व का मूल नाम पर्युषण है। उन्होंने समवायांग सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि भगवान महावीर ने चातुर्मास के 50 दिन बीतने और 70 दिन बाकी रहने पर पर्युषण पर्व की आराधना करने का निर्देश दिया था।

साध्वी मयंकप्रभा ने कहा कि पर्युषण पर्व की आराधना के साथ भद्राव महीने का विधान सोने में सुंगध का काम करता है।जैन श्रमण संवत्सरी के दिन तीन महत्वपूर्ण कार्य नहीं करते हैं:

वे आज के दिन किंचित भी आहार ग्रहण नहीं करते।

वे सिर पर गाय के रोम जितने भी बाल नहीं रखते।

यदि किसी साधु के बीच कोई मतभेद हो, तो वे आज के दिन खमत-खामणा (आपसी क्षमा) अवश्य कर लेते हैं।

साध्वी मेरुप्रभाजी ने चौबीस तीर्थंकरों की जीवनी स्तुति सुमधुर स्तवना से प्रस्तुत करते हुए कहा कि जैन दर्शन आत्मकर्तृत्ववादी दर्शन है। जैसे-जैसे शरीर, इंद्रियों और असंयम का स्तर घटता है, वैसे-वैसे आत्म-विकास संभव होता है।

साध्वी दक्षप्रभा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए एक सुमधुर गीतिका प्रस्तुत की।

यह महापर्व सुबह 6:15 बजे शुरू हुआ और शाम 6:00 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

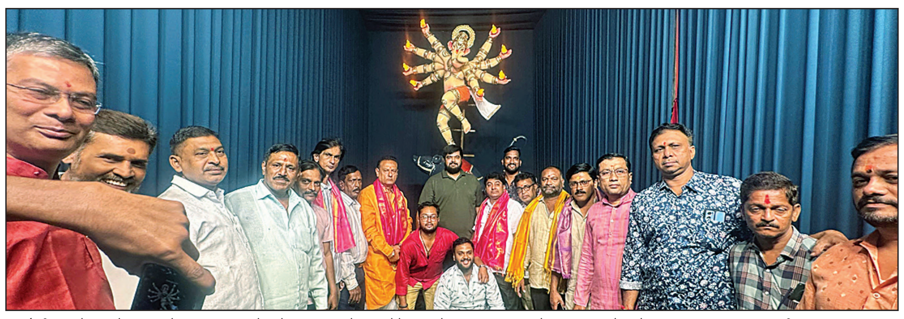

गौलीगुड़ा में आयोजित गणेश पूजा समारोह में जामबाग के कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने भगवान गणेश के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्नेहा बंधावी यूथ एसोसिएशन द्वारा किया गया था।इस अवसर पर, कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने गणेश जी की पूजा-अर्चना में भाग लिया। कार्यक्रम में कई प्रमुख व्यक्ति भी उपस्थित थे, जिनमें सुरेश टोल्डी, रवि, अनिल यादव, रविंदर, रोहन, अक्षय, गणेश, प्रमोद, डॉ. आकाश, सुरेंदर, और श्रीधर शामिल थे। सभी ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

रामकोट में तप अनुमोदना कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामकोट स्थित वैभव अपार्टमेंट में एक विशेष तप अनुमोदना कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चि. फोरम शाह की आठ उपवास की तपस्या का अभिनंदन किया गया। फोरम शाह, कांताबेन चुनीलाल शाह की पोती और नेहाबेन राजेश शाह की सुपुत्री हैं।

इस पुण्य अवसर पर, श्री गुजराती प्रगति समाज के उपाध्यक्ष महेश पटेल, घनश्याम पटेल, और दिनेश गोसर ने फोरम शाह की तपस्या की सराहना की। इसके अलावा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल और रिद्धिश जागीरदार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

तपागच्छ संघ की ओर से विकास शाह और मनीष गाला ने भी फोरम शाह को बधाई दी। इस कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया और तपस्या के लिए फोरम शाह का उत्साहवर्धन किया।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,04,840/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,20,375/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,080.57 -705.97 -0.87% ↓

एनएसई :24,500.90 -211.15 (-0.85%) ↓

नेपाल की राजधानी काठमांडू में हिंदी पत्रिका 'संवाद' का भव्य विमोचन

काठमांडू, नेपाल, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में हिंदी पत्रिका 'संवाद' का भव्य विमोचन किया गया। आईएसबीएन युक्त यह त्रैमासिक पत्रिका ई-पत्रिका और प्रिंटेड मैगजीन, दोनों रूपों में उपलब्ध होगी। इसका विमोचन नेपाल के प्रथम राष्ट्रपति और मुख्य न्यायाधीश डॉ. परमानंद झा के कर-कमलों द्वारा किया गया।डॉ. झा ने इस अवसर पर देवनागरी उत्थान फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह पत्रिका शिक्षकों और छात्रों के लिए एक अनोखा मंच है। इससे छात्रों को नया मार्गदर्शन मिलेगा, जबकि अध्यापकों को अपने विचारों को पूरे विश्व तक पहुँचाने का एक आदर्श माध्यम प्राप्त होगा।धरा धाम इंटरनेशनल के संस्थापक सौहार्द शिरोमणि डॉ. सौरभ पांडे ने बताया कि 'संवाद' नाम की यह पत्रिका पूरे संसार को जोड़ने का माध्यम बनेगी। देवनागरी उत्थान फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सुनील दुबे ने पत्रिका को यह स्वरूप देने के लिए मुख्य संपादक डॉ. प्रतिमा सिंह, उनके पति एवं सहयोगी डॉ. जेपी नारायण सिंह और सह-संपादक डॉ. प्रमिला पाठक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका शिक्षकों के सपनों को साकार करने और उनके ज्ञान तथा लेखन कौशल को एक मंच देने के लिए लाई गई है।इस कार्यक्रम में कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने भी अपने विचार रखे:अंतर्राष्ट्रीय हिंदी समिति, संयुक्त राज्य अमेरिका के इंद्रजीत शर्मा ने 'संवाद' को भारतीय संस्कृति और हिंदी को विश्व के अन्य हिस्सों से जोड़ने का माध्यम बताया।थाईलैंड के प्रेम पांडे ने इसे दूसरे देशों से संवाद स्थापित करने का जरिया बताया।मिस एशिया डॉ. पूजा निगम ने इस पत्रिका को नारी शक्ति का सम्मान बताते हुए इसका विमोचन किया।बांग्लादेश के प्रतिनिधियों ने इस पत्रिका के महत्व को बांग्लादेश से जोड़कर बढ़ाने का कार्य किया।काशी हिंदी विद्यापीठ के कुल सचिव इंद्रजीत तिवारी ने इसे हिंदी के प्रचार-प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाने वाला प्रेरणा स्रोत बताया।इस शुभ अवसर पर, विश्व प्रख्यात धर्मगुरु लामा अध्यक्ष रिन्पोछे और महामंडलेश्वर शिवम प्रसाद महाराज जी का भी आशीर्वाद प्राप्त हुआ, जिसे सभी शिक्षकों और छात्रों के लिए गौरव की बात माना गया।

सोमाजीगुड़ा में एक कॉलेज में प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने पूरे भक्ति-भाव और श्रद्धा के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने मिलकर पूजा-अर्चना और प्रार्थना की। कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती पद्मा स्मृति के नेतृत्व में, अगले दो दिनों तक कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के आयोजन में सभी प्रोफेसरों का सहयोग रहेगा। इन कार्यक्रमों का नेतृत्व कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र नेता नीव गोलेच्छा, कॉलेज के कप्तान ईनॉक लामा, और प्रथम वर्ष के वाइस कैप्टन उमंग जैन करेंगे।यह आयोजन छात्रों की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी को दर्शाता है।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल
प्रथम पुण्यतिथी
के अवसर पर
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-238

पूर्व जज को आईना दिखाया तो कुछ पूर्व जजों को गुस्सा आया

खुद को भगवान समझते हैं जज, आलोचना बर्दाश्त नहीं

इंडी गठबंधन की ओर से उपराष्ट्रपति पद के लिए मैदान में उतारे गए पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को नक्सलवादी विचारधारा का समर्थक बताए जाने से कुछ पूर्व जजों की चौकड़ी बौखलाई हुई है। पूर्व जजों ने सुदर्शन रेड्डी का सत्य उजागर किए जाने के खिलाफ पत्र-लेखन का कार्यक्रम शुरू कर दिया। जज खुद को ब्रह्म समझते हैं और लोकतंत्र में आलोचना से खुद को परे मानते हैं। उनके बारे में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सच कैसे कह दिया, इससे तमाम पूर्व जजों को मिर्ची लग गई। गृहमंत्री अमित

शुभ-लाभ विमर्श

शाह ने सुदर्शन रेड्डी को लेकर टिप्पणी क्या की, इसके बाद कई पूर्व जजों और कार्यकर्ताओं का पूरा दस्ता ही रेड्डी के बचाव में उतर पड़ा। कुछ तटस्थ और ईमानदारी पूर्व जजों ने अमित शाह के खिलाफ पत्र-लेखन को गलत बताया है और कहा है कि अमित शाह के बयान से न्यायपालिका खतरे में पड़ने नहीं जा रही। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 22 अगस्त को कोच्चि में एक कार्यक्रम में कहा था कि कांग्रेस ने वामपंथी दबाव के आगे घुटने टेक कर रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया। शाह ने रेड्डी को नक्सलवाद का समर्थक बताया

और कहा कि छत्तीसगढ़ में माओवादियों के खिलाफ तैनात सलवा जुडूम को भंग करने का फैसला देकर उन्होंने नक्सलवाद विरोधी अभियान को छिन्न भिन्न कर दिया। अन्यथा उसी समय नक्सलवाद की समस्या समाप्त हो गई होती। अमित शाह ने कहा, विपक्ष के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी वही

अमित शाह के बयान पर हेट-लेटर लिखने लगी चौकड़ी

शख्स हैं, जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद और नक्सलवाद के समर्थन में सलवा जुडूम का फैसला दिया। अगर ऐसा नहीं हुआ होता, तो 2020 तक वामपंथी उग्रवाद खत्म हो गया होता। उन्होंने केरल के लोगों को याद दिलाया कि उनका राज्य भी नक्सलवाद और उग्रवाद का दंश झेल चुका है। शाह ने तर्क दिया कि कांग्रेस ने अपने वामपंथी सहयोगियों के दबाव में ऐसे व्यक्ति को ऊंचा पद दिया, जिससे उसका असली वैचारिक झुकाव जाहिर होता है।

तटस्थ राजनीतिक समीक्षक भी यह मानते हैं कि अमित शाह का बयान न्यायपालिका के खिलाफ नहीं था, बल्कि यह एक प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार की पृष्ठभूमि को लेकर सटीक राजनीतिक आलोचना थी, जो लोकतांत्रिक चुनावों में बिल्कुल सामान्य है। आलोचना से जजों और कार्यकर्ताओं के समूह को इतनी मर्मांतक चोट क्यों लगी, इसे समझने के लिए 2011 के सलवा जुडूम वाले फैसले को देखना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन जस्टिस रेड्डी और निज्जर की ▶10पर

भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ को बताया

राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल नहीं कर सकते राज्य

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से साफ-साफ कहा कि राज्य सरकारें राष्ट्रपति या राज्यपाल के विधेयकों पर लिए गए फैसलों के खिलाफ याचिका नहीं दाखिल कर सकतीं। सरकार ने कहा कि राज्य के पास राष्ट्रपति या राज्यपाल के सिर पर चढ़ने का संवैधानिक अधिकार नहीं होता। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए विवादास्पद फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ मामले की सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ इस बात पर विचार कर रही है कि क्या सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति और राज्यपाल को तय समय में विधेयकों पर फैसला लेने का निर्देश दे सकता है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ के सामने कहा कि राज्य सरकारें किसी अध्यादेश पर राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसले के खिलाफ याचिका

अनुच्छेद 32 के तहत लिए गए फैसलों को नहीं दी जा सकती चुनौती

दाखिल नहीं कर सकतीं। संविधान पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल थे। मेहता ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस बात पर सुप्रीम कोर्ट की राय लेना चाहती हैं कि क्या राज्य सरकारें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिकाएं दाखिल कर सकती हैं? उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति यह भी जानना चाहती हैं कि संविधान के अनुच्छेद 361 का दायरा क्या है? यह अनुच्छेद कहता है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने अधिकारों और कर्तव्यों के निर्वहन के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे। मेहता ने संविधान पीठ को बताया कि इन सवालों पर पहले भी चर्चा हुई है। लेकिन राष्ट्रपति का मत है कि अदालत की स्पष्ट राय जरूरी है, क्योंकि भविष्य में ऐसा मामला फिर उठ सकता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत राज्य सरकार की ओर से राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती। न तो कोर्ट ऐसे मामलों में कोई निर्देश दे सकता है और न ही इन फैसलों को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। ▶10पर

असम सरकार ने लागू की नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)

बाहरी हो या भीतरी, अब असम में आसानी से नहीं खरीद पाएंगे जमीन

गुवाहाटी, 28 अगस्त (एजेंसियां)। असम में जनसांख्यिकीय बदलाव और संभावित सुरक्षा खतरों को देखते हुए असम सरकार ने एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीड्योर) को मंजूरी दी है। यह प्रक्रिया अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच भूमि हस्तांतरण की जांच के लिए लागू की गई है। इसके अलावा असम के बाहर से आने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) द्वारा जमीन खरीदने की प्रक्रिया को भी इस प्रक्रिया के तहत जांचा जाएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि असम जैसे संवेदनशील राज्य में जमीन के लेन-देन को बहुत सावधानी से संभालना जरूरी है, ताकि कोई धोखाधड़ी न हो और समाज में शांति बनी रहे। अगर जमीन का ट्रांसफर (खरीद-बिक्री या दान) एक ही धर्म के लोगों के बीच हो रहा है, तो इस प्रक्रिया का कोई असर नहीं होगा और ऐसे सौदे बिना किसी अतिरिक्त रुकावट के हो सकेंगे। लेकिन अगर यह ट्रांसफर अलग-

समान धर्म में ही हो सकेगा जमीन ट्रांसफर

अलग धर्मों के बीच हो, जैसे हिंदू और मुस्लिम या इसके उलट, तो इसके लिए कई स्तरों पर जांच होगी।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, जब कोई प्रस्ताव सब-डिविजनल अफसर के पास आएगा, तो अगर यह एक ही धर्म के लोगों के बीच का सौदा है, तो कोई दिक्कत नहीं। लेकिन अगर यह इंटर-रिलीजन सौदा है, जैसे हिंदू और मुस्लिम के बीच तो पहले यह जांचा जाएगा कि जमीन का मालिक असली है या नहीं, जमीन असली है या नहीं। इसके बाद प्रस्ताव डिप्टी कमिश्नर के पास जाएगा। डिप्टी कमिश्नर इस प्रस्ताव को राजस्व विभाग को भेजेगा। वहां से यह असम पुलिस की स्पेशल ब्रांच को जाएगा। स्पेशल ब्रांच यह देखेगी कि कहीं यह सौदा जबरदस्ती, धोखाधड़ी या गैरकानूनी तो नहीं है। साथ ही खरीदार के पैसे का स्रोत भी जांचा जाएगा कि वह काला धन तो नहीं है। इसके अलावा स्थानीय लोगों की राय भी ली जाएगी कि वे इस सौदे से सहमत हैं या नहीं, खासकर जब जमीन किसी अलग धर्म के व्यक्ति को बेची जा रही हो। मुख्यमंत्री ने कहा, स्पेशल ब्रांच यह भी देखेगी कि इस सौदे से स्थानीय सामाजिक ढांचे पर कोई ▶10पर

खुफिया एजेंसियों ने बिहार और यूपी पुलिस को किया अलर्ट

नेपाल के रास्ते बिहार-यूपी में घुसे जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी

पटना/लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान से ऑपरेट करने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी नेपाल के रास्ते बिहार और यूपी में प्रवेश कर रहे हैं। इनका इरादा बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी फैलाना और बिहार से जुड़े यूपी के पूर्वांचल राज्यों में धार्मिक उपद्रव कराना है। खुफिया एजेंसियों ने बिहार और उत्तर प्रदेश पुलिस को इस बारे में सतर्क किया है। कुछ ही महीनों के बाद बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। खुफिया एजेंसियों ने जानकारी दी है कि जैश के आतंकी बिहार और यूपी में बैठे स्लीपर-सेल को जाग्रत कर अराजकता पैदा करने के इरादे से घुस रहे हैं। जैश के तीन आतंकियों का पता चला है जो नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे हैं। जैश के अन्य तीन आतंकी नेपाल से यूपी में घुसे हैं। ▶10पर

ढाका में हुई बीएसएफ और बीजीबी के डीजी स्तर की बैठक

अवैध घुसपैठ और अपराध रोकने पर दोनों देश सहमत

ढाका/नई दिल्ली (एजेंसियां)। भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की महानिदेशक स्तर की चार दिवसीय बैठक में सीमा सुरक्षा मजबूत करने और अवैध घुसपैठ रोकने पर सहमति बनी है। बीएसएफ के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी ने बांग्लादेशी पक्ष को भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने की बात बता दी है। दोनों देशों के सुरक्षाबलों के बीच एक संयुक्त चर्चा रिकॉर्ड पर हस्ताक्षर किया गया है। इस बातचीत में दोनों देश सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने और अवैध

घुसपैठ पूरी तरह से रोकने पर सहमत हुए हैं। यह चर्चा 25 अगस्त को ढाका में शुरू हुई थी, जिसमें भारत और बांग्लादेश की

चार दिवसीय बैठक में कई जरूरी मसलों पर हुई चर्चा

ओर से बड़े अधिकारी शामिल हुए। भारत की ओर से प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई खुद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डीजी दलजीत सिंह चौधरी ने की। उन्होंने 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई की, जिसमें बीएसएफ के बड़े अधिकारी समेत गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग के अफसर शामिल हुए। वहीं बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई बीजीबी के डीजी मेजर जनरल मोहम्मद अशरफुज्जमान सिद्दीकी ने की, जिसमें 21 सदस्य शामिल थे। चार दिनों की इस चर्चा में बीएसएफ और बीजीबी ने विस्तृत मुद्दों पर बात की, जिसमें सीमा पर मुस्तैदी बढ़ाने की बात भी शामिल है। दोनों देशों की ओर से साझा बयान भी जारी किया गया। ▶10पर

अमित शाह ने ऑपरेशन महादेव के वीरों को पहनाया मेडल

पहलगाम के आतंकियों को निपटाने वाले जवान सम्मानित

नई दिल्ली/जम्मू, 28 अगस्त (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन जवानों को सम्मानित किया जिन्होंने पहलगाम हमले के आरोपियों को ढेर किया। अमित शाह ने भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के वीर जवानों से मिलकर उन्हें सम्मानित किया। ऑपरेशन महादेव 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ था, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 निर्दोष हिंदुओं की हत्या कर दी थी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरे देश की ओर से इन जवानों को बधाई दी जाती है। ऑपरेशन में तीन आतंकी सुलेमान शाह उर्फ हाशिम मूसा (लश्करे तैयबा का ए-कैटेगरी कमांडर), ▶10पर

कश्मीर के गुरेज सेक्टर में सेना ने दो घुसपैठियों को किया ढेर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 24^0

न्यूनतम : 22^0

राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी के लिए अहमदाबाद तैयार

2030 राष्ट्रमंडल खेल की दावेदारी को केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय कैबिनेट ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों (कॉमनवेल्थ गेम्स) की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी को मंजूरी दे दी। विश्वस्तरीय स्टेडियमों, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधाओं और खेल संस्कृति के कारण अहमदाबाद को आदर्श मेजबान बताया जा रहा है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सहमति जताने के कुछ दिन बाद ही केंद्र सरकार का फैसला आया। भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी की इच्छा जताने वाला आशय पत्र जमा कर दिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी के युवा कार्य और खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय कैबिनेट ने संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटियों के साथ मेजबान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर

करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता की मंजूरी देने को भी मंजूरी दे दी है। दावेदारी के लिए बोली जमा करने की आखिरी तारीख 31 अगस्त 2025 है। आईओए अगले 48 घंटे में प्रक्रिया पूरी कर सकता है। भारत ने आखिरी बार 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। राष्ट्रमंडल खेल की आमसभा नवंबर के आखिरी सप्ताह में ग्लास्गो में मेजबानी को लेकर फैसला लेगी।

कनाडा के वित्तीय कारणों से पीछे हटने के बाद भारत की मेजबानी की संभावना प्रबल हो गई है। कैबिनेट बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया कि अहमदाबाद खेलों की मेजबानी के लिए आदर्श शहर होगा। अहमदाबाद में विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधाएं और खेल संस्कृति है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी 2023 क्रिकेट विश्व कप फाइनल का सफल आयोजन हो चुका है।

भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की भी इच्छा जता चुका है। उसके लिए भी अहमदाबाद रेस में सबसे आगे है। इसके लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल खेल एन्क्लेव प्रमुख वेन्यू में से एक है, जिसमें निर्माण कार्य जारी है। राष्ट्रमंडल खेलों में 72 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा और राजस्व पैदा होगा। इसके अलावा खेल विज्ञान, इवेंट प्रबंधन, लॉजिस्टिक और परिवहन समन्वयक, प्रसारण और मीडिया, आईटी, संचार और जनसंपर्क जैसे कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों को मौका मिलेगा। सरकार का मानना है कि इतने बड़े आयोजन की मेजबानी से ▶10पर

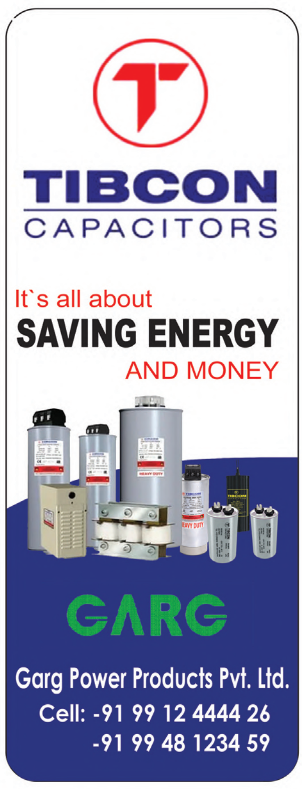

ये रोल कुत्ता भी न करे... राज कुमार ने की थी रामानंद सागर की बेइज्जती!

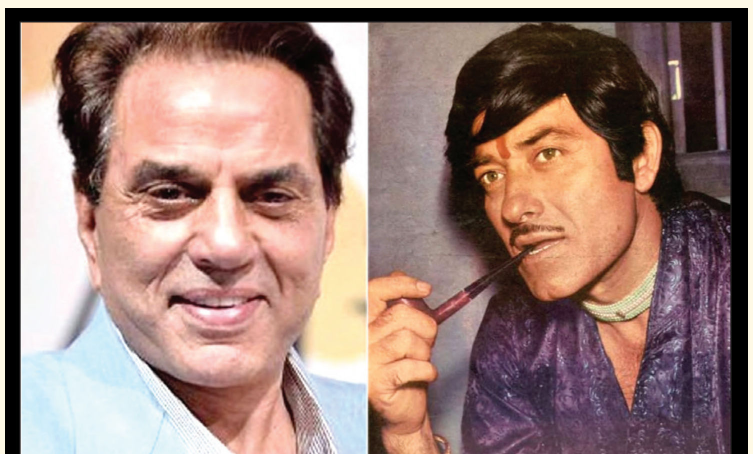

मशहूर बॉलीवुड अभिनेता राज कुमार अपने अनोखे अंदाज और दमदार अभिनय के लिए जाने जाते थे। उन्हें आज भी 'पाकीजा', 'सौदागर', 'तिरंगा' और 'नील कमल' जैसी फिल्मों के लिए याद किया जाता है। अपने डायलॉग्स में 'जानी...' का इस्तेमाल और गले पर हाथ फेरने का उनका अंदाज दिवंगत अभिनेता की पहचान बन गया था।

राज कुमार अपनी शैली के साथ-साथ अपनी बुद्धि के लिए भी प्रसिद्ध थे। बॉलीवुड के गलियारों में उनके बारे में कई मजेदार किस्से मशहूर हैं। ऐसा ही एक किस्सा निर्माता-निर्देशक रामानंद सागर के साथ जुड़ा है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

राजकुमार ने कुत्ते से की हीरो की तुलना

1967 में, रामानंद सागर, राज कुमार को 'आंखें' के लिए साइन करना चाहते थे। उन्होंने बॉलीवुड स्टार को फिल्म की कहानी सुनाई, लेकिन राजकुमार को स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई। खबरों के मुताबिक, राजकुमार ने अपने पालतू कुत्ते को बुलाया और उसके सामने कहानी सुनाते हुए मजाक में पूछा, 'क्या तुम यह फिल्म करोगे?' इसके बाद, उन्होंने रामानंद सागर से कहा, 'यह रोल मेरा कुत्ता भी नहीं करेगा।' राजकुमार की इस बात से रामानंद सागर को गहरा सदमा लगा और वे गुस्से में वहां से चले गए।

धर्मेंद्र ने ली राजकुमार की जगह

कथित तौर पर, निर्देशक राज कुमार के रूखे व्यवहार से बहुत आहत हुए और उन्होंने कुछ देर तक बात नहीं की। दिलचस्प बात यह है कि दोनों ने कभी साथ काम नहीं किया। बाद में 1968 में रिलीज हुई इस फिल्म में धर्मेंद्र ने लीड रोल किया और यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई। इसे उनके करियर की सबसे सफल फिल्मों में गिना जाता है। सिर्फ 85 लाख रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 6 करोड़ रुपये की कमाई की।

फिल्म में थे इतने कलाकार

रामानंद सागर की लिखी और निर्देशित इस फिल्म में माला सिन्हा, धर्मेंद्र, कुमकुम, सुजीत कुमार, महमूद, ललिता पवार और परदुमन रंधावा ने अहम रोल्स प्ले किए।

नम्रता मल्ला ने 'लाल घाघरा' पर दिखाए कमाल के एक्सप्रेशन तो त्रिशा कर ने 'झुलनी' पर लगाए ठुमके

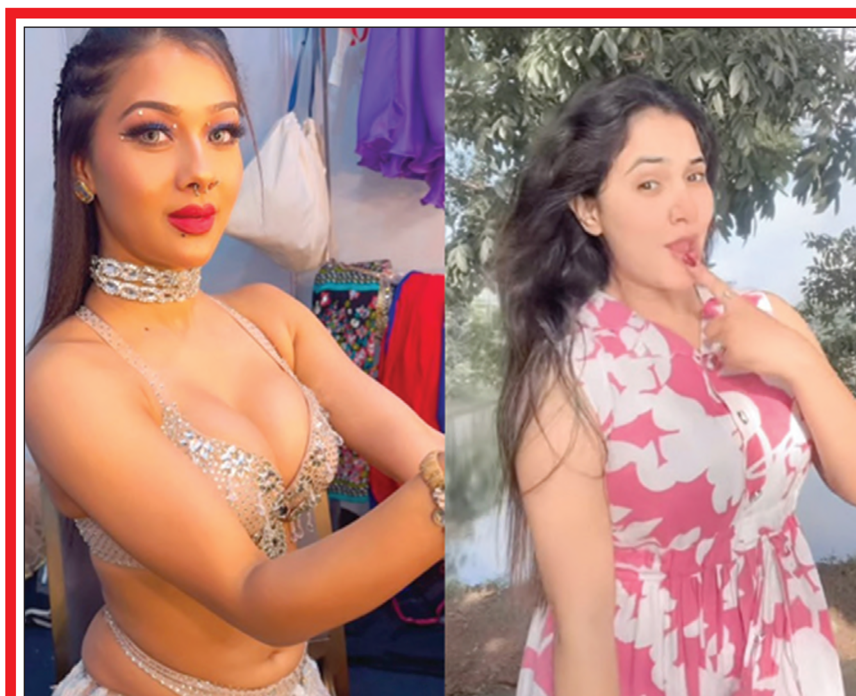

भोजपुरी इंडस्ट्री की चमकती हुई दो बड़ी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला और त्रिशा कर मधु एक्टिंग और डांस के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन वे अपनी नई-नई फोटो और वीडियो पोस्ट कर फैंस का ध्यान खींचती हैं। चाहे स्टाइलिश फोटोशूट हो या डांस वीडियो, ये दोनों हमेशा कुछ न कुछ ऐसा करती हैं जो सोशल मीडिया पर छा जाता है। बुधवार को भी इन दोनों एक्ट्रेस ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक-एक वीडियो पोस्ट की, जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

नम्रता मल्ला की अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए वीडियो में नम्रता शूट के लिए तैयार होती नजर आ रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि वे मिरर के सामने लिपस्टिक लगा रही हैं और हल्की मुस्कान से कैमरे की ओर देख रही हैं। चेहरे पर ब्राइट मेकअप और बालों का स्टाइल उनकी खूबसूरती को और भी बढ़ा रहा है। खास बात यह है कि उन्होंने अपने खुले बालों में छोटी-छोटी चोटी बनाई हुई है, जो उन्हें एक मॉडर्न लुक दे रही है।

इस वीडियो के बैकग्राउंड में भोजपुरी का हिट गाना 'लाल घाघरा' चल रहा है, जिसे पवन सिंह और शिल्पी राज ने मिलकर गाया है। यह गाना दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रहा। इस गाने में पवन सिंह और नम्रता मल्ला की केमिस्ट्री देखने लायक है। इस गाने को विजय चौहान ने लिखा है और संगीत शुभम राज ने तैयार किया है। सूरज कटोच ने इसका निर्देशन किया है।

वहीं बात करें त्रिशा कर मधु की, तो उन्होंने भी अपने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत वीडियो पोस्ट किया। इसमें त्रिशा कर प्रिंटेड पिंक कुर्ती में बेहद प्यारी लग रही हैं। इस वीडियो में वे भोजपुरी के रोमांटिक गाने 'झुलनी' पर डांस करती दिख रही हैं। त्रिशा कर मधु के न सिर्फ डांस स्टेप्स, बल्कि उनके चेहरे के एक्सप्रेशन भी कमाल के दिख रहे हैं। बता दें कि 'झुलनी' को यश कुमार और शिल्पी राज ने गाया है। इस गाने के बोल धर्म हिंदुस्तानी ने लिखे हैं और संगीत साजन मिश्रा ने दिया है। वीडियो का निर्देशन दिवाकर पांडे और ऋषु ने मिलकर किया है। इस गाने में यश कुमार और त्रिशा कर की जोड़ी काफी जबरदस्त नजर आई है।

रियल लाइफ हीरो सोनू सूद ने भक्ति और पर्यावरण अनुकूल परंपराओं के साथ मनाई गणेश चतुर्थी

सोनू सूद के लिए गणेश चतुर्थी हमेशा से ही भक्ति, एकजुटता और जागरूक उत्सव का समय रहा है। हर साल की तरह, इस बार भी अभिनेता-समाजसेवी सोनू सूद ने पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ अपने घर भगवान गणेश का स्वागत करते हैं और हर अनुष्ठान को व्यक्तिगत स्पर्श के साथ निभाते हैं। अपनी परंपरा के अनुसार, इस वर्ष भी उन्होंने गणेश जी की मूर्ति घर ले आएं हैं और अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ पर्यावरण-अनुकूल तरीके से पाँच दिनों तक त्योहार मना रहे हैं। मूर्ति के स्वागत के साथ ही, सूद के घर में आस्था और उत्सव का वातावरण बन गया। उनके निवास पर आरती, भोग और दैनिक पूजा की गूंज सुनाई दी, और उनकी संवेदनशील पहल ने इस उत्सव को और भी अर्थपूर्ण बना दिया।

उत्सव की शुरुआत में ही उन्होंने मीडिया और पपराज़ी को भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए आमंत्रित किया और उनके साथ प्रसाद बाँटा, यह एक ऐसा भाव था जो उनकी समावेशी सोच को दर्शाता है। जो बात सबसे खास रही, वह थी सोनू सूद की पर्यावरण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता। हर साल वे एक इको-फ्रेंडली गणेश मूर्ति का चयन करते हैं ताकि उनका उत्सव पर्यावरण के प्रति जागरूक बना रहे। इसके साथ ही वे हर साल घर पर ही एक विशेष रूप से बनाए गए तालाब में विसर्जन करते हैं।

यह सतत प्रयास न केवल पूजा की पवित्रता को बनाए रखता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भक्ति और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी साथ-साथ निभाई जा सकती हैं। पांच दिनों तक सोनू सूद पूरी श्रद्धा के साथ अनुष्ठानों में लीन रहे और साथ ही परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षणों, हर्षोल्लास और शांत प्रार्थना का भी आनंद लिया।

उनका गणेशोत्सव केवल परंपराओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक आध्यात्मिक, व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से जागरूक संबंध भी स्थापित किया। भक्ति, पारिवारिक स्नेह और पर्यावरण-सचेत प्रथाओं के मिश्रण में, सोनू सूद की गणेश चतुर्थी प्रेरणा देती रहती है। बप्पा का सम्मान करने का उनका तरीका न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि हमारे आस-पास की दुनिया के प्रति एक ज़िम्मेदारी को भी दर्शाता है।

नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में डांस वर्कशॉप में मचाई धूम

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही चार्ट्स और डांस फ्लोर, दोनों पर आग लगा रही हैं! लॉस एंजिल्स में, नोरा ने एक हाई-एनर्जी डांस वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जहाँ उन्होंने फैन्स और डांसर्स के साथ मिलकर 'ओ मामा! टेटेमा' कोरियोग्राफी में शानदार प्रदर्शन किया। नोरा सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रहीं – उन्होंने खुद डांस फ्लोर पर उतरकर युवा डांसर्स और कलाकारों को अपनी जोशीली एनर्जी से प्रोत्साहित किया। पूरा माहौल जोश और उत्साह से भर गया, फैन्स ने नोरा के हर मूव को कैमरे में कैद किया, जब वह सभी को प्रोत्साहित कर रही थीं। यह वर्कशॉप सिर्फ एक इवेंट नहीं बल्कि एक उत्सव बन गया – संगीत, डांस और कम्युनिटी का उत्सव – जिसे नोरा हमेशा आगे बढ़ावा देती रही हैं। इस बीच, उनका नवीनतम ट्रैक ओह मामा! टेटेमा दुनिया भर में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। यह गाना स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल सॉन्स चार्ट पर 29वें स्थान पर पहुँच गया है और भारत में चौथे स्थान पर पहुँच गया है, जिससे इसके क्रॉसओवर प्रभाव का प्रमाण मिलता है।

इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए, नोरा ने प्रशंसकों के साथ अपना उत्साह साझा किया: दोस्तों, मैं बहुत एक्साइटेड हूं। आज सुबह उठते ही मुझे एक जबरदस्त खबर मिली। 'ओ मामा! टेटेमा' स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल चार्ट्स में नंबर 29 पर है। ग्लोबल चार्ट्स, समझे? ये पागलपन है! और हम इंडिया में नंबर 4 पर हैं। तो हम सच में आ रहे हैं आप सभी के लिए! मुझे लगता है ये गाना 2025 का समर एंथम बनने वाला है। और ये बस यू ही चलता ही रहेगा।

मुझे ये गाना बहुत पसंद है, और मुझे पता है आप सबको भी बहुत पसंद है। मुझे लगता है हम इंस्टाग्राम पर एक मिलियन रील्स छूने वाले हैं। हर कोई इस पर डांस कर रहा है – ये पागलपन है! हर तरफ सिर्फ रील्स ही रील्स हैं। ये एक स्पेशल मोमेंट है, ठीक है? एक सिंगर और म्यूजिकल आर्टिस्ट के रूप में ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आप सबको बहुत प्यार करती हूं।

जहाँ एक ओर 'ओ मामा! टेटेमा' ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया है, वहीं नोरा 'कांचना 4' और कई अन्य फिल्मों के साथ स्क्रीन पर भी दस्तक देने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। लेकिन एलए की उस वर्कशॉप में जिन फैन्स ने उनके साथ डांस किया, हँसे और वो पल जिए – उनके लिए असली जादू सिर्फ संगीत में नहीं था, बल्कि उस स्टार के विनम्र स्वभाव में था, जो हमेशा अपने चाहने वालों पर अपनी चमक बिखेरना कभी नहीं भूलती। प्लेलिस्ट्स पर राज करने से लेकर दुनियाभर में डांस फीवर जगाने तक, नोरा फतेही एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह एक सच्ची ग्लोबल सेंसेशन क्यों हैं।

अक्षरा सिंह ने ग्रीन साड़ी में बिखेरा जलवा

भोजपुरी फिल्मों की अभिनेत्री अक्षरा सिंह बेहतरीन अभिनय और अद्भुत स्टाइल के लिए चर्चा में रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। इस कड़ी में अक्षरा ने बुधवार को एक वीडियो पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ग्रीन कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उनकी मुस्कान को देख फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

वीडियो में अक्षरा का आकर्षक लुक, हल्की-सी मुस्कान और स्टाइलिश पोज फैंस को लुभा रहा है। वह साड़ी में अलग-अलग अंदाज में वीडियो शूट करवा रही हैं। कभी वह सामने से चलकर आती दिख रही हैं, तो कभी पेड़ों के पीछे से पोज दे रही हैं। वह अपने पल्लू को हवा में उड़ाते हुए मौसम का मजा लेती हुई भी नजर आ रही हैं।

उनका यह लुक न केवल उनकी खूबसूरती को बयां करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे सादगी के साथ-साथ फैशन के मामले में भी किसी से पीछे नहीं हैं। वीडियो में अक्षरा ने रोमांटिक शॉर्ट फिल्म 'बम्बलिंग' का गाना 'फाइनली वी मेट' ऐड किया है।

अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, सच्ची खूबसूरती ध्यान खींचने की कोशिश नहीं करती, लोग खुद ही उसे पसंद करने लगते हैं। उनके इस पोस्ट पर फैंस की तेजी से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई फॉलोअर्स तो उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं, तो कई उनके लिखे कैप्शन को दिल से महसूस करते हुए कमेंट्स कर रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, आपकी आंखों में छुपा दर्द साफ झलकता है, लेकिन जिस हिम्मत से आप मुस्कुरा रही हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है।

अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी विवादों में रह चुकी हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। एक समय था जब दोनों का रिश्ता सुर्खियों में रहा, लेकिन वक्त के साथ यह रिश्ता कड़वाहट में बदल गया। अलगाव के बाद अक्षरा ने पवन सिंह पर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाए, जिससे उनके व्यक्तिगत जीवन में काफी उथल-पुथल मची।

बेटी अलीशा के जन्मदिन पर इमोशनल हुई सुष्मिता सेन, 10 साल तक किया था इस चमत्कार का इंतजार

सुष्मिता सेन एक सिंगल मदर हैं, और उन्होंने अपनी दोनों गोद ली हुई बेटियों को बेहतरीन परवरिश दी है। गुरुवार को उनकी छोटी बेटी अलीशा सेन 16 साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर सुष्मिता सेन ने अपने इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट साझा किए, जिनमें से एक वीडियो और एक फोटो स्लाइडशो है। इन पोस्ट्स के जरिए उन्होंने अपने दिल की बात बड़ी ही खूबसूरती के साथ जाहिर की।

पहले पोस्ट में सुष्मिता सेन ने एक प्यारा-सा वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो अपनी बेटी अलीशा के साथ नजर आ रही हैं। वीडियो सेल्फी कैमरे से शूट किया गया है, जिसमें मां-बेटी दोनों बेहद खुश दिखाई दे रही हैं। सुष्मिता ने सफेद रंग की ड्रेस पहन रखी है, वहीं अलीशा ने काले रंग की ऑफ-शोल्डर ड्रेस पहनी हुई है। दोनों की मुस्कान और आपसी केमिस्ट्री इस वीडियो को बेहद खास बना रही है। वीडियो के साथ सुष्मिता सेन ने लिखा, दुआओं से जन्मी! मैंने इस चमत्कार, अलीशा सेन, के लिए पूरे 10 साल इंतजार किया। मैं तुम्हें बहुत सारा प्यार करती हूं!!!

इसके बाद सुष्मिता सेन ने कई पुरानी तस्वीरों को पोस्ट किया है, जो अलीशा की जिंदगी के खास पलों की झलक दिखाती हैं। इनमें अलीशा के बचपन की मासूमियत भी है, उनकी किशोरावस्था की झलक भी, और मां-बेटी के बीच बिताए कई अनमोल पल भी। तस्वीरों में सुष्मिता की बड़ी बेटी रेने भी नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ सुष्मिता सेन ने प्यार भरा कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने लिखा, 16वां जन्मदिन मुबारक हो शोनू अलीशा। मेरी नजरों में तुम सबसे प्यारी स्वीट सिक्स्टीन हो... मैं एक बहुत गर्वित मां हूं... जिसके पास सबसे कोमल दिल है और सबसे प्यारी मौजूदगी! उन्होंने आगे लिखा, मैं तुम्हारी हर उपलब्धि को देखकर हैरान रह जाती हूं और जानती हूं कि अभी बहुत कुछ बाकी है। तुम्हारे लिए एक जादुई साल इंतजार कर रहा है, मेरी शोनू! भगवान हमेशा तुम पर अपनी सबसे खास कृपा बरसाए तुम्हारी किस्मत उतनी ही सुंदर हो जितनी तुम हो। हम 16वें साल की शुरुआत कर रहे हैं स्कूल कैप्टन के तौर पर! शाबाश! पार्टी टाइम रेने सेन, अलीशा सेन। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं!

केवल चूहा ही नहीं यह भी हैं गणपति की सवारी जानें कलयुग में क्या है गणेश जी का वाहन

सभी देवी देवताओं में गणेश जी प्रथम पूज्य देवता है जो मूषक यानि चूहे की सवारी करते हैं। मूषक गणेश जी का वाहन है। लेकिन केवल चूहा ही गणेश जी की सवारी नहीं है शेर और मोर भी गणेश जी की सवारी हैं।

गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। यह उत्सव पूरे दस दिनों तक चलता है। इस दौरान गणेश जी को भक्त घर लाते हैं और उनकी मूर्ति को घर में स्थापित करते हैं। गणेश उत्सव के दौरान भी गणेश जी की जो मूर्ति घर लाई जाती है उसमें भी गणेश जी का वाहन चूहा यानी मूषक का होना जरूरी है।

हर देवी-देवता का कोई ना कोई वाहन होता है जिस पर वह सवारी करते हैं। ऐसे ही भगवान गणपति की अलग-अलग युग में अलग-अलग सावरी हैं जिनका महत्व बताया गया है।

सतयुग में भगवान गणेश जी का वाहन सिंह है और उनकी भुजाएं 10 है और नाम विनायक है। भगवान गणेश ने भोलेनाथ और माता पार्वती के घर जब जन्म लिया जो उनका नाम विनायक रखा गया।

त्रेतायुग में श्री गणेशजी का वाहन मयूर है इसलिए उनको मयूरेश्वर कहा गया है। उनकी भुजाएं 6 हैं और रंग श्वेत।

द्वापरयुग में उनका वाहन मूषक है और उनकी भुजाएं 4 हैं। इस युग में वे गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं और उनका वर्ण लाल है।

कलियुग में उनका वाहन घोड़ा है और वर्ण धूम्रवर्ण है। इनकी 2 भुजाएं हैं और इस युग में उनका नाम धूम्रकेतु है।

चूहा कैसे बना गणेश जी की सवारी?

गणेश जी की सवारी मुख्य रूप से मूषक यानी चूहा है। मान्यता है कि एक बार क्रौंच नाम के अभिमानी गंधर्व ने वामदेव नाम के ऋषि का अपमान कर दिया, जिससे क्रोधित होकर उन्होंने क्रौंच को चूहा बनने का श्राप दे दिया। जब वह विशाल चूहे में बदल गया तो उसने आस-पास के क्षेत्र में नुकसान पहुंचाकर आतंक मचा दिया। इसके बाद ऋषियों द्वारा भगवान श्री गणेश की स्तुति करने पर उन्होंने इसे अपने पाश से बांध लिया। जब चूहे ने गणपति से माफी मांगी तो उन्होंने उसका अभिमान दूर करने के लिए अपनी सवारी बना लिया।

धन समृद्धि और आत्म उन्नति के लिए कैसे करें भगवान गणपति जी की साधना

मानव जीवन की थकान और मन की विफलताओं के बीच कोई एक क्षण ऐसा भी आता है, जब आत्मा का मौन मुखर हो उठता है। और तब किसी पर्व की ज्योति हमारे अंधकार को भेदकर अंतर्मन को आलोकित करती है। ऐसा ही एक पर्व है गणेश चतुर्थी।

यह दिन केवल विघ्नहर्ता गणपति का स्मरण नहीं, बल्कि हमारे आत्मजागृति का उत्सव है। गणपति समस्त गणों अर्थात् इंद्रियों के अधिपति हैं और इसी कारण महागणाधिपति कहे जाते हैं। वे केवल मंदिरों में विराजमान देवता नहीं, बल्कि हमारे भीतर, हमारे मूलाधार में प्रतिष्ठित आदि देव हैं। जलतत्व के प्रतीक गणेशजी हमारे अस्तित्व के प्रथम चक्र मूलाधार चक्र में निवास करते हैं। यही वह केंद्र है, जहाँ से साधना की यात्रा आरंभ होती है। यदि यह चक्र निष्क्रिय रहे, तो आज्ञा चक्र तक आत्मा की यात्रा कभी सम्भव ही नहीं। ज्ञानी और ध्यानी इसी जागरण को कुण्डलिनी जागरण कहते हैं। वास्तव में गणपति-पूजन कोई बाहरी अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा का आंतरिक उत्सव है। यह इंद्रियों पर संयम, ध्यान द्वारा भीतर उतरना और अपने ही अंतः करण में ईश्वर का स्पर्श पाना है। यही गणेश चतुर्थी का मर्म है।

मानव जीवन की थकान और मन की विफलताओं के बीच कोई एक क्षण ऐसा भी आता है, जब आत्मा का मौन मुखर हो उठता है। और तब किसी पर्व की ज्योति हमारे अंधकार को भेदकर अंतर्मन को आलोकित करती है। ऐसा ही एक पर्व है गणेश चतुर्थी।

यह दिन केवल विघ्नहर्ता गणपति का स्मरण नहीं, बल्कि हमारे आत्मजागृति का उत्सव है। गणपति समस्त गणों अर्थात् इंद्रियों के अधिपति हैं और इसी कारण महागणाधिपति कहे जाते हैं। वे केवल मंदिरों में विराजमान देवता नहीं, बल्कि हमारे भीतर, हमारे मूलाधार में प्रतिष्ठित आदि देव हैं। जलतत्व के प्रतीक गणेशजी हमारे अस्तित्व के प्रथम चक्र मूलाधार चक्र में निवास करते हैं। यही वह केंद्र है, जहाँ से साधना की यात्रा आरंभ होती है। यदि यह चक्र निष्क्रिय रहे, तो आज्ञा चक्र तक आत्मा की यात्रा कभी सम्भव ही नहीं। ज्ञानी और ध्यानी इसी जागरण को कुण्डलिनी जागरण कहते हैं। वास्तव में गणपति-पूजन कोई बाहरी अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा का आंतरिक उत्सव है। यह इंद्रियों पर संयम, ध्यान द्वारा भीतर उतरना और अपने ही अंतः करण में ईश्वर का स्पर्श पाना है। यही गणेश चतुर्थी का मर्म है।

गणेश तंत्र: साधना का विज्ञान

प्राचीन ग्रंथ मंत्रमहोदधि और गणेश तंत्र इस पर्व को विशेष साधना का काल मानते हैं। भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को अंगुष्ठाकार मिट्टी की प्रतिमा बनाकर, पंचोपचार पूजन कर यदि साधक ॐ वक्रतुंडाय हुम मंत्र का पाँच लाख जाप करे और चतुर्दशी को जिरे, काली मिर्च, गन्ने, दूर्वा, घृत, मधु आदि की दशांश आहुति से जीवन में समृद्धि का संचार होता है।

यदि किसी ने अपनी ही निंदा, आलोचना या दुष्कृत्यों से यश-कीर्ति खो दी हो, और शत्रुओं ने जीवन को घेर लिया हो, तो शास्त्र कहते हैं कि चतुर्थी को हल्दी की अंगुष्ठाकार प्रतिमा बनाकर ॐ गलौं बीज मंत्र का पांच लाख जाप करो। यह साधना भीतर और बाहर के सभी शत्रुओं पर विजय का संबल देती है।

इसी प्रकार रक्तचंदन या सितभानु(सफेद आक) की प्रतिमा बनाकर,अष्टमातृकाओं और दशदिग्पाल स्वरूप गणेश का पूजन कर हस्तिपिशाचिलिखे स्वाहा मंत्र का जप और तिल-घृत की आहुति करने से जीवन में उत्तम दिशा और अभ्युदय का संचार होता है। विभिन्न प्रतीकात्मक प्रतिमाओं के भी अर्थ गहरे हैं। कुम्हार की मिट्टी से बनी प्रतिमा धन-संपत्ति का संकेत है। गुड़ से बनी प्रतिमा सौभाग्य देती है। लवण की प्रतिमा शत्रुता का नाश करती है। और यह भी स्मरणीय है कि शास्त्रों में कहीं भी विशालकाय प्रतिमा का उल्लेख नहीं मिलता। यह परंपरा बाद के युगों की देन है। शास्त्रीय गणपति साधना सदैव लघु प्रतिमा और अंतर्मुखी ध्यान की साधना पर आधारित रही है।

आखिरी सत्य : गणपति का अंतर्याग

गणपति, जो समस्त इंद्रियों के अधिपति हैं, हमें संयम का संदेश देते हैं। वे हमारे मूलाधार में प्रतिष्ठित होकर हमें स्मरण कराते हैं कि आध्यात्मिक यात्रा भीतर से आरंभ होती है। बाहरी कर्मकांड केवल संकेत हैं, वास्तविक गणेश-पूजन है भीतर उतरना, ध्यानस्थ होना और परम तत्व का परिचय पाना।

इस प्रकार, गणेश चतुर्थी का पर्व केवल लोक-रीति, उत्सव या प्रथा नहीं है। यह हमारे अंतर्मन का शिल्पकार है,हमारी बुद्धि का आलोक है,और हमारी आत्मा के संवाद का सेतु है। इस पर्व में जहां भक्ति का संगीत है, वहीं साधना का मौन भी है; जहाँ लोकमानस की श्रद्धा है, वहीं तंत्र और मंत्र की गहन गाथा भी है। गणेश चतुर्थी, वस्तुतः, उस क्षण का नाम है जब जीवन की उलझनों के बीच से एक दिव्य स्वर फूट पड़ता है।

वक्रतुंड से लेकर लंबोदर गणपति तक, जानिए भगवान गणेश के 8 अवतार कौन से हैं

जिस प्रकार हिंदू धर्म में जगत के पालनहार भगवान विष्णु के 10 सबसे प्रमुख अवतारों के बारे में बताया गया है। ठीक उसी तरह भगवान गणेश जी के भी 8 अवतारों का उल्लेख धर्म शास्त्रों में मिलता है। देशभर में आज गणेश चतुर्थी मनाई जा रही है, जो गणपति बप्पा के जन्मदिवस के रूप में मनाते हैं। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में गणेश जी की विधिपूर्वक आराधना की जाती है और चारों तरफ बप्पा का ही नाम सुनाई पड़ता है। गणेश उत्सव के इस मौके पर हम आपको बताएंगे भगवान गणेश के 8 अवतार कौन से हैं और ये अवतार गणेश जी ने कब-कब धारण किए थे।

गणेश जी के 8 अवतार

मुद्गल पुराण में गणेश जी के 8 अवतारों का वर्णन किया गया है। भगवान गणेश के 8 अवतार ये हैं:- वक्रतुंड, एकदंत, महोदर, गजानन, लंबोदर, विकट, विघ्नराज और धूम्र वर्ण। गणेश जी ने ये अवतार मनुष्य के विभिन्न अवगुणों जैसे घमंड, मोह, लोभ, मत्सर (दूसरों के सुख से जलना) आदि का नाश करने के लिए धारण किए थे।

वक्रतुंड अवतार–यह गणेश जी का पहला अवतार माना जाता है। इस अवतार को धारण कर गणेश जी ने मत्सरासुर नाम के राक्षस के अत्याचारों को समाप्त किया था। यह राक्षस दूसरों के सुख से जलता था और लोगों को प्रताड़ित करता था।

एकदंत अवतार– यह भगवान गणेश का दूसरा अवतार है। गणपति जी ने यह अवतार मदासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए धारण किया था। यह राक्षस घमंड और नशे का आदि था, जो देवताओं पर अत्याचार करता था।

महोदर अवतार –भगवान गणेश ने यह अवतार मोहासुर नामक एक राक्षस के अत्याचारों को समाप्त करने के लिए धारण किया था। मोहासुर राक्षस के अत्याचारों से परेशान होकर देवी-देवताओं ने गणेश जी आह्वान किया, तब गणेश जी ने महोदर अवतार लिया।

गजानन अवतार– भगवान गणेश ने यह अवतार लोभासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए लिया था। लोभासुर का जन्म कुबेर देव के लोभ से हुआ, जो लालच का प्रतीक था। गणपति बप्पा ने गजानन अवतार लेकर इस राक्षस का वध किया था।

लंबोदर अवतार–गणेश जी ने यह अवतार क्रोधासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए धारण किया था। सूर्य देव की तपस्या कर क्रोधासुर राक्षस ने ब्रह्मांड पर अधिकार कर लिया, जिसके बाद गणेश जी ने यह अवतार धारण किया।

विकट अवतार – भगवान गणेश ने विकट अवतार कामासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए धारण था। कामासुर राक्षस का जन्म जलंधर नामक राक्षस से हुआ था। विकट अवतार में भगवान गणेश मोर पर विराजित हुए कामासुर का वध किया।

विघ्नराज अवतार – भगवान गणेश ने विघ्नराज अवतार ममासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए लिया था। इस राक्षस की उत्पत्ति माता पार्वती की हंसी से हुई थी। विघ्नराज अवतार में उन्होंने बाधाओं के राजा के रूप में कार्य किया।

धूम्रवर्ण अवतार –इस अवतार को गणेश जी का आठवां और सबसे शक्तिशाली अवतार माना जाता है। गणेश जी ने भूम्रवर्ण अवतार अहंतासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए लिया था। इस अवतार में गणेश जी का रंग धुएं जैसा था और वे काफी विकराल थे।

तुलसी जी ने भगवान गणेश को क्यों किया दिया था श्राप, जानें कथा और वजह

गणेश भगवान का निवास स्थान कैलाशलोक है। सुख, समृद्धि, विघ्नहर्ता भगवान गणेश बुद्धि और ज्ञान के देवता है। सच्चे मन और श्रद्धा भाव से गणेश जी की पूजा अर्चना करने से हर काम में सफलता प्राप्त होती है और जीवन में शांति की प्राप्ति होती है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। भगवान गणेश जी पूजा में तुलसी का प्रयोग करना निषेध है। तुलसी को बहुत पवित्र माना गया है लेकिन पवित्र तुलसी का प्रयोग गणेश पूजन में नहीं किया जाता। ऐसा इसलिए है क्योंकि तुलसी माता ने भगवान गणेश को श्राप दे दिया था, इस कारण से भगवान गणेश की पूजा में तुलसी का प्रयोग वर्जित है।

क्यों नहीं होता गणेश पूजा में तुलसी का प्रयोग?

पौराणिक कथा के अनुसार तुलसी माता, गणेश जी से प्रेम करती थी और उनसे विवाह करना चाहती थी। एक बार तुलसी जी ने अपनी यह इच्छा गणेश जी के सामने रखी। तुलसी जी ने उनसे अपने मन की बात कही। लेकिन गणेश जी ने उनके शादी के प्रस्ताव को मना कर दिया।गणेश जी ने अपने ब्रह्मचारी होने का हवाला दिया और विवाह की बात से इंकार कर दिया। इससे तुलसी माता बहुत क्रोधित हो गई और उन्होंने गणेश जी को श्राप दिया कि तुम्हारी दो शादियां होंगी। इसी श्राप के फलस्वरूप गणेश जी का विवाह रिद्धि और सिद्धि नामक दो बहनों से हुआ। वहीं गणेश जी ने भी तुलसी माता को श्राप दे दिया कि उनका विवाह राक्षस शंखचूड़ से होगा।

गणेश जी के श्राप देने के बाद तुलसी को अपनी भूल का अहसास हुआ और उन्होंने गणेश जी से क्षमा याचना की। इसी वजह से गणेश जी की पूजा में तुलसी का प्रयोग नहीं किया जाता। इसी वजह से तुलसी और गणेश जी के बीच बैर भाव है।

गणपति बप्पा को मोदक का ही भोग क्यों लगाया जाता है

गणेश चतुर्थी के त्योहार का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर पूरे धूमधाम से गणपति बप्पा का स्वागत किया जाता है। इसके लिए लोग कई दिनों पहले से ही तैयारी में लग जाते हैं और गणेशजी को स्थापित करने के बाद उन्हें मोदक का भोग जरूर लगाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि भगवान गणेश को मोदक बेहद प्रिय है और उन्हें मोदक का भोग लगाने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। ऐसे में आइए गणेश पुराण से जानते हैं कि आखिर क्यों गणेश चतुर्थी पर मोदक के भोग के बिना भगवान गणेश की पूजा अधूरी मानी जाती है।

गणेश पुराण में मिलता है मोदक का वर्णन

पुराण के अनुसार, देवताओं ने अमृत से निर्मित एक मोदक माता पार्वती को भेंट में दिया था। दिव्य मोदक को देखकर भगवान गणेश और उनके भाई कार्तिकेयजी माता से उसकी मांग करने लगे। तब देवी पार्वती ने मोदक के बारे में बताया कि इसकी गंध मात्र से ही अमरता प्राप्त हो सकती है। ऐसे में इसकी महक लेने वाले को सभी शास्त्रों का ज्ञान, कलाओं का जानकार बन जाता है।

भगवान गणेश ने ऐसे किया तीर्थ भ्रमण

देवी पार्वती से मोदक का महत्व सुनकर गणपतिजी और कार्तिकेयजी को उसे खाने की इच्छा होने लगी। इस पर माता ने कहा कि दोनों में जो भी धर्माचरण द्वारा श्रेष्ठता को प्राप्त करके सबसे पहले सभी तीर्थों का भ्रमण करके यहां पहुंचेगा, उसी को मैं यह मोदक दूंगी। देवी पार्वती की बात सुनकर कार्तिकेयजी मयूर पर बैठकर सभी तीर्थों का स्नान करने लगे। वहीं, गणेशजी का वाहन मूषक होने के चलते वे सभी तीर्थों का भ्रमण न कर सके। तभी उन्होंने दूसरा तरीका अपनाया और माता-पिता के सामने परिक्रमा करते हुए माता और पिता की स्तुति की।

इस तरह बना मोदक भगवान गणेश का प्रिय भोग

परिक्रमा पूरी होने के बाद भगवान गणेश माता-पिता के सामने खड़े हो गए। तब माता पार्वती ने कहा की सभी तीर्थ स्थानों का स्नान, देवी-देवताओं को प्रणाम, व्रत, यज्ञों का अनुष्ठान, योग, मंत्र और संयम का पान करना, यह सभी माता और पिता के पूजा के 16वें अंश के समान नहीं हो सकते हैं। ऐसे में ये दिव्य मोदक में तुम्हें देती हूं। सभी शुभ कार्यों और पूजा के दौरान सर्व प्रथम तुम्हारी पूजा होगी। भगवान गणेश को मोदक ग्रहण करके अपार संतुष्टि और प्रसन्नता महसूस हुई। तभी बप्पा के लिए मोदक प्रिय हो गया और यही कारण है कि उनकी पूजा में इसका भोग जरूर लगाया जाता है।

इसलिए भी है गणेशजी को मोदक प्रिय

एक पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार परशुरामजी के वार से भगवान गणेश का एक दांत टूट गया था। ऐसे में वे खाने में असमर्थ हो गए थे। तब उनके लिए मुलायम मोदक तैयार किए गए थे, जिसे खाकर भगवान गणेश बेहद प्रसन्न हो गए थे। बप्पा का एक दांत टूटा होने के चलते उन्हें एकदंत के नाम से भी जाना जाता है।

भगवान गणेश को बप्पा और मोरया क्यों कहा जाता है, इसके पीछे की कहानी है बेहद रोचक

गणेश चतुर्थी का त्योहार पूरे भारत में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इसी दिन से गणेश उत्सव का आगाज हो जाता है और लोग पूरे श्रद्धा भाव से गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं। साथ ही, उनकी नियमित रूप से पूजा और आरती करते हैं। वहीं, गणेशजी के जयकारे लगाते समय हम अक्सर गणपति बप्पा मोरया बोलते हैं। ऐसा बोलने के पीछे कई रोचक कथाएं छिपी हुई हैं। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि आखिर भगवान गणेश को बप्पा और मोरया क्यों कहा जाता है।

इसके पीछे है महाराष्ट्र के चिंचवाड़ गांव की एक कथा

इसके पीछे के रोचक कथा है कि लगभग 600 वर्ष पूर्व महाराष्ट्र के चिंचवाड़ गांव में एक भगवान गणेश के भक्त हुआ करते थे। इन्हें मोरया गोसावी नाम से जाना जाता था। मान्यता है कि मोरया गोसावी गणपतिजी के अंश थे और इनका जन्म 1375 ई। में हुआ था। इनके पिता वामन भट्ट और माता पार्वती भी भगवान गणेश के भक्त थे। ऐसी मान्यता है कि गणेशजी इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हीं के घर में जन्म लेने का वरदान दिया था।

मोरया के सपने में आकर गणेशजी ने कही ये बात

कहा जाता है कि बचपन से ही मोरया गोसावी भगवान गणेश की भक्ति में लीन रहते थे और गणेश चतुर्थी पर चिंचवाड़ से 95 किलोमीटर दूर पैदल चलकर मयूरेश्वर मंदिर के दर्शन करने जाते थे। बता दें कि भगवान गणेश की सवारी मयूर यानी मोर होने से उन्हें मयूरेश्वर नाम से भी जाना जाता है। 117 साल तक लगातार मोरया ऐसा ही करते थे। जब वो वृद्धावस्था में आ गए तो उनके लिए मयूरेश्वर मंदिर जाना बहुत मुश्किल हो गया था। ऐसे में एक दिन भगवान गणेश इन्हें सपने में दिखाई दिए और उन्होंने कहा की अब तुम्हें मंदिर जाने की आवश्यकता नहीं है। कल के दिन जब स्नान करके तुम कुंड से निकलोगे, तो अपने सामने मुझे देखोगे। यह स्वप्न अगले दिन सच हो गया और कुंड से निकलने पर उन्हें अपने पास एक गणेशजी की छोटी सी प्रतिमा देखने को मिली जो बिल्कुल वैसी थी, जैसी उन्होंने अपने सपने में देखी थी।

चिंचवाड़ और मयूरेश्वर मंदिर से जुड़ी मान्यता

मोरया ने भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना चिंचवाड़ में ही की और धीरे-धीरे वह स्थान दूर-दूर तक भक्तों के बीच प्रसिद्ध होता गया। इससे भक्तों और भगवान के बीच का अंतर कम होने लगेगा।

तभी से लोगों ने गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाने शुरू कर दिए। माना जाता है कि चिंचवाड़ में मौजूद गणेश भगवान की प्रतिमा मयूरेश्वर भगवान की अंश है। ऐसे में हर साल उनके अंश को मिलाने के लिए मयूरेश्वर मंदिर तक डोली निकाली जाती है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

पचास फीसदी टैरिफ के प्रभाव

27 अगस्त, सुबह 9.31 बजे से भारत में अमरीका का 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ भी लागू हो गया। अब अमरीका जाने वाले भारतीय सामान पर कुल 50 फीसदी टैरिफ देना पड़ेगा। भारत और ब्राजील पर सर्वाधिक 50 फीसदी टैरिफ थोपा गया है। जैसे ही अमरीका के गृह विभाग की अधिसूचना सामने आई, तैसे ही नुकसान और प्रभाव के आकलन और आंकड़े भी स्पष्ट होने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में एक महाबैठक बुलाई गई, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद का मुकाबला करने के विकल्पों और रास्तों पर विमर्श किया गया। पहले अमरीका में प्रवेश करने वाले भारतीय उत्पादों एवं सेवाओं पर औसतन 3 फीसदी आयात शुल्क का भुगतान करना पड़ता था। वह टैरिफ अब 50 फीसदी कर दिया गया है, लिहाजा फासला बहुत बड़ा है। सरकार समूचे प्रभावित क्षेत्रों को सबसिडी, कर्ज अथवा बेल पैकेज नहीं दे सकती। फिर भी कोरोना दौर जैसे बंदोबस्त करने होंगे। आम आदमी की क्रय-शक्ति कम न हो, बाजार में मांग बरकरार रहे, ताकि लघु, सूक्ष्म स्तर के उद्योगों में भी उत्पादन निरंतर जारी रह सके। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था के लिए यह चुनौती का दौर है। राष्ट्रपति ट्रंप की सोच समझ में नहीं आ रही कि वह भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी के संबंध चाहते हैं अथवा भारत को दबाव में झुका देना चाहते हैं? जर्मनी के एक बहुप्रसारित अखबार ने खबर छापी है कि ट्रंप ने चार बार प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने बात नहीं की। हम इस खबर की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन भारत अभी आंख से आंख मिला कर बात करने की मुद्रा में है। सवाल है कि भारत पर 50 फीसदी टैरिफ क्यों थोपा गया है, जबकि चीन पर 30 फीसदी, वियतनाम पर 20 फीसदी, यूरोपीय संघ और जापान पर 15-15 फीसदी टैरिफ लगाए गए हैं? बहरहाल टैरिफ लागू होने के बाद नोएडा, सूरत, तिरुपुर में वस्त्र उद्योग का उत्पादन ठप होने की खबर सामने आई, तो भारतीय निर्यातक संघ ने तुरंत मदद करने का आग्रह मोदी सरकार से किया। शुरुआती आकलन यह है कि टैरिफ का करीब 55 फीसदी निर्यात पर बुरा असर पड़ेगा। निर्यात कम होने से डॉलर भी कम होगा, नतीजतन डॉलर-रुपए के समीकरण भी प्रभावित होंगे। विदेशी निवेश भी कम होगा। भारत और अमरीका के बीच 2024-25 में 131 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार हुआ। उसमें करीब 87 अरब डॉलर का निर्यात भारत ने किया। वित्त-वर्ष 2025-26 में यह निर्यात घट कर 50 अरब डॉलर के करीब हो सकता है। यह बहुत गंभीर नुकसान होगा। करीब दो-तिहाई निर्यात, जो 60 अरब डॉलर का आंका गया है, 50 फीसदी टैरिफ के दायरे में आ जाएगा। यह श्रम-गहन वाले औद्योगिक क्षेत्रों- परिधान, वस्त्र, कालीन, झींगा मछली, रत्न-आभूषण और फर्नीचर आदि- पर हथौड़ा मारने जैसा होगा। सिर्फ कमीज का ही उदाहरण लें। 50 फीसदी टैरिफ लगने के बाद भारतीय कमीज पर 62 फीसदी, चीनी कमीज पर 42 फीसदी और वियतनामी कमीज पर 20 फीसदी टैरिफ लगेगा। अमरीकी बाजार में कोई भी महंगी कमीज क्यों खरीदेगा? संभव है कि मजबूरी में भारतीय कमीज के दाम कम करने पड़ सकते हैं! फार्मा की दवाइयां, स्मार्टफोन, पेट्रोलियम पदार्थ, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि का कुल 30 फीसदी निर्यात 'टैरिफ-मुक्त' रखा गया है। करीब 4 फीसदी निर्यात (3.2 अरब डॉलर) में मुख्यतः ऑटो पाट्र्स हैं, जिन पर फिलहाल 25 फीसदी टैरिफ है। यदि ट्रंप के टैरिफवाद से उद्योगों पर बुरा असर पड़ता है, तो जाहिर है कि नौकरियां भी जाएंगी। नतीजतन रोजगार की समस्या कुछ विकट होगी। हालांकि कुछ औद्योगिक पंडितों के आकलन हैं कि भारत की जीडीपी का नुकसान, मौजूदा वित्त-वर्ष में, मात्र 0.8 फीसदी हो सकता है। यह एक छोटी तस्वीर पेश की जा रही है, क्योंकि निर्यात जीडीपी के 2 फीसदी के समान है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर 200 फीसदी टैरिफ थोपने की धमकी जरूर दी है, लेकिन वह ऐसा कर नहीं सकेगा, क्योंकि चीन ने पलटवार किया, तो अमरीकी अर्थव्यवस्था के 'बारह बज' जाएंगे। भारत के प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रपति ट्रंप से सीधे बात करनी चाहिए। मामले को नौकरशाहों और राजनयिकों के हवाले ही छोडऩा देशहित में नहीं है।

> भारत और ब्राजील पर सर्वाधिक 50 फीसदी टैरिफ थोपा गया है। जैसे ही अमरीका के गृह विभाग की अधिसूचना सामने आई, तैसे ही नुकसान और प्रभाव के आकलन और आंकड़े भी स्पष्ट होने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में एक महाबैठक बुलाई गई, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद का मुकाबला करने के विकल्पों और रास्तों पर विमर्श किया गया। पहले अमरीका में प्रवेश करने वाले भारतीय उत्पादों एवं सेवाओं पर औसतन 3 फीसदी आयात शुल्क का भुगतान करना पड़ता था। वह टैरिफ अब 50 फीसदी कर दिया गया है, लिहाजा फासला बहुत बड़ा है। सरकार समूचे प्रभावित क्षेत्रों को सबसिडी, कर्ज अथवा बेल पैकेज नहीं दे सकती। फिर भी कोरोना दौर जैसे बंदोबस्त करने होंगे। आम आदमी की क्रय-शक्ति कम न हो, बाजार में मांग बरकरार रहे, ताकि लघु, सूक्ष्म स्तर के उद्योगों में भी उत्पादन निरंतर जारी रह सके। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था के लिए यह चुनौती का दौर है। राष्ट्रपति ट्रंप की सोच समझ में नहीं आ रही कि वह भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी के संबंध चाहते हैं अथवा भारत को दबाव में झुका देना चाहते हैं? जर्मनी के एक बहुप्रसारित अखबार ने खबर छापी है कि ट्रंप ने चार बार प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने बात नहीं की।

अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा

जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल: क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

कमलेश पांडेय

> अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी। ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी। ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है। मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा। ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी। लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा। वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी। यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है। रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी। आज जिस तरह से अरब मुल्कों पर वर्चस्व को लेकर, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्चस्व को लेकर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व को लेकर, हिन्द महासागर में वर्चस्व को लेकर, यूक्रेन में वर्चस्व को लॉकर, तिब्बत पर वर्चस्व को लेकर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में वर्चस्व को लेकर अमेरिका-यूरोप और रूस-चीन के बीच तलवारें खींची रहती हैं, शह-मात के खेल चलते रहते हैं, उसके दृष्टिगत अब भारत का साथ रूस-चीन को मिलने के संकेत भर से अमेरिका और उसके यूरोपीय समर्थक देशों की परेशानी बढ़ गई है। समझा जाता है कि अब रूस-भारत-चीन का प्रस्तावित त्रिकोण ही अमेरिका-यूरोप के देशों को उनकी लक्ष्मण रेखा बताएगा, ताकि एशिया-यूरोप में हथियार व गोला-बारूद खपाने को लेकर उनकी जो शातिर व भड़काऊ नीतियां हैं, वह बदली जा सकें। इस बारे में अब नए सिरे से उन्हें समझना होगा और जब वे समझने की कोशिश नहीं करेंगे तो फिर उसकी काट भी निकालनी होगी। दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत हुई थी तो इसी क्रम में 'एक-चीन' नीति से संबंधित बात भी उठी थी। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री ने दावा किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अंग मान लिया है। फिर भारत के विदेश मंत्री ने उनकी कथित टिप्पणियों पर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस पर चीन ने 'आश्चर्य' व्यक्त किया है। क्योंकि भारत ने कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नयी दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं। मैं समझता हूं कि जयशंकर ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि अभी तो मित्रता की पुनः शुरुआत हो रही है, जिसकी अग्नि परीक्षा अभी बाकी है। और फिर जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पीओके, नेपाल, भूटान, तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश, बंगलादेश, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव से जुड़े मामलों पर जब चीन के स्टैंड भारत के हितों के अनुकूल होंगे तो भारत भी उनके हितों का ख्याल रखेगा।

बोध कथा

निंदा का फल..............

एक बार की बात है की किसी राजा ने यह फैसला लिया के वह प्रतिदिन 100 अंधे लोगों को खीर खिलाया करेगा। एक दिन खीर वाले दूध में सांप ने मुंह डाला और दूध में विष डाल दी और ज़हरीली खीर को खाकर 100 के 100 अंधे व्यक्ति मर गए। राजा बहुत परेशान हुआ कि मुझे 100 आदमियों की हत्या का पाप लगेगा।राजा परेशानी की हालत में अपने राज्य को छोड़कर जंगलों में भक्ति करने के लिए चल पड़ा, ताकि इस पाप की माफी मिल सके। रास्ते में एक गांव आया। राजा ने चौपाल में बैठे लोगों से पूछा की क्या इस गांव में कोई भक्ति भाव वाला परिवार है ? ताकि उसके घर रात काटी जा सके।चौपाल में बैठे लोगों ने बताया कि इस गांव में दो बहन भाई रहते हैं जो खूब बंदगी करते हैं। राजा उनके घर रात ठहर गया। सुबह जब राजा उठा तो लड़की सिमरन पर बैठी हुई थी। इससे पहले लड़की का रूटीन था की वह दिन निकलने से पहले ही सिमरन से उठ जाती थी और नाश्ता तैयार करती थी। लेकिन उस दिन वह लड़की बहुत देर तक सिमरन पर बैठी रही।जब लड़की सिमरन से उठी तो उसके भाई ने कहा की बहन तू इतना लेट उठी है ,अपने घर मुसाफिर आया हुआ है।इसने नाश्ता करके दूर जाना है। तुझे सिमरन से जल्दी उठना चाहिए था। तो लड़की ने जवाब दिया कि भैया ऊपर एक ऐसा मामला उलझा हुआ था। धर्मराज को किसी उलझन भरी स्थिति पर कोई फैसला लेना था और मैं वो फैसला सुनने के लिए रुक गयी थी, इस लिए देर तक बैठी रही सिमरन पर। उसके भाई ने पूछा ऐसी क्या बात थी। तो लड़की ने बताया कि फलां राज्य का राजा अंधे व्यक्तियों को खीर खिलाया करता था।

देश दुनिया से

आ बैल, मुझे मार!

यह हमारा दुर्भाग्य ही था कि हम न केवल गुलाम हुए बल्कि गुलामी का यह दंश हमें लगभग आठ सौ सालों तक झेलना पड़ा। सन 1192 में मुहम्मद गौरी के गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक ने गुलाम वंश की नींव डाली जिसके बाद सन 1947 तक हम गुलाम रहे। गुलामी का वह दौर कोई आसान समय नहीं था। औरंगजेब के शासनकाल में ही गुरु तेग बहादुर जी शहीद हुए और औरंगजेब के शासन काल में ही सरहिंद के तत्कालीन नवाब वजीर खान के आदेश पर गुरु गोविंद सिंह जी के दो छोटे बेटों, जोरावर सिंह और फतेह सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। सन 1757 में अंग्रेजी साम्राज्य की स्थापना के साथ ही हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था पर रणनीतिक रूप से आघात शुरू हो गया, जिसने हमारे पुरातन आर्थिक और सांस्कृतिक ढांचे को तहस-नहस कर दिया। अंग्रेजों ने चुन-चुनकर हमारी दस्तकारी की कला की हत्या की, जिससे रोजगार खत्म हुए, गरीबी बढ़ी और हम विवशता के जाल में फंसते चले गए। दूसरी ओर लॉर्ड मैकाले ने जब नई शिक्षा नीति लागू की तो उसका उद्देश्य हमें अपनी संस्कृति से वंचित करना था। यह ऐसी शिक्षा थी जिसने हमारे अंतर्मन और हमारी सोच को ही भ्रष्ट कर डाला। एक विषय के रूप में संस्कृत को विज्ञान से अलग कर देना एक गहरा षड्यंत्र था। हमारा पुरातन साहित्य संस्कृत में था। नई शिक्षा नीति के तहत विज्ञान के विद्यार्थी संस्कृत नहीं पढ़ते थे और एक विषय के रूप में संस्कृत पढने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान की जानकारी नहीं होती थी। परिणाम यह हुआ कि हमारा पारंपरिक प्राचीन ज्ञान उन विद्यार्थियों तक पहुंचा ही नहीं जो विज्ञान पढ़ते थे। इस प्रकार ज्ञान का यह अकूत भंडार धीरे-धीरे खुद ही मर गया। इसने हमें मानसिक गुलामी दी जो आज तक कायम है। सन 1991 के उदारीकरण के बाद बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मार्केटिंग विभागों ने सोची-समझी रणनीति के तहत विज्ञापन और आकर्षक पैकेजिंग के बल पर न केवल हमें अहितकर उत्पाद बेचने शुरू कर दिए, बल्कि हमें उनका आदी बना डाला। संयुक्त परिवारों को 'झगड़ों का अड्डा', 'बोझ' और 'रुकावट' के रूप में पेश किया गया। स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर चला यह खेल परिवारों के टूटने का कारण बना। पहले जहां दादा-दादी, ताऊ-ताई, चाचा-चाची एक ही घर में रहते थे और नाना-नानी, बुआ-फूफा, मौसी-मौसा और उन सबके बच्चों में नियमित रूप से मिलना-जुलना, आना-जाना होता था, वहीं बच्चों में स्वतंत्रता की चाह ने वृहद संयुक्त परिवार ही नहीं तोड़े, बल्कि मां-बाप को उनके बच्चों से ही अलग कर डाला। उपभोक्तावाद के इस षड्यंत्र का असर दूरगामी था। जहां वृहद संयुक्त परिवारों में सारे मतभेदों के बावजूद आपसी सौहार्द, एकता और एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होने की परंपरा हुआ करती थी, वहां आधुनिक समाज में बच्चों को स्वतंत्रता तो मिली लेकिन बदले में उनसे कई सुविधाएं छिन गईं। छोटे बच्चे दादा-दादी और नाना-नानी सरीखे बुजुर्गों के ज्ञान और सुरक्षा से तो वंचित हुए ही, उनकी खरीदने की सामथ्र्य भी बुरी तरह से प्रभावित हुई। संयुक्त परिवार में जहां एक ही चूल्हा होता था, वहीं परिवार टूटने पर हर वस्तु अलग से आने लग गई। एक रसोई की जगह कई रसोइयों ने ले ली। पहले एक घर था तो एक ही टीवी था, अब हर घर का अलग टीवी, अलग फ्रिज, अलग सोफा, अलग वाहन आवश्यक हो गया। पहले जहां छोटे बच्चों की देखभाल घर के बड़े बुजुर्ग करते थे, वहीं अब 'नैनी' का चलन हो गया। मियां-बीवी दोनों काम पर जाने लगे तो मेड की आवश्यकता अनिवार्य हो गई। बच्चों को दादा-दादी की सुरक्षा, प्यार और संस्कारों की जगह 'नैनी' का मशीनी व्यवहार झेलने के लिए विवश होना पड़ा। स्वतंत्रता के नाम पर हमने अपना खर्च बेतहाशा बढ़ा लिया। परिवार इक`थे तो अकेलापन नहीं था, छोटे बच्चे और बुजुर्ग दोनों एक-दूसरे का सहारा थे। परिणाम यह था कि उदासी और अकेलेपन से उत्पन्न होने वाले मनोविकार नहीं थे। परिवार टूटे तो परिवार टूट गए और त्योहारों की खुशियों ने खामोशियों का रूप ले लिया। व्यक्ति सिर्फ ग्राहक बनकर रह गया और एकल परिवारों को स्वतंत्र, आधुनिक और खुद के जीवट से चलने वाले बताकर उनकी शान में कसीदे पढ़े जाने लगे। बाजार फलने-फूलने लगे और बच्चे स्क्रीन में गुम हो गए। मानसिक स्वास्थ्य का संकट गहराया तो हर समस्या के समाधान के रूप में एक नया उत्पाद बाजार में आ गया। हर भावना के लिए एक ऐप आ गया। पहले जो बात नानी-दादी से होती थी, अब काउंसलर से होती है। अकेलापन इलाज मांगता है, संस्कार की जगह इन्फ्लुएंसेरों और सब्सक्रिप्शन ने ले ली है। आधुनिकता की इस दौड़ ने हमें एक छुपी हुई गुलामी का ईनाम दिया है। ऐमेजॉन को फायदा तभी है जब आप त्योहारों में अकेले हों और परिवार के साथ बैठकर गपशप करने के बजाय शॉपिंग करके अपनी हताशा, निराशा और अकेलेपन से निजात पाने की कोशिश करें। जमैटो की कमाई तभी है, जब हम घर का खाना नहीं खाते। जब हम दादी-नानी से कहानी नहीं सुन रहे होते तो ही नेटफ्लिक्स देखते हैं। संयुक्त परिवार एक संपत्ति था, इसके कई लाभ थे, पर इसे अब बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अकेलापन दूर करने के लिए ऐप के बजाय अपनेपन की भावना चाहिए। आज महानगरों में उन परिवारों के लिए भी अपना घर खरीद पाना एक सपना बन कर रह गया है, जहां मियां-बीवी दोनों नौकरी करते हैं और उनका बच्चा भी नहीं है, यानी, कोई फालतू खर्च नहीं है। इसी तरह पति-पत्नी की नौकरी के बावजूद उन परिवारों के लिए एक बच्चे के बाद, दूसरे बच्चे का बोझ सह पाना संभव नहीं रह गया है। इस आधुनिकता का हम क्या करेंगे? हमारे जीवन में स्वस्थ सैर का अभाव हो गया, खानपान बिगड़ गया, दोस्त सिर्फ वर्चुअल वल्र्ड में रह गए, आभासी दुनिया में रह गए, जबकि असली जीवन में पड़ोसी से भी परिचय नहीं होता। महानगरों की यह निरपेक्षता हमारी बीमारियों का बड़ा कारण है। योग की क्रियाएं और प्राणायाम कभी हमारे जीवन का अंग हुआ करते थे, बिना घास की जमीन पर नंगे पांव चलना कभी हमारी दिनचर्या का हिस्सा होते थे, मौसम के बदलाव के साथ जुड़े त्योहारों में व्रत-उपवास और उनके साथ विशिष्ट खानपान के रिवाज के पीछे गहरा विज्ञान था जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली की मजबूती का कारण था। इन सब के अभाव में आज हर व्यक्ति बीमार है। हर दस में से सात व्यक्ति दवाइयों के सहारे जीवन जी रहे हैं। हमने खुद ही व्याधियों को जन्म दिया है और उन व्याधियों से बचने के लिए नई व्याधियों को बुलावा दे रहे हैं। जीवन भर ब्लड प्रेशर की दवाई खाने वाले व्यक्ति को ब्लड प्रेशर से तो निजात मिलती नहीं, अंततः वह किसी और बड़े रोग का शिकार हो जाता है। 'आ बैल, मुझे मार' की यह जीवन शैली ही हमारी समस्याओं का कारण है। अगर हम स्वस्थ रहना चाहते हैं, जीवन में खुशी चाहते हैं, बुढ़ापे में बच्चों पर बोझ नहीं बनना चाहते तो हमें अपनी सोच को बदलना होगा, जीवन शैली को बदलना होगा और प्राकृतिक जीवन जीना होगा, वरना हम भुगत तो रहे ही हैं।

आप का नजरिया

कितने अपनों के बीच पार्टियां

हिमाचल विधानसभा सत्र के दौरान एक अन्य सत्र ऊना में भी चला जहां भाजपा सिर्फ विपक्ष में नहीं, अपनों के बीच ही थी। क्या विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस अपनी सरकार के भीतर और सत्तारूढ़ दल की हैसियत से दिखाई दे रही है। यह मुकाबला नहीं सियासी हालात में जिगर को दिल से मिलाने की एक दास्तान हो सकती है। ऊना में यूं तो भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला थी, लेकिन वहां संगठन का श्रम, पार्टी की साधना, राजनीतिक कौशल और नेताओं का उत्साह ठाठें मार रहा था। ऐसे में देखना यह होगा कि क्या हिमाचल में सत्तारूढ़ होने के बाद सरकार में होने का उत्साह कांग्रेस के कार्यकर्ता या नेताओं में बरकरार है। यह इसलिए भी कि भारी कोशिशों के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की पतवार बाहर नहीं आ रही, जबकि पार्टी के भीतर कई अवतार और कई शृंगार मौजूद हैं। इधर डा. बिंदल की टीम का आगाज बता रहा है कि नए अभियान-नए इम्तिहान के लिए पार्टी किस शिद्दत से अपने जोश का संग्रहण करती है। ऊना की बैठक में सिर्फ उत्साह नहीं था, बल्कि कदमताल करते इरादे, आगे बढऩे की निरंतरता और साबित करने की भुजाएं एक साथ शिरकत कर रही थीं। यह दीगर है कि प्रदेश भाजपा की संगठनात्मक रचना में कई किश्तियां सूखे में खड़ी दिखाई दे रही थीं, लेकिन पार्टी ने अपने जहाज पर सबको बैठाने के लिए कार्यशाला के निमंत्रण में नए सफर की नई डगर खोज डाली। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह भाजपा में जीने की विधा और विधान सिखाते हैं, तो पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर 2027 के प्रादेशिक चुनावों का खाका सृजित कर देते हैं, यानी अगस्त 2025 में बैठी भाजपा दो-ढाई साल बाद के चुनावों की कसरत में मांसपेशियां दिखा रही है। यहां कसौटियां बूथ तक और हिम्मत हर वोट तक ऐसा नक्शा खीच रही है जो आने वाले समय में विपक्ष की भूमिका को आंदोलित करेगी। वैसे एक मुकाबला शिमला के विधानसभा परिसर में भी आमादा है। बेशक सरकार अपनी पैरवी के हर इंतजाम में अव्वल होने की वजह और अंदाज जानती है, फिर भी सियासी रेत छानने के लिए वाकआउट करता विपक्ष जनता की नजरों में खुद को दिखा गया। यह विपक्ष की मासूमियत नहीं, चालाकी है जो आपदा के वीभत्स में भी अपनी तस्वीर दिखा पा रही है। यहां केंद्र के पन्नों पर भले ही हिमाचल को पूरा खत न आया और न ही राहत के पैगाम ढांढस बंधा पाए, लेकिन राज्य भाजपा है कि मानती नहीं। बहरहाल, बतौर पार्टी अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल विपक्षी माहौल का तडक़ा लगाने में फिर माहिर हुए, क्योंकि सामने सत्तारूढ़ दल तो है, लेकिन पार्टी का मुकम्मल दल और नेतृत्व नहीं है। अब देखना यह है कि भाजपा की कार्यशाला के सामने कांग्रेस में कितनी हील हुज्जत होती है। अंततः सत्ता को तो मिशन रिपीट के इजहार में अपना आचरण दर्ज करना ही होगा। सत्ता के संदेश सचिवालय से गांव के चौपाल तक पहुंचाएगा तो आम कार्यकर्ता ही। जिस बूथ की योजना में पूरी भाजपा खड़ी है, उसके क्षेत्ररक्षण की तैयारी में कांग्रेस को एक अदद पूर्णकालिक अध्यक्ष चाहिए। पार्टी को तरोताजा करने के लिए जो ऊर्जा और उत्साह चाहिए, वह कहीं आलाकमान के किंतु-परंतु का बंधक बना हुआ है। जो कांग्रेस पार्टी को सत्ता तक लेकर आई, तब कोई और बात थी। अब एक नया सियासी महाभारत लिखा जाएगा। चुनाव की आहट को अगर भाजपा ढाई साल पूर्व भी महसूस कर सकती है, तो कांग्रेस को सत्ता के कदमों पर चलते हुए अपनी एक नई पारी, नए दमखम से जोडऩी होगी। हिमाचल पिछले दशकों से हर सत्तारूढ़ दल को 'मिशन रिपीट' के मोड पर काम करते हुए देखता है। जाहिर है कांग्रेस के वजूद में यह जज्बा दिखाने के लिए पार्टी और सत्ता को एक साथ मैदान पर आना होगा।

> ऊना में यूं तो भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला थी, लेकिन वहां संगठन का श्रम, पार्टी की साधना, राजनीतिक कौशल और नेताओं का उत्साह ठाठें मार रहा था। ऐसे में देखना यह होगा कि क्या हिमाचल में सत्तारूढ़ होने के बाद सरकार में होने का उत्साह कांग्रेस के कार्यकर्ता या नेताओं में बरकरार है। यह इसलिए भी कि भारी कोशिशों के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की पतवार बाहर नहीं आ रही, जबकि पार्टी के भीतर कई अवतार और कई शृंगार मौजूद हैं। इधर डा. बिंदल की टीम का आगाज बता रहा है कि नए अभियान-नए इम्तिहान के लिए पार्टी किस शिद्दत से अपने जोश का संग्रहण करती है। ऊना की बैठक में सिर्फ उत्साह नहीं था, बल्कि कदमताल करते इरादे, आगे बढने की निरंतरता और साबित करने की भुजाएं एक साथ शिरकत कर रही थीं। यह दीगर है कि प्रदेश भाजपा की संगठनात्मक रचना में कई किश्तियां सूखे में खड़ी दिखाई दे रही थीं, लेकिन पार्टी ने अपने जहाज पर सबको बैठाने के लिए कार्यशाला के निमंत्रण में नए सफर की नई डगर खोज डाली। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह भाजपा में जीने की विधा और विधान सिखाते हैं, तो पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर 2027 के प्रादेशिक चुनावों का खाका सृजित कर देते हैं, यानी अगस्त 2025 में बैठी भाजपा दो-ढाई साल बाद के चुनावों की कसरत में मांसपेशियां दिखा रही है।

दृष्टि कोण

बदलते मौसम में किसानों की बढ़ती मुश्किलें

प्राचीन भारत की आत्मा कृषि ही रही है। ऋग्वेद से लेकर पाराशर स्मृति तक हमारे शास्त्रों ने खेती को न केवल जीवन का आधार माना, बल्कि सम्मान और समृद्धि का स्रोत भी बताया है। ऋग्वेद में उल्लेखित है- 'अक्षैर्मा दीव्यः कृषिमित्कृषस्व वित्ते रमस्व बहुमन्यमानः', अर्थात जुए में मत उलझो, खेती करो और सम्मानजनक जीवन जियो। इसी तरह कृषि पाराशर-श्लोक-8 में कहा गया है, 'कृषिर्धन्या कृषिर्मेध्या जन्तूनां जीवनं कृषि।' जिसका अभिप्राय है कि कृषि को केवल अन्न उपजाने का साधन नहीं, बल्कि जीवन और समाज के संचालन की धुरी माना जाए। लेकिन वर्तमान में वही कृषि अब संकटग्रस्त है। भारत का किसान, जिसने इस देश की सभ्यता और संस्कृति को पोषित किया, अब नीतिगत उदासीनता, बाजार की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन की मार से जूझ रहा है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में किसानों के आंदोलनों की गूंज बार-बार सुनाई देती रही है। क्योंकि किसानों के लिए यह महज आंदोलन की बात नहीं है, बल्कि उनके अस्तित्व का सवाल है। यद्यपि सरकार की ओर से किसानों के लिए अनेक योजनाएं लागू हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 2028 तक बढ़ाकर केंद्र सरकार 10 लाख करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 6000 रुपए वार्षिक प्रत्यक्ष सहायता भी दी जाती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मानधन योजना, कृषि सिंचाई योजना जैसे कदम भी किसानों के लिए घोषित हुए हैं। मगर सवाल यह है कि क्या इन योजनाओं का वास्तविक लाभ हर किसान तक पहुंच पा रहा है? क्योंकि आंकड़े एक अलग तस्वीर पेश करते हैं। 1990 के बाद से प्रतिवर्ष दस हजार से अधिक किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार 1995 से 2014 के बीच करीब तीन लाख किसानों ने आत्महत्याएं की हैं, जिनमें अकेले महाराष्ट्र में 60000 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं। यह स्थिति बताती है कि योजनाओं और राहत पैकेजों के बावजूद

किसान की जिंदगी पर संकट जस का तस बना हुआ है। समस्या की जड़ केवल कर्ज, बीज या खाद तक सीमित नहीं है। जलवायु असंतुलन ने इसे और अधिक विकराल बना दिया है। हिमाचल प्रदेश इसका ज्वलंत उदाहरण है। प्रदेश केवल अपनी बर्फीली चोटियों और हरी-भरी वादियों से ही नहीं, बल्कि अपने खेतों और बागों से भी पहचाना जाता है। सेब, मटर, टमाटर, आलू और अन्य फसलों ने हिमाचल को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दी है। लेकिन अब मौसम का मिजाज किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में हिमाचल का कुल फल उत्पादन 6.37 लाख टन रहा था, जबकि 2024-25 में दिसंबर तक यह घटकर 5.92 लाख टन पर सिमट गया। नई फसलों का रास्ता भी आसान नहीं है, उन्हें अपनाने में निवेश, तकनीक और बाजार तक पहुंच जैसी बाधाएं आती हैं। ऊपर से इस बार की बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और रोगों के प्रकोप ने किसानों की पूरी मेहनत चौपट कर दी है। जब महीनों की मेहनत एक ही रात की भीषण बारिश में नष्ट हो जाए, तो किसान का हौसला टूटना स्वाभाविक है। हिमाचल के किसानों का संघर्ष खेत तक ही नहीं, मंडियों तक फैला है। असुरक्षित पहाड़ी सडक़ें, महंगा परिवहन और बाजार में गिरते भाव किसान की आमदनी को और अस्थिर कर देते हैं। राज्य और केंद्र ने राहत के कुछ प्रयास किए हैं। बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत 2024-25 में 37 हजार मीट्रिक टन सी-ग्रेड सेब खरीदा गया और 45 करोड़ रुपए किसानों को राहत स्वरूप मिले। नए पौधे वितरित हुए और नए बाग लगाए गए।

राजस्थान अपार संभावनाओं का प्रदेश, निवेशक राज्य की विकास यात्रा में बनें सहभागी : भजनलाल

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राजस्थान को केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि समृद्ध, सशक्त और सर्वापरि राज्य बनाने की प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि उद्यमी अधिक से अधिक निवेश कर राज्य की विकास यात्रा में सहभागी बनें।

भजनलाल शर्मा गुरूवार को जयपुर में इकोनॉमिक टाइम्स राजस्थान बिजनेस समिट 2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टिकोण से सबसे बड़ा तथा व्यापारिक दृष्टि से अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन से राज्य सरकार को 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, इनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर धरातल पर काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को अधिक सुगम बनाने के लिए राज्य में राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान मिनरल पॉलिसी, रीको प्रत्यक्ष आवंटन नीति, डेटा सेंटर नीति, वस्त्र एवं परिधान नीति, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति जैसी नीतियां जारी की गई।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में देशभर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। देश के कुल खनिज ब्लॉक आवंटन का 20 प्रतिशत अकेले राजस्थान से हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने विजन डॉक्यूमेंट-2047 को मंजूरी दी है। यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राजस्थान के सुनहरे भविष्य का खाका है। हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक राजस्थान 350 बिलियन डॉलर और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 सौर परियोजनाओं को मंजूरी, नई भूमि आवंटन नीति, पंच गौरव जैसे नवाचारों एवं निर्णयों से ऊर्जा एवं उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। जोधपुर-पाली औद्योगिक गलियारा, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे का यह महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो 19 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 50,000 प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा वस्त्र, कृषि, इंजीनियरिंग और ऑटो क्लस्टर उद्योगों पर केंद्रित यह परियोजना राजस्थान को औद्योगिक मानचित्र पर नया स्थान दिलाएगी। भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 जारी की गई है, जो 2030 तक प्रदेश के अक्षय ऊर्जा उत्पादन को 125 गीगावाट के स्तर तक ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है तथा 2027 तक सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' से प्रेरणा लेते हुए 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। अभियान के तहत 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है तथा अब तक हम 17 करोड़ से अधिक पौधे लगा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में असीमित अवसरों के साथ प्राकृतिक संसाधन एवं कुशल मानव संसाधन मौजूद है। राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में पानी, बिजली, बुनियादी ढांचे और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, माही बांध योजना सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमने 5 साल के कार्यकाल में युवाओं को 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण, 1 हजार 300 गांवों को डामर सड़कों से जोड़ना, मिसिंग लिंक रोड का निर्माण, जयपुर एयरपोर्ट का विस्तार सहित विभिन्न कार्यों से राज्य में विकास के नए मानदंड स्थापित किए जा रहे हैं।ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ऊर्जा के क्षेत्र में प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है।

कांग्रेस की किसान ललकार सभा: भाजपा सरकार को घेरा, कहा- सिर्फ सर्कस चल रहा है

बूंदी, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बूंदी में आयोजित 'किसान ललकार सभा' में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चल रही सरकार की योजनाओं के केंद्र में किसान नहीं हैं और यह सरकार नहीं, बल्कि सर्कस चला रही है। डोटासरा ने हजारों की संख्या में मौजूद किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने चुनावों के समय किसानों से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें भूल गई। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों का न तो सहकारी बैंकों का कर्ज माफ हो रहा है और न ही राष्ट्रीयकृत बैंकों का। किसानों को न तो फसल खराबे का मुआवजा मिल रहा है, न बिजली और न ही पीने का साफ पानी। उन्होंने कहा कि स्कूलों में अध्यापक नहीं हैं और बच्चों को पढ़ने के लिए किताबें तक नहीं मिल रही हैं, जो किसानों के साथ सरासर अन्याय है।

उन्होंने झालावाड़ में भाजपा सरकार की नाकामी के कारण 7 बच्चों की मौत का भी जिक्र किया और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर पीड़ितों से न मिलने का आरोप लगाया। डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री किसानों के दिए टैक्स के पैसे से हेलिकॉप्टर में घूमते हैं, लेकिन पीड़ितों से मिलने नहीं जाते।

डोटासरा ने एसआई भर्ती 2021 निरस्त होने के फैसले पर कहा कि यह दिखाता है कि सरकार खुद कोई निर्णय नहीं ले सकती और दिल्ली से 'पर्ची' आने का इंतजार करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार का इंजन सीज हो गया है और वह केवल धुआं छोड़ रही है। उन्होंने 'स्मार्ट मीटर' पर भी सरकार को घेरा और आरोप लगाया कि यह 14 हजार करोड़ का घोटाला है।

उन्होंने कहा कि ₹9-10 हजार का स्मार्ट मीटर लगाने की कोई जरूरत नहीं है, यदि यही पैसा किसानों को दे दिया जाए तो उनका भला होगा। उन्होंने कहा कि इस घोटाले में केंद्र और राज्य के भाजपा मंत्री शामिल हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने घरों पर स्मार्ट मीटर न लगने दें।

आधार के दुरूपयोग को रोकने में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका: मुख्य सचिव

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि प्रदेश में आधार के दुरूपयोग एवं इससे होने वाले साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए एआई (अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाल आधार (5 साल तक के बच्चे का आधार) सैचुरेशन को बढ़ाने के लिए सम्बंधित सभी विभाग आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाए एवं लंबित कार्यों को शीघ्र सम्पादित करें। मुख्य सचिव सुधांश पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित यूआईडी कार्यान्वयन समिति (यूआईडीआईसी) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आधार की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिए तकनीक के इस दौर में एआई का उपयोग कर आधार से सम्बंधित साइबर फ्रॉड को रोका जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक प्रयास करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में पंत ने बाल नामांकन को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को आवश्यक कार्यवाही के दिशा निर्देश दिए। उन्होने कहा कि 5 वर्ष तक आयु के बच्चों के आधार नामांकन के लिए प्रदेश में प्री-स्कूल और आंगनबाड़ियों में विशेष अभियान चला कर जागरूकता फैलाई जाए। प्रदेश के सरकारी एवं निजी विद्यालयों को इस सम्बन्ध में निर्देशित कर आधार नामांकन में वृद्धि की जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न आईईसी गतिविधियों के माध्यम से इस दिशा में व्यापक प्रचार-प्रसार कर माता-पिता को बाल आधार नामांकन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्य सचिव ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन पर भी विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया। पंत ने सम्बंधित विभागों को आधार नामांकन एवं अपडेशन की प्रक्रिया में आवश्यक अन्य दस्तावेजों के भी डिजिटाइजेशन के लिए निर्देश दिए।

बैठक में निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, नई दिल्ली, श्री कुमार उज्ज्वल ने राज्य में आधार सैचुरेशन की स्थिति एवं अन्य आवश्यक विषयों पर चर्चा की । शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, अर्चना सिंह ने इस सम्बन्ध में नोडल विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं प्रगति की जानकारी दी।

इस अवसर पर यूआईडीआईसी की गत बैठक में विभागों को दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की गई। जिसके तहत प्रदेश में अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट, आधार लिंक बर्थ रजिस्ट्रेशन (एएलबीआर), स्टेट वेरिफिकेशन पोर्टल की स्थिति, जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति (डीएलएएमसी) जैसी विषयों की प्रगति की जानकारी साझा की गई। समीक्षा में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और सुशासन कार्यक्रमों में आधार-सक्षम सेवाओं को भी शामिल किया गया।

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला

महिलाओं को 25 सितंबर से हर महीने मिलेंगे 2,100 रुपए

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने महिलाओं के सामाजिक सम्मान और सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना का शुभारंभ 25 सितंबर, 2025 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर होगा। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने ₹2,100 की वित्तीय सहायता दी जाएगी। योजना के मुख्य बिंदु पात्रता: पहले चरण में 23 वर्ष या उससे अधिक उम्र की वे सभी महिलाएं (विवाहित और अविवाहित) शामिल होंगी, जिनके परिवार की सालाना आय ₹1 लाख से कम है। भविष्य में अन्य आय समूहों को भी चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जाएगा।

निवास: योजना का लाभ लेने के लिए आवेदिका या उसके पति का हरियाणा में पिछले 15 साल से निवासी होना अनिवार्य है। योजना में एक परिवार में पात्र महिलाओं की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। अगर एक परिवार में तीन पात्र महिलाएं हैं, तो उन सभी को लाभ मिलेगा।

मंत्रिमंडल ने कुछ विशेष परिस्थितियों में महिलाओं को इस योजना का अतिरिक्त लाभ देने का भी निर्णय लिया है। स्टेज 3 और 4 कैंसर से पीड़ित मरीज, 54 दुर्लभ बीमारियों, हीमोफिलिया, थैलेसिमिया और सिकल सेल से पीड़ित जिन आवेदिकाओं को पहले से ही पेंशन मिल रही है, उन्हें 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' का भी लाभ मिलेगा। हालांकि, अन्य 9 योजनाओं (जैसे वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा पेंशन) में अगर महिला को पहले से अधिक राशि मिल रही है, तो उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

योजना का एक खास पहलू यह भी है कि अविवाहित लाभार्थी 45 वर्ष की आयु पूरी करने पर स्वतः ही 'विधवा और निराश्रित महिला वित्तीय सहायता योजना' के लिए पात्र हो जाएंगी, और 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर 'वृद्धावस्था सम्मान भत्ता पेंशन योजना' के लिए पात्र होंगी। पहले चरण में इस योजना से लगभग 20 लाख महिलाओं को फायदा मिलेगा।

जल्द ही इस योजना की अधिसूचना जारी की जाएगी और एक ऐप लॉन्च होगा, जिस पर पात्र महिलाएं अपना पंजीकरण कर सकेंगी। हर पात्र महिला को एसएमएस के जरिए आवेदन के लिए सूचित किया जाएगा। सभी पात्र महिलाओं की सूची ग्राम सभाओं और वार्डों में भी प्रकाशित की जाएगी, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

सरकार गुरुओं के दिखाए मार्ग पर चल रही है : सैनी

पंचकूला, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि केंद्र और राज्य की 'डबल इंजन' सरकारें सिख गुरुओं की शिक्षा और उनके बताए रास्ते पर चल रही हैं। मुख्यमंत्री ने यह बात पंचकूला स्थित गुरुद्वारा श्री नाडा साहिब में माथा टेकने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कही। एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए, मुख्यमंत्री ने 1984 के दंगों में हरियाणा में अपने परिवार के मुखिया को खोने वाले सिख परिवारों के लिए एक नई योजना का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इन परिवारों के एक सदस्य को योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके लिए इच्छुक परिवार अपने-अपने जिलों के उपायुक्तों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने इन दंगों से जुड़ी फाइलों को दबा दिया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन मामलों को फिर से खोला और दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया।

पंजाब की जनता को आप पर नहीं रहा भरोसा, अब हरियाणा मॉडल की ओर देख रही है : नायब सिंह

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पंजाब की जनता का अब आम आदमी पार्टी की सरकार पर से विश्वास उठ चुका है और वे कल्याणकारी योजनाओं के लिए हरियाणा की ओर उम्मीद से देख रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी भी कांग्रेस की तरह ही चुनावी वादे पूरे करने में विफल रही है। मंत्रिमंडल की बैठक में 'दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना' को मंजूरी देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने अपने संकल्प पत्र का एक और वादा पूरा किया है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। उन्होंने पंजाब की 'आप' सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि चुनावों में महिलाओं से किए गए वादे अब तक अधूरे हैं, जबकि हरियाणा में चुनाव दूर होने के बावजूद वादे लगातार पूरे किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है कि जो कहा, वह किया, जबकि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की गारंटी 'चीनी सामान' जैसी है, जिसकी कोई गारंटी नहीं होती। सैनी ने कांग्रेस और 'आप' पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों एक ही थाली के हैं और जनता उन पर भरोसा नहीं करती। उन्होंने पंजाब की जनता को याद दिलाया कि हरियाणा में एमएसपी पर सभी फसलें खरीदी जा रही हैं और आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है, जबकि पंजाब में ऐसी कोई सुविधा नहीं है।

मुख्यमंत्री ने पंजाब में आई बाढ़ पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि हरियाणा सरकार मानवता के नाते हर संभव मदद के लिए तैयार है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर राहत सामग्री, बचाव दल और चिकित्सा सहायता भेजने की पेशकश की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
आज दिन अच्छा है दिन भर उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों के साथ कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम बनेगा अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हो सकता हैं. पड़ोस में कोई विवाद होने पर आप स्वयं सकारात्मक रहें.व्यायाम करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
आज धरती को प्रणाम करें कर दर्शन करें , दिन बढीया बितेगा. आप अपने कारोबार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.दिन के पीछले भाग मे कुछ आराम का व्यवहार करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह
आज आमदनी मे बढोतरी होगी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें कार्यशैली मे बदलाव करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए.शिवजी पर काले तिल चढाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
लोगों से व्यवहार करते समय चौकन्ना रहने की जरुरत हैं उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा.खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
दिन मिलाझुला रहेगा लेन-देन और निवेश के मामलों में नई नीति अपना होगा . आपके आसपास चहल-पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे फिर भी सिद्धि मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
आज लाभ मिलेगा चिंता मुक्त होंगे किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो मुश्किलें ही आएगी काम नही होंगे चलती हुई व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख छात्रों के लिए समय अनुकूल हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
आज आप के काम बनेंगे आप की प्रशंसा होगी कुछ लोग आपसे प्रभावित भी हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.इससे आपको सफलता मिलेगी । कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.गाय को गेहूँ गुड और नंदी को भूसा खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
आज सूर्य उपासना करें आरोग्यता मिलेगी सूर्य अष्टक का पाठ करें आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग हैं आज आप गुस्से और व्यवहार मे बदलाव बहुत जरुरी हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
आज व्यापार मे और कार्य शैली मे साथ ही साथ बिजनेस में कुछ बदलाव करना पड सकता हैं किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है. ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं . कुछ जिम्मेदारियां और जरूरी काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. निवेश करने या किसी को आर्थिक मदद देने के पहले सलाह कर लें. नए जमीन और वाहन खरीदने का विचार बन रहा है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
आज आय के स्त्रोत खुले रहेंगे वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. व्यापार के कारण यात्रा सम्भव हैं नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए समय अनुकूल हैं आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे दाम्पत्यजीवन सुखमय बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
आज बडे बुजुर्गो का आशीर्वाद लेकर काम आरंभ करें कार्य सिद्ध होंगे जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा..सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.सीनियर आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में पदोन्नति और प्रशंसा मिल सकती है.दोस्तों के साथ मौज-मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.शिवजी पर दूध जल चढाए।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 अगस्त 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 08:23 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रातः 11:39 तक
योग : ब्रह्म दोपहर 02:13 तक
करण : कौलव प्रातः 07:10 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : सूर्य-स्कन्द षष्ठी , बलराम जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

भूस्खलन में मरने वाले 34 लोगों में यूपी के 11 लोग

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की मदद देंगे योगी

जम्मू/लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। वैष्णो देवी मार्ग में हुए भूस्खलन में अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें यूपी के 11 लोग शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर में दो दिन में रिकॉर्ड बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है। श्रीमाता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर बुधवार को 34 हो गई। इनमें यूपी के 11 लोग शामिल हैं। यह लोग प्रदेश के अलग-अलग जिलों के हैं। नदियों में उफान के कारण कई प्रमुख पुलों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों सहित सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है।

सेना समेत सभी एजेंसियां बचाव में जुटी हैं। बाढ़ग्रस्त इलाकों से अब तक 10,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है। पंजाब में भी रावी नदी उफान पर है और पठानकोट समेत कई जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में मंगलवार सुबह 8:30 बजे से 24 घंटे में अभूतपूर्व 629.4 मिमी और जम्मू में 296 मिमी बारिश हुई। यह 1910 में राज्य में मौसम वेधशाला स्थापित होने के बाद से अब तक का एक दिन में बारिश का नया रिकॉर्ड है। तवी, चिनाब, उझ, रावी और बसंतर सहित सभी नदियां खतरे के निशान से कई फीट ऊपर बह रही हैं। अनंतनाग और श्रीनगर में झेलम नदी भी चेतावनी के निशान से ऊपर बह रही है। किश्तवाड़ में बाढ़ में एक पुल और 10 घर बह गए। कई रिहायशी इलाकों में पानी घुस गया। चक्की नदी भी उफान पर है। हालांकि कई नदियों का जलस्तर कम होना शुरू हुआ है। भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग समेत एक दर्जन से अधिक सड़कें और सभी स्कूल-कॉलेज बंद हैं।

जम्मू और कटरा स्टेशनों से आने-जाने वाली 58 ट्रेनों को रद्द कर दिया, जबकि 64 ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू में हालात का जायजा लेने के बाद कहा, बारिश में कमी के बाद राहत व बचाव कार्यों में तेजी आई है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को ऑप्टिकल फाइबर के क्षतिग्रस्त होने के 24 घंटे बाद, बुधवार को सभी नेटवर्क पर फोन और नेटवर्क सेवाएं बहाल कर दी गईं।

खराब मौसम के कारण दिल्ली से लेह की उड़ानें प्रभावित हुई हैं। वैष्णो देवी मार्ग पर बचावकर्मियों ने बुधवार को मलबे से और शव निकाले। हादसे में घायल 20 लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भूस्खलन के बाद मलबे से 34 शव निकाले जा चुके हैं, जबकि दो घायलों की अस्पताल में मौत हुई।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैष्णो देवी मंदिर यात्रा मार्ग पर प्राकृतिक आपदा की चपेट में आए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने प्रदेश निवासी सभी मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने और मृतकों के शव उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी वैष्णो देवी मार्ग पर हादसे में मौतों पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से स्थिति की जानकारी ली और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा, प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। जम्मू संभाग में बारिश-भूस्खलन से बिगड़े हालात के बाद वहां आने-जाने वाली 58 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। इसमें उत्तर प्रदेश आने वाली कई ट्रेनें शामिल हैं। कुछ ट्रेनों को जम्मू से पहले अंबाला में ही रोक दिया गया। ट्रेनें रद्द होने से हजारों यात्री जम्मू और कटरा में फंसे हैं। यात्रियों की सहायता के लिए रेलवे ने जम्मू और कटरा स्टेशन पर हेल्प डेस्क बनाई है।

यूपी बनेगा इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर

शीघ्र लागू होगी इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025 लागू करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को इस संबंध में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा तैयार प्रस्तावित नीति पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से उभरता क्षेत्र है। आज भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। अपार संभावनाओं वाले इस सेक्टर का लाभ उत्तर प्रदेश को उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश ने औद्योगिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है। अब समय है कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में भी वैश्विक मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाए। यह नीति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के संकल्प को मजबूती देने के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2014-15 में देश में जहां मात्र 1.9 लाख करोड़ रुपए के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनते थे, वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा 11.3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। मोबाइल उत्पादन 18 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपए और मोबाइल निर्यात 1,500 करोड़ रुपए से बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश से लगभग 37 हजार करोड़ रुपए का इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर निर्यात किया गया। बैठक में यह भी बताया गया कि प्रस्तावित नीति का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन करना और लगभग 10 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करना है। इससे राज्य की 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में भी महत्त्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेन्ट मैनुफैक्चरिंग स्कीम के साथ उत्तर प्रदेश की ओर से टॉप-अप इंसेंटिव दिया जाना चाहिए। इसी तरह पूंजीगत निवेश पर आकर्षक सब्सिडी, अतिरिक्त लाभ, स्टाम्प शुल्क एवं बिजली शुल्क में छूट, ब्याज अनुदान, लॉजिस्टिक्स और संचालन सहायता जैसे प्रावधान शामिल किये जाएं। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि यदि निवेशक प्रदेश में रोजगार सृजित करता है और प्रदेश के युवाओं को वरीयता देता है तो उसे विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने कहा कि नीति के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। निवेशकों को एकल विंडो प्रणाली के माध्यम से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। युवाओं के लिए रोजगार सृजन को उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ा जाए तथा कौशल विकास कार्यक्रम उसी के अनुरूप संचालित हों।

थारू जनजाति की बेटियों का चयन निष्पक्ष प्रक्रिया का उदाहरण

2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को योगी ने दिए नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले जहां योजनाएं सुदूर इलाकों तक नहीं पहुंच पाती थीं, आज वही लोग नौकरी पा रहे हैं। विशेष रूप से थारू जनजाति और सुदूर क्षेत्रों की बेटियों का चयन इस निष्पक्ष प्रक्रिया का जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम में यूपी के विभिन्न क्षेत्रों से आई लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा कर सीएम योगी को धन्यवाद दिया।

महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान मैंने देखा कि आजमगढ़, अमरोहा, शामली, लखनऊ, कानपुर, आगरा, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज जैसे जनपदों के युवाओं को अवसर मिला। वहीं लखीमपुर खीरी और दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों से थारू जनजाति की बेटियों का चयन हुआ, जो इस प्रक्रिया की पारदर्शिता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सूची में दो थारू बेटियों का चयन हुआ है, जो साबित करता है कि प्रतिभा हर जगह है, बस अवसर चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि थारू जनजाति और सुदूर इलाकों की बेटियों का चयन निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से ही संभव हुआ।

सीएम योगी ने कहा कि अगर आजमगढ़, अमरोहा, बिजनौर, शामली, ललितपुर, जालौन या सोनभद्र की बेटी चयनित होती है, तो यह साफ है कि प्रतिभा वहां भी थी और प्रक्रिया निष्पक्ष रही। यह कदम न केवल युवाओं को रोजगार दे रहा है, बल्कि सुदूर क्षेत्रों के लोगों में उम्मीद जगाने वाला है। सीएम योगी ने लाभार्थियों से कहा कि यह अवसर उनकी मेहनत का फल है और अब उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदारी निभानी है। आपके चयन से यह साबित होता है कि प्रतिभा की कोई सीमा नहीं। सुदूर इलाकों से आई बेटियों की सफलता यूपी की प्रगति का प्रतीक है।

लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने अनुभव साझा किए। लखीमपुर खीरी से आई थारू समुदाय की नंदू राना, जो मुख्य सेविका के पद पर चयनित है। उन्होंने कहा कि दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों से हूं।

अति पिछड़े क्षेत्र से हूं, जहां मूलभूत सुविधाएं नहीं थीं। सीमित संसाधनों में पढ़ाई की और आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से निष्पक्ष प्रक्रिया से मुख्य सेविका के पद पर चयन हुआ। इसके अलावा विभिन्न पृष्ठभूमि और क्षेत्रों से आई अन्य लाभार्थियों ने भी योगी सरकार की पारदर्शी भर्ती की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमें हक मिला और हम ईमानदारी से कर्तव्य निभाएंगे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्य, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, प्रमुख सचिव लीना जौहरी समेत विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

योगी सरकार में देश के दिग्गज निवेशकों को भाया गोरखपुर

अडाणी समूह और कोका कोला ने भी उद्योग के लिए ली जमीन

पेप्सिको का बॉटलिंग प्लांट पहले से स्थापित

रिलायंस और श्री सीमेंट्स ने भी मांगी जमीन

गोरखपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। दशकों तक जिस गोरखपुर में स्थानीय पूंजीपति भी औद्योगिक निवेश करने से घबराते थे, योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार की प्रोत्साहनपरक नीतियों, कारोबारी सुगमता और शानदार कनेक्टिविटी से अब वहां नामी कंपनियों के आने की होड़ सी दिखती है। निवेशकों की डिमांड के अनुरूप गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने न केवल लैंड बैंक समृद्ध किया है बल्कि साल दर साल औद्योगिक भूखंडों का आवंटन भी तेज हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में तो गीडा ने अब तक 54 नई यूनिट्स के लिए रिकार्ड 182 एकड़ भूमि का आवंटन किया है। इससे 5800 करोड़ रुपए के नए पूंजी निवेश के साथ 8500 लोगों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

लंबे दौर तक पहचान को जूझता रहा गोरखपुर अब इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, रोड, रेल और एयर कनेक्टिविटी के मामले में मजबूत होकर औद्योगिक नक्शे पर भी चमक गया है। जिस जिले से उद्यमियों ने मुंह फेर लिया था, वहां 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से औद्योगिक प्रगति का ऐसा माहौल बनना शुरू हुआ कि देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां, यहां तक कि मल्टीनेशनल भी इंडस्ट्री लगा रही हैं। औद्योगिक प्रगति के नए कालखंड में सिर्फ गत पांच साल की बात करें तो इस दौरान गीडा को 9445 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले और इसके जरिए 22922 रोजगार सृजन संभव हुआ। इसमें मल्टीनेशनल ब्रांड पेप्सिको, केयान डिस्टिलरी, ज्ञान डेयरी, टेक्नोप्लास्ट और केंद्रीय भंडारण निगम, कपिला कृषि उद्योग, एपीएल अपोलो ट्यूब्स जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

गोरखपुर में अडाणी समूह ने अंबुजा ब्रांड सीमेंट फैक्ट्री की नई यूनिट और कोका कोला के प्रमुख बॉटलर अमृत बॉटलर्स ने भी यूनिट लगाने को जमीन ले ली है। यही नहीं, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और श्री सीमेंट्स ने भी निवेश की उत्सुकता दिखाते हुए गीडा से औद्योगिक जमीन मांगी है। श्री सीमेंट्स की टीम पहले ही जमीन देखने के लिए दौरा कर चुकी है जबकि रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रतिनिधि मंगलवार को विजिट पर आए थे। अपने पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्र के साथ गीडा ने गोरखपुर के दक्षिणांचल में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप को भी औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना शुरू कर दिया है। गत दिनों यहां दो बड़े औद्योगिक निवेश के लिए भूमि का आवंटन किया जा चुका है।

गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनुज मलिक का कहना है कि मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में गोरखपुर में निवेश और औद्योगिक विकास का शानदार इको सिस्टम तैयार हुआ है। गीडा द्वारा निवेशकों की मांग और पसंद के अनुरूप जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। इसका नतीजा है कि यहां औद्योगिक निवेश लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं को आवंटित जमीन से प्रस्तावित निवेश में श्रेयश डिस्टिलरीज की 2667 करोड़, अंबुजा सीमेंट (अडाणी ग्रुप) की 1400 करोड़, अमृत बॉटलर्स (कोका कोला) की 800 करोड़, केयान डिस्टिलरीज की 600 करोड़ और विजन परेन्टल (फार्मास्युटिकल) की 100 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी है। आगामी निवेश में रिलायंस सीपीएल का 1000 करोड़, श्री सीमेंट्स का 500 करोड़, लाइफकेयर्स हॉस्पिटल का 500 करोड़, ईएसआईसी का 150 करोड़ और डीपीएस का 50 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है।

स्टॉकहोम वर्ल्ड वाटर वीक में हुई नमामि गंगे की सराहना

नदियों के पुनर्जीवन और जल संरक्षण में यूपी अग्रणी

नई दिल्ली/लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नदियां और जल संसाधन सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, और इनका पुनर्जीवन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। नदी पुनर्जीवन और जल संरक्षण में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की अग्रणी पहलों ने इसे वैश्विक जल संवाद में एक प्रमुख आवाज बना दिया है। इस वर्ष स्टॉकहोम वर्ल्ड वाटर वीक में इसकी भागीदारी भारत की बढ़ती भूमिका को उजागर करती है, जो जल संबंधी वैश्विक चुनौतियों के समाधान में अहम योगदान दे रही है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल वाटर इंस्टीट्यूट (एसआईडब्लूआई) द्वारा वर्ष 1991 से आयोजित यह प्रतिष्ठित आयोजन अब वैश्विक नीति निर्धारकों, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए सबसे प्रभावशाली मंच बन चुका है।

गंगा के विस्तृत प्रवाह वाले प्रदेश के रूप में उत्तर प्रदेश नमामि गंगे कार्यक्रम का प्रमुख केंद्र रहा है। वाराणसी में रिवरफ्रंट विकास, कानपुर में सीवेज शोधन संयंत्रों की स्थापना तथा छोटे एवं मझौले नगरों में सामुदायिक भागीदारी आधारित पहल इस अभियान को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रही है। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का केंद्र बिंदु बना नदी शहरों की पुनर्कल्पना।

जलवायु-संवेदी और बेसिन-केंद्रित शहरी विकास, जिसमें राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान और जर्मन विकास सहयोग ने मिलकर नेतृत्व किया। विशेषज्ञों ने जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण की चुनौतियों के बीच, नदी-केंद्रित विकास ही शहरों को टिकाऊ और सुरक्षित बना सकता है।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने कहा कि नमामि गंगे मिशन ने भारत में नदियों के पुनरुद्धार के लिए एक ऐतिहासिक नीतिगत बदलाव की नींव रखी है। इस मिशन के तहत अब तक 40 हजार करोड़ रुपए का भारी निवेश किया जा चुका है, जो गंगा और उसकी सहायक नदियों को उनके प्राचीन रूप में पुनः स्थापित करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। नमामि गंगे मिशन एक जीवंत उदाहरण है, जो यह साबित करता है कि जब आधुनिक तकनीक और नवाचार का संगम होता है, तो नदियों को पुनः जीवनदायिनी बनाने में सफलता प्राप्त की जा सकती है। मिशन के अंतर्गत की गई पहल, जैसे हाइब्रिड एनीटी मॉडल आधारित एसटीपी, सोलर पावर्ड ट्रीटमेंट प्लांट और मृदा जैव प्रौद्योगिकी, वैश्विक मानकों को स्थापित करने में योगदान दे रही हैं। मित्तल ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस कार्यक्रम को एक विशाल जन आंदोलन में बदला गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आ रहे हैं।

मिट्टी की मूर्तियों से पर्यावरण संरक्षण : लक्ष्मी

आसिफाबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक कोवा लक्ष्मी ने कहा कि मिट्टी की मूर्तियाँ स्थापित करके हम पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वाले बनेंगे। बुधवार को उन्होंने जिला केंद्र में पद्मशाली सेवा संगम के तत्वावधान में मिट्टी के विनायकों के वितरण कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि पद्मशाली हर साल मिट्टी के विनायक निःशुल्क वितरित करती हैं और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देती हैं। उन्होंने सभी लोगों से मिट्टी के विनायक स्थापित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मिट्टी के विनायकों के पाश्चुरीकरण से पर्यावरण को नुकसान पहुँचता है। इसके साथ ही, वासावी क्लब और मुन्नूर कापू संगम के तत्वावधान में अंबेडकर चौक पर मिट्टी के विनायक वितरित किए गए, जबकि लायंस क्लब के तत्वावधान में विवेकानंद चौक पर मूर्तियों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में पद्मशाली सेवा संगम के जिला अध्यक्ष इरुकुल्ला अंजनेयुलु, नगर अध्यक्ष सचिव अनुमंडला श्रीकांत, एले श्रीकांत, संगम नेता लिंगैया, धर्मैया, श्रीनिवास, प्रकाश, तिरूपति, रमेश, मोहन, संतोष, लक्ष्मीनारायण, सुरेश, भद्रैया, वेणुगोपाल और अन्य ने भाग लिया।

यदागिरिगुट्टा मंदिर में अस्थायी दुकानों के मामले में विवाद!

यदागिरिगुट्टा, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । यदागिरिगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में अस्थायी दुकानों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि पहाड़ी पर अस्थायी दुकानों की संख्या बढ़ाकर और विष्णु पुष्करिणी तथा व्रत मंडपम क्षेत्र की दुकानों को व्यापार संघ में विलय करने की प्रक्रिया के कारण मंदिर को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

व्यापार संघ के सदस्यों ने मंदिर में दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया को निविदाओं के माध्यम से संचालित करने की जगह इसे लूट-खसोट का माध्यम बना दिया है। वर्तमान में मंदिर प्रशासन करोड़ों की राशि अस्थायी दुकान परिसरों

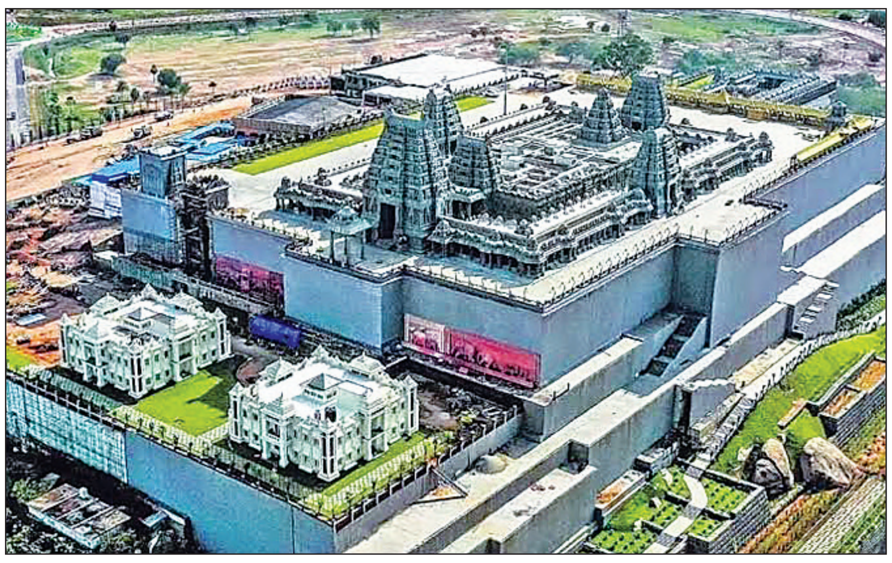

के लिए निविदाएं निकालकर प्राप्त कर रहा है, जिससे मंदिर के विकास और दान विभाग की आय में वृद्धि हो रही है।

हालांकि, स्थानीय लोगों और कुछ निविदाकर्ताओं के बीच विवाद भी है। एक मोबाइल फोन निविदाकर्ता ने मंदिर प्रशासन से पहाड़ी पर एक और दुकान आवंटित करने का अनुरोध किया है, जिससे आर्थिक संकट की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय लोग उन लोगों को प्राथमिकता देने की मांग कर रहे हैं जिन्हें पिछली सरकार के दौरान सड़क विस्तार के कारण अपनी दुकानें खोनी पड़ी थीं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही।

इस बीच, कुछ स्थानीय लोग ऐसे दुकानों को अस्थायी दुकानें देने का विरोध कर रहे हैं जिन्हें मंजूरी नहीं मिली है और जिन्होंने अन्य निविदाओं में भाग लिया है। वे मंदिर प्रशासन से पहाड़ी की चोटी पर स्थित दुकानों के लिए भी निविदाओं की घोषणा करने की मांग कर रहे हैं ताकि मंदिर की आय बढ़े और नए लोगों को भी अवसर मिल सकें।

स्थानीय लोगों की अपील है कि अधिकारियों को यादगिरिगुट्टा मंदिर की पहाड़ी की चोटी पर अस्थायी दुकान परिसरों से अर्जित हो रहे राजस्व पर ध्यान देना चाहिए और निविदा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाना चाहिए।

बाढ़ग्रस्त गांवों के लोगों को अधिकारियों ने सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया

मदनूर, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त मदनूर मंडल में बाढ़ग्रस्त परिवारों को उपजिला अधिकारी के आदेशानुसार स्थानीय कॉलेज पाठशाला सालबतपुर मंदिर में सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। गुरुवार को बांसवाड़ा उपजिला अधिकारी किरणमयी ने बाढ़ राहत केंद्र का दौरा किया। इसी दिन सुबह सिरपुर गांव के प्रभावित परिवारों को मदनूर मंडल केंद्र के जिला प्राथमिक स्वास्थ्य स्कूल में स्थापित बाढ़ राहत केंद्र में पहुंचाया गया, ताकि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ग्रस्त लोगों को सुरक्षित रखा जा सके। इस दौरान उन्होंने प्रभावितों का हालचाल पूछा और बाढ़ कम होने तक उनके लिए उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर, जिसमें और भारी बारिश की संभावना जताई गई है, राजस्व, पुलिस और अन्य अधिकारियों ने ताड़ी हिप्पारा गांव के बाढ़ प्रभावित लोगों से चिंता न करने और मदनूर मंडल केंद्र में स्थापित राहत केंद्र में आने का आग्रह किया है। यह कदम पिछले सप्ताह आई बाढ़ की पुनरावृत्ति की संभावना को देखते हुए लिया गया है।

उपजिला अधिकारी के साथ तहसीलदार एमडी मुजीब, एमपीडीओ रानी, मंडल एसएचओ विजय, सचिव संदीप सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

गणेश चतुर्थी पर शहर में भक्तिमय उत्सव, विधायक भीमराव केराम ने पूजा-अर्चना की

किनवट, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व 27 अगस्त को शहर में गणपति बाप्पा की विधिवत स्थापना कर भक्तों ने गणपति बाप्पा मोरया के जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। सार्वजनिक मंडलों और घरों में भक्तिमय माहौल बना रहा।

विधायक भिमराव केराम ने अपने कार्यालय में गणपति की पूजा-अर्चना कर सभी नागरिकों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

शहर की दुकानों में पूजा सामग्री, हार, आभूषण, रंग-बिरंगे फूलों की मालाएं, मोर पंख और सजावटी वस्तुएं बिक्री के लिए उपलब्ध थीं।

बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर वाटरप्रूफ पंडाल लगाए गए हैं। गणेश मंडलों ने पुलिस से ऑनलाइन पंजीकरण कर अनुमति ली है। दस दिन तक चलने वाले इस उत्सव के दौरान सुरक्षा हेतु पुलिस बल भी तैनात किया गया है, जिससे भक्त सुरक्षित माहौल में पर्व का आनंद ले सकें।

जल स्तर की समीक्षा के बाद कौलास परियोजना के गेट खोले गए

जुक्कल, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । कोनालास नाला परियोजना में भारी बाढ़ का पानी प्रवेश कर रहा है। इसके चलते अधिकारियों ने जलाशय के सात गेट खोलकर पानी नीचे की ओर छोड़ दिया है। वर्तमान में परियोजना में जलस्तर क्रमशः 457.75 मीटर और 458.00 मीटर है। परियोजना की कुल जल संग्रहण क्षमता 1.237 टीएमसी है, जिसमें वर्तमान में 1.176 टीएमसी जल संग्रहित है।

बाढ़ के दौरान 30,222 क्यूसेक पानी आ रहा है, जबकि 36,889 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। अधिकारियों ने परियोजना के निचले इलाकों में रहने वाले जनता को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है।प्रशासन बाढ़ नियंत्रण एवं राहत कार्यों में पूरी तत्परता से जुटा हुआ है।

ग्राम पंचायतों द्वारा प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन : भिक्षापति गौड़

आसिफाबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति गौड़ ने एक बयान में बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में वार्डवार ग्राम पंचायतों की प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है और मतदान केंद्रों का प्रारूप मंडल कार्यालय में प्रकाशित कर दिया गया है। यदि सूची पर कोई आपत्ति हो तो वे इस माह की 28 से 30 तारीख तक संबंधित पंचायत सचिव और मंडल परिषद विकास अधिकारियों को सूचित करें। इस माह की 31 तारीख तक आपत्तियों की जाँच की जाएगी और 2 सितंबर को सभी ग्राम पंचायतों में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। मतदाता सूची के संदर्भ में, इस माह की 30 तारीख को जिला स्तर पर जिला कलेक्टर और मंडल स्तर पर मंडल परिषद विकास अधिकारियों के तत्वावधान में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित की जाएँगी।

येल्लमपल्ली परियोजना से 40 गेट खोले जाएंगे और नीचे की ओर पानी छोड़ा जाएगा

मंचेरियाल, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में भारी बारिश के कारण येल्लमपल्ली परियोजना में बाढ़ का पानी पहुँच रहा है इसलिए एहतियात के तौर पर अधिकारी नीचे की ओर पानी छोड़ रहे हैं मंचेरियाल नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में गुडीपेट गाँव के बाहरी इलाके में गोदावरी नदी पर बनी श्रीपदा येल्लमपल्ली परियोजना को श्रीरामसागर परियोजना से 2 लाख 30 हज़ार क्यूसेक पानी मिल रहा है और 2 लाख 70 हज़ार क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ने के लिए 39 गेट खोले जा रहे हैं इसी तरह

काडेम परियोजना को 38 हज़ार क्यूसेक पानी मिल रहा है और 27,197 क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ने के लिए चार गेट खोले जा रहे है अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही येल्लमपल्ली परियोजना में 7 लाख 65 हज़ार 798 क्यूसेक पानी आ रहा है और 8 लाख 28 हज़ार 882 क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ने के लिए 40 गेट खोले जा रहे है।

तेलंगाना भारी बारिश और बाढ़ से जूझ रहा है कई लोगों के हताहत होने की खबर सड़कें और रेल सेवाएं बाधित

मंचेरियाल, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी है जिससे कई लोगों की जान जा रही है बाढ़ आ गई है और बुनियादी ढाँचे को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचा है डोमकोंडा के नीलकट्टा वागु में दो लोग अपनी कार समेत बह गए जबकि कामारेड्डी जिले में दीवार गिरने से एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई एक अलग घटना में राजापेट गाँव के बेस्टा सत्यम और यदा गौड़ गंडारी वागु में राजापेट पुल पार करते समय बह गए हालाँकि एसडीआरएफ की टीमें बड़ी मुश्किल से मौके पर पहुँचीं लेकिन दोनों देर शाम तक लापता रहे राजन्ना-सिरसिला ज़िले के नरमला गाँव में पाँच लोग एक छोटे से टापू पर फँसे हुए हैं दोनों तरफ पानी भर जाने के कारण लोगों को निकालने के प्रयास जारी हैं हाकिमपेट से भेजा गया एक हेलीकॉप्टर बारिश के कारण वापस लौटना पड़ा और एनडीआरएफ की टीमें ज़िले के अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें बचाने की कोशिश कर रही हैं ।

पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी सभी को लेनी चाहिए : मुन्नूर

मुन्नूर कापू संगम के तत्वावधान में मिट्टी के विनायकों का वितरण

आसिफाबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीआई बालाजी वरप्रसाद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की ज़िम्मेदारी सभी को लेनी चाहिए। बुधवार को वे जिला केंद्र में मुन्नूर कापू संगम के तत्वावधान में मिट्टी के विनायकों के वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और संगम नेताओं के साथ मिट्टी के विनायक वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मिट्टी के विनायक स्थापित करके पर्यावरण को कुछ हद तक संरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों के उपयोग से जल प्रदूषण होता है और पशुधन को नुकसान पहुँचता है। उन्होंने कहा कि मुन्नूर कापू संगम के माध्यम से मिट्टी के विनायकों का वितरण अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम में एसआई उदय किरण, मुन्नूर कापू संगम नेता वेंकन्ना, गणपति, सुरेश, सदाशिव, प्रह्लाद, जक्कय्या, पेंटय्या, शंकर, गोपाल, वेंकटेश्वरलू, श्रीनिवास आदि उपस्थित थे।

सरकारी सचेतक बिड़ला ऐलैया ने की गंगम्मा की पूजा-अर्चना

यदाद्री, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । सरकारी सचेतक बिड़ला ऐलैया अपने गृहनगर सैदापुरम के तालाब के लबालब भर जाने की खबर पाकर वहाँ पहुंचे। बुधवार शाम को गाँव के लोग खुशी-खुशी दोस्तों के साथ तालाब में उतरे और नाच-गाना करने लगे। ऐलैया ने भी बचपन के दोस्तों के साथ तालाब में खेलते हुए पुराने दिनों को याद किया। वे एक-दूसरे पर पानी छिड़कते हुए गीत गा रहे थे, जब तक उनके कपड़े पूरी तरह गीले नहीं हो गए।

उन्होंने मछलियाँ पकड़ीं और

हल्दी-केसर से गंगम्मा की पूजा-अर्चना की। तालाबों को पानी से भरकर, गोदावरी का पानी लाकर और गंध मल्ला परियोजना को पूरा करके उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण काम किया है। इससे चुनाव में भी उन्हें सफलता मिली।

गर्मी के मौसम में गोदावरी के पानी से तालाब भरने वाले लोगों को देखकर सभी आश्चर्यचकित थे। किसान अब सोशल मीडिया पर पानी के संरक्षण और तालाबों की भरपूर स्थिति की प्रशंसा कर रहे हैं। लगातार बारिश के कारण तालाबों में पानी की स्थिति अच्छी बनी हुई है। बरसात से पहले भरे गए जलाशय में अभी भी 40 प्रतिशत पानी बचा हुआ है और हाल की बारिश से नाले बह रहे हैं जिससे तालाब लबालब भर गए हैं। आने वाले रबी के मौसम में भी विधानसभा क्षेत्र में पानी की अच्छी उपलब्धता रहेगी।

इस खुशी के मौके पर गाँव के लोगों ने तालाब पर जाकर विधायक बिड़ला ऐलैया के साथ पूजा-अर्चना की और अपनी खुशी साझा की। इस अवसर पर तहसीलदार गणेश नायक, सीआई एमपीपी श्रीशैलम, कांग्रेस नेता वेंकट रेड्डी, किश्तैया, एसके संजय, नंदा वेंकटेश और अन्य साथी भी मौजूद थे।

बाढ़ ग्रस्त गांव की जनता को सुरक्षित स्थान पर कराया गया स्थानांतरण : तहसीलदार मुजीब

मदनूर, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानीय तहसीलदार मुजीब ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि बाढ़ से प्रभावित शिरपुर, बड़ा टाकली, छोटा टाकली तथा थडी हिपरगा गांवों की जनता को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया गया है। मदनूर जिला परिषद की पाठशाला में लगभग 250 लोगों को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। वहां वैद्यकीय विभाग के कर्मचारी उनकी स्वास्थ्य जांच कर रहे हैं। साथ ही बाढ़ ग्रस्त जनता के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई है।तहसीलदार मुजीब ने कहा कि प्रशासन पूरी तत्परता के साथ राहत कार्य कर रहा है ताकि प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित और सहूलियत भरा वातावरण मिल सके।

सरकार ने कपास पर आयात शुल्क छूट की अवधि 3 महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक की

नई दिल्ली,28 अगस्त (एजेंसियां)। ट्रंप प्रशासन की ओर से भारतीय आयात पर लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ के बीच केंद्र सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात की अवधि तीन महीने के लिए बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी है। इससे पहले 18 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास आयात पर शुल्क छूट की अनुमति दी थी। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि निर्यातकों को और अधिक समर्थन देने के लिए केंद्र सरकार ने कपास (एचएस 5201) पर आयात शुल्क छूट 30 सितंबर से 31 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की जाएगी। सरकार के इस कदम का मकसद अमेरिका के कुल 50 फीसदी उच्च शुल्क का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को समर्थन प्रदान करना है। मंत्रालय के मुताबिक इसमें पांच फीसदी मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और पांच फीसदी कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) से छूट के साथ दोनों पर 10 फीसदी सामाजिक कल्याण अधिभार छूट शामिल है, जिससे कपास पर कुल आयात शुल्क 11 फीसदी बैठता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस कदम से उत्पादन लागत कम करके तथा कपड़ा क्षेत्र में लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) को संरक्षण देकर भारतीय कपड़ा उत्पादों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही कपड़ा मूल्य श्रृंखला की कच्चे माल की लागत कम होने और विनिर्माताओं एवं उपभोक्ताओं दोनों को आवश्यक राहत मिलने की उम्मीद है। कपड़ा मूल्य श्रृंखला में धागा, कपड़ा, परिधान एवं सिले हुए उत्पाद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि कपड़ा, रत्न एवं आभूषण और चमड़ा सहित भारतीय वस्तुओं पर 27 अगस्त से अमेरिकी टैरिफ बढ़कर 50 फीसदी हो गया है। सरकार के कपास पर शुल्क छूट से घरेलू बाजार में कच्चे कपास की उपलब्धता बढ़ेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

खुद को भगवान...

बेंच ने छत्तीसगढ़ सरकार की उस नीति को रद्द कर दिया था, जिसमें आदिवासी युवाओं को विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) बनाकर माओवादियों से लड़ने के लिए हथियार दिए गए थे। नंदिनी सुंदर और अन्य वामपंथियों ने राज्य सरकार के इस फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर कार्रवाई की और सरकार को आदेश दिया कि वह इस बल को भंग करे, सभी हथियार वापस ले और युवाओं को माओवादी जवाबी हमलों से बचाए। फैसले में यह भी कहा गया था कि सलवा जुडूम या कोया कमांडो कहलाने वालों द्वारा किए गए मानवाधिकार उल्लंघन और अपराधों की जांच हो। बेंच ने साफ किया कि कोई भी समूह कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता या संविधान से बाहर काम नहीं कर सकता। बेंच ने कहा था, किसी बल की प्रभावशीलता यह तय करने का एकमात्र आधार नहीं हो सकती कि वह संवैधानिक रूप से जायज है।यह फैसला राज्य सरकार और केंद्र सरकार के लिए बड़ा झटका था, क्योंकि तमाम खामियों के बावजूद सलवा जुडूम माओवादियों के गढ़ में उनका मुकाबला करने का एकमात्र तरीका था। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप ने सुरक्षाबलों को कमजोर कर दिया। शाह का तर्क सीधा है, अगर न्यायपालिका ने दखलंदाजी नहीं की होती तो नक्सलवाद के खिलाफ जंग 2020 तक खत्म हो सकती थी।

अमित शाह के बयान के दो दिन बाद 24 अगस्त को कुछ रिटायर्ड जजों और कार्यकर्ताओं ने एक पत्र जारी कर शाह पर हमला बोला। उन्होंने शाह पर फैसले को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया और कहा कि उस फैसले ने कभी नक्सलवाद का समर्थन नहीं किया। उन्होंने नसीहत दी कि ऊंचे पदों के लिए प्रचार गरिमा के साथ और विचारधारा पर सवाल उठाए बिना करना चाहिए। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मदन लोकुर, जे. चेलमेश्वर, कुरियन जोसेफ, अभय ओका, एके पटनायक, गोपाल गौड़ा, विक्रमजीत सेन, हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर, एस मुरलीधर, संजीव बनर्जी, हाईकोर्ट के पूर्व जज सी प्रवीण कुमार, ए गोपाला रेड्डी, जी रघुराम, के कन्नन, के चंद्रू, बी चंद्रकुमार, कैलाश गंभीर के साथ-साथ वकील संजय हेगड़े और प्रोफेसर मोहन गोपाल शामिल हैं। पत्र का लहजा इतना फूहड़ था कि उसमें पूर्व न्यायाधीशों की शाब्दिक-मर्यादा कहीं नहीं दिखाई पड़ती, जबकि वे दूसरों से पूरी मर्यादा की अपेक्षा रखते हैं। पत्र में लिखा गया कि एक नेता की हिम्मत कैसे हुई कि वो न्यायाधीश के फैसले पर बयान दे दे। पत्र लिखने वाले पूर्व जजों ने चेतावनी दी कि अमित शाह के शब्दों से न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर असर पड़ सकता है। यानि, मि-लॉर्ड्स की कोई आलोचना न करे, भले ही कोई पूर्व जज राजनीति के गंदे खेल में उतर चुका हो।

इन पूर्वाग्रही जजों के जवाब में भी कुछ जज सामने आओ और पूर्व जजों को मर्यादा में रहने की सीख दी। उन्होंने कुछ रिटायर्ड जजों की उस आदत को भी उजागर किया, जिसमें वे न्यायपालिका की स्वतंत्रता की आड़ में पक्षपात छिपाते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जैसे ही जस्टिस रेड्डी ने उपराष्ट्रपति का चुनाव लड़ने का फैसला किया, वे राजनीति में उतर गए और उन्हें अपने रिकॉर्ड का बचाव करना होगा, जैसे बाकी उम्मीदवार करते हैं। यह जवाबी बयान इसलिए अहम है, क्योंकि इसने यह धारणा तोड़ दी कि अमित शाह की आलोचना न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर हमला है। उन्होंने तर्क दिया कि आलोचना से न्यायपालिका की स्वतंत्रता को खतरा नहीं होता। असल नुकसान तब होता है, जब रिटायर्ड जज बार-बार पक्षपातपूर्ण राजनीतिक बयान देते हैं, जिससे लगता है कि पूरी संस्था ही किसी एक राजनीतिक पक्ष के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि कुछ जजों की गलती की वजह से पूरी जजों की बिरादरी को पक्षपातपूर्ण गिरोह के रूप में देखा जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह न तो न्यायपालिका के लिए अच्छा है और न ही लोकतंत्र के लिए।

यही असली मुद्दा है। रिटायर्ड या मौजूदा जज भगवान नहीं हैं। वे पैगंबर नहीं हैं। वे इंसान हैं, जिनके फैसलों ने लाखों लोगों की जिंदगी पर असर डाला है। ऐसे फैसले खासकर जो राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को बदल दें, जरूर उनकी आलोचना होगी। यही लोकतंत्र का सार है। लेकिन भारत में मि-लॉर्ड्स को लगता है कि वे ऐसी किसी भी आलोचना से परे हैं। उन्हें लगता है कि उनके फैसलों की आलोचना संविधान पर हमला है। इससे ज्यादा अलोकतांत्रिक कुछ हो ही नहीं सकता। अगर राजनेता, नौकरशाह और मीडिया की सार्वजनिक आलोचना होती है, तो राजनीति में उतर चुके जज को आलोचना से छूट क्यों मिलनी चाहिए?

अभिव्यक्ति की आजादी कोर्ट रूम के दरवाजे पर खत्म नहीं होती। लोकतंत्र की मांग है कि नागरिकों की सुरक्षा पर असर डालने वाले फैसलों की खुलकर आलोचना हो। अमित शाह का बयान भले ही राजनीतिक रूप से तीखा था, लेकिन यह माओवादी उग्रवाद के रास्ते पर एक पुराने फैसले के प्रभाव पर जायज टिप्पणी थी। इसे गलत व्याख्या या गलत प्रभाव देने वाला कहना, व्याख्या पर एकाधिकार की मांग है, जैसे कि केवल न्यायपालिका को ही अपने शब्दों को समझाने का हक है। यह पाखंड तब और साफ हो जाता है, जब रिटायर्ड जज खुद न्यायपालिका की स्वतंत्रता की आड़ में राजनीतिक घोषणापत्र जारी करते हैं। एक तरफ किसी एक राजनीतिक खेमे के साथ पूरी तरह जुड़े पत्रों पर हस्ताक्षर करना और दूसरी तरफ यह शिकायत करना कि किसी राजनेता की आलोचना पक्षपातपूर्ण है यह दोगलापन है और जनता इसे समझती है।यह विवाद सिर्फ अमित शाह बनाम जस्टिस रेड्डी का नहीं है। यह लोकतंत्र में न्यायपालिका की भूमिका के बारे में है। जैसे ही जज राजनीति में कदम रखते हैं, उन्हें स्वीकार करना होगा कि उनके रिकॉर्ड की जांच होगी। उनके फैसलों, खासकर जो राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों को बदलते हैं, की पड़ताल होगी और उनके वैचारिक झुकाव को जनता के सामने उजागर किया जाएगा। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर हमला नहीं, बल्कि जवाबदेही की कीमत है। न्यायपालिका सम्मान की हकदार है, लेकिन तभी जब वह राजनीति से ऊपर रहे। जब इसके रिटायर्ड सदस्य राजनीतिक किरदार की तरह व्यवहार करते हैं, तो वे आलोचना से छूट नहीं मांग सकते। अगर लोकतंत्र का कोई मतलब है, तो वह यह कि कोई भी संस्था या व्यक्ति सवालों से परे नहीं है।तो मि-लॉर्ड्स! जो लोग भी आलोचना होते ही हाय-तौबा मचाने लग जाते हैं, उन्हें यह याद दिला दिया जाए कि आप भगवान नहीं हैं और न ही आप सवालों से परे हैं। लोकतंत्र आपके हिसाब से काम नहीं करता, बल्कि वो जनता के हिसाब से काम करता है

राष्ट्रपति या राज्यपाल...

उन्होंने कहा, अनुच्छेद 32 का उपयोग तब किया जाता है, जब मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। लेकिन संवैधानिक ढांचे में राज्य सरकार खुद मौलिक अधिकार नहीं रखती। राज्य सरकार की भूमिका यह है कि वह अपने नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करे। सॉलिसिटर जनरल ने आठ अप्रैल के उस फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर राज्यपाल समय सीमा के भीतर विधेयकों पर फैसला नहीं करते तो राज्य सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

इस पर मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि वह आठ अप्रैल के दो जजों के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन यह भी कहा कि राज्यपाल का किसी विधेयक को छह महीने तक लंबित रखना सही नहीं है। मेहता ने जवाब में कहा कि अगर एक संवैधानिक संस्था अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करती, तो इसका मतलब यह नहीं कि कोर्ट दूसरी संवैधानिक संस्था को आदेश दे। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हां, हम समझ रहे हैं कि आप क्या कह रहे हैं। लेकिन अगर यह अदालत ही किसी मामले को 10 साल तक नहीं सुलझाए, तो क्या राष्ट्रपति को कोई आदेश देने का हक होगा?

26 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल उठाया था कि अगर कोई राज्यपाल किसी विधेयक पर अनिश्चितकाल तक फैसला नहीं लेता तो क्या अदालत के पास कोई उपाय नहीं रहेगा? क्या राज्यपाल की स्वतंत्र शक्ति के चलते बजट जैसे जरूरी विधेयक भी अटक सकते हैं? शीर्ष कोर्ट ने यह सवाल तब उठाया जब कुछ भाजपा शासित राज्यों ने कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को विधेयकों पर फैसला लेने में पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। इन राज्यों ने यह भी कहा कि कोर्ट हर समस्या का हल नहीं हो सकती।

सुप्रीम कोर्ट अभी राष्ट्रपति की ओर से भेजे गए उस संवैधानिक संदर्भ पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें पूछा गया है कि क्या अदालत राज्यपाल और राष्ट्रपति को यह निर्देश दे सकती है कि वे विधानसभा से पारित हुए विधेयकों पर तय समयसीमा में निर्णय लें? मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143 (1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी कि क्या अदालत राष्ट्रपति को निर्देश दे सकती है कि वह राज्य विधानसभा से आए विधेयकों पर कब और कैसे फैसला लें।

बाहरी हो या...

बुरा असर तो नहीं पड़ रहा या इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा तो नहीं है। उनकी रिपोर्ट डिप्टी कमिश्नर को वापस भेजी जाएगी, जो अंतिम फैसला लेगा कि सौदा मंजूर करना है या नहीं। स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट सरकार को भेजी जाएगी, जो डिप्टी कमिश्नर को अंतिम फैसला लेने के लिए कहेगी। सीएम सरमा ने कहा कि यह सख्त जांच जरूरी है ताकि धोखाधड़ी या गैरकानूनी काम, पैसे के स्रोत, स्थानीय सामाजिक ढांचे पर प्रभाव और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को ठीक से देखा जा सके। उन्होंने कहा, प्रक्रिया के तहत, असम पुलिस की स्पेशल ब्रांच यह जांचेगी कि क्या भूमि हस्तांतरण में कोई धोखाधड़ी या गैरकानूनी काम है, खरीदार के पैसे का स्रोत क्या है, जमीन के आसपास के सामाजिक ढांचे पर क्या असर होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई मुद्दा तो नहीं है।

सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने यह भी बताया कि पिछले छह महीनों से रुके हुए कई भूमि हस्तांतरण के मामलों का अब इस नए ढांचे के तहत जल्दी निपटारा किया जाएगा। यह प्रक्रिया सिर्फ व्यक्तिगत सौदों तक सीमित नहीं है। असम के बाहर से आने वाले एनजीओ जो जमीन खरीदकर स्कूल, कॉलेज या अन्य संस्थान बनाना चाहते हैं, उन्हें भी इस प्रक्रिया के तहत जांच से गुजरना होगा। सीएम सरमा ने हाल के रुझानों पर चिंता जताई, जहां कुछ एनजीओ ने असम में जमीन खरीदी है। उन्होंने कहा, हाल ही में हमने देखा कि केरल से कुछ एनजीओ ने यहां जमीन खरीदी। उन्होंने कुछ आयोजन किए, जो भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। अगर कोई बाहरी एनजीओ शिक्षण संस्थान, मेडिकल कॉलेज या नर्सिंग कॉलेज के लिए जमीन खरीदना चाहता है, तो उसे भी इस प्रक्रिया की प्रक्रिया से गुजरना होगा।असम के मुख्यमंत्री ने खास तौर पर बराक वैली, श्रीभूमि और बरपेटा जैसे इलाकों का जिक्र किया, जहां बाहरी एनजीओ, जो अक्सर किसी खास धर्म से जुड़े होते हैं, स्कूल या अन्य सुविधाओं के नाम पर बड़ी मात्रा में जमीन खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि वे स्कूल बनाना चाहते हैं, लेकिन उनका असली मकसद कुछ और हो सकता है। पुलिस इन सभी पहलुओं की जांच करेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया असम में रजिस्टर्ड एनजीओ पर लागू नहीं होगी। यह सिर्फ बाहरी एनजीओ पर लागू होगी, ताकि किसी भी अनुचित प्रभाव या छिपे मकसद को रोका जा सके। उन्होंने दोहराया, असम जैसे संवेदनशील राज्य में भूमि हस्तांतरण के मुद्दे को बहुत सावधानी से संभालना जरूरी है। इस नीति का मकसद राज्य के जनसांख्यिकीय संतुलन को बनाए रखना और राष्ट्रीय सुरक्षा को किसी भी खतरे से बचाना है।सीएम सरमा ने यह भी जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असम यात्रा पहले 8 सितंबर को होने वाली थी, लेकिन वह उपराष्ट्रपति चुनाव के कारण टल गई है। इसलिए पीएम मोदी अब 13 सितंबर को असम आएंगे। पीएम मोदी डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगे और कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।उल्लेखनीय है कि असम में घुसपैठ पर सख्ती बरतने के तहत सरकार ने 18 वर्ष से ऊपर के लोगों का आधार कार्ड बनने पर रोक लगा दी है। राज्य में आधार सैचुरेशन 103 प्रतिशत हो गया है। यानि कोई भी 18 वर्ष से ऊपर का व्यक्ति बिना आधार कार्ड के नहीं बचा है। इसलिए असम सरकार ने फैसला किया है कि 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का अब आधार कार्ड नहीं बनाया जाएगा। केवल अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और चाय बागान समुदाय से जुड़े लोग अगले एक वर्ष तक आधार कार्ड बनवा सकेंगे।असम में बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ एक बड़ी समस्या है। घुसपैठिए स्थानीय लोगों की मदद से आधार कार्ड जैसे दस्तावेज बनवा लेते हैं और फिर उनका इस्तेमाल कर अन्य कागजात भी उन्हें मिल जाते हैं। सीएम हिमंत के इस फैसले के बाद अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के लिए असम में आधार कार्ड हासिल करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वैसे ही असम भीषण जनसंख्या असंतुलन की समस्या से गुजर रहा है। सीएम सरमा ने यह आशंका जताई है कि राज्य में 2041 तक मुस्लिम जनसंख्या हिंदुओं के बराबर हो जाएगी। वर्ष 2011 में असम की कुल जनसंख्या 3.12 करोड़ थी, जिसमें मुस्लिम जनसंख्या 1.07 करोड़ (लगभग 34.22 प्रतिशत) और हिंदू जनसंख्या 1.92 करोड़ (लगभग 61.47 प्रतिशत) थी। असम में रहने वाले महज 3 प्रतिशत मुस्लिम ही असमिया मूल के हैं जबकि 31 प्रतिशत मुस्लिम आबादी घुसपैठिए हैं जो मुख्यतः बांग्लादेश से आए हैं। अगर इसी तरह चलता रहा तो 2031 और 2041 तक असम की जनसंख्या में 50 फीसदी तबका मुस्लिम होगा और हिंदू समुदाय अल्पसंख्यक बन जाएगा। 2001 में असम के 23 जिलों में से 6 मुस्लिम बहुल थे। इनमें धुबरी (74.29), गोलपारा (53.71), बारपेटा (59.37), नगांव (51), करीमगंज (52.3) और हैलाकांडी (57.63) थी। 2011 में जिलों की संख्या 27 हुई और इनमें 9 जिले मुस्लिम बहुल हो गए।

सीएम सरमा ने जनसांख्यिकीय बदलाव पर कहा कि यह सिर्फ भूमि जेहाद ही नहीं बल्कि असम को खत्म करने वाला जेहाद है। योजनाबद्ध तरीके से मुस्लिम आबादी सरकारी और जंगलों की जमीन पर भी कब्जा कर रही है। इसके कारण असम की सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक पहचान खतरे में पड़ गई है। अगर यही प्रवृत्ति जारी रही तो अगले 20 वर्षों में असम के मूल निवासी अल्पसंख्यक बन सकते हैं।

असम में घुसपैठ से निपटने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। जिनमें बांग्लादेशी घुसपैठियों को पहचानकर वापस उनके देश भेजना और घुसपैठियों द्वारा जबरन कब्जाई गई जमीन को खाली कराना जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। असम में लगभग 29 लाख बीघा जमीन पर बांग्लादेशी घुसपैठिए और संदिग्ध नागरिकों का कब्जा है। 2021 में जमीन खाली कराने की योजना शुरू की गई थी जिसके तहत अब तक 77,420 बीघा जमीन को अतिक्रमण से साफ कर दिया गया है। इसमें अधिकतर बंगाल के मुस्लिमों का कब्जा था। दरंग जिले में अभियान की सफलता के बाद बोरसोल्ला, लुमडिंग, बुरहापहाड़, पाभा, बतद्रा, चापर और पैकन में भी इस अभियान को चलाया गया। पिछले 4 वर्षों में हमने 1.29 लाख बीघा कब्जे वाली जमीन को मुक्त कराया है। अब इस जमीन का एक बड़ा हिस्सा जंगल बनाने के लिए और प्रदेश की जनता के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

नेपाल के रास्ते...

जैश आतंकियों के कई दस्ते बिहार और यूपी में दाखिल होकर देश के अन्य राज्यों में फैलेंगे।

बिहार में घुसे तीन आतंकियों के विवरण भी खुफिया एजेंसी को हासिल हुई हैं। उन तीन आतंकियों के नाम, फोटो और पासपोर्ट से संबंधित जानकारी बिहार और यूपी पुलिस से साझा की गई है। बिहार में घुसे आतंकियों में रावलपिंडी का रहने वाला हसनैन अली अवान, उमरकोट का रहने वाला आदिल हुसैन और बहावलपुर का रहने वाला मोहम्मद उस्मान शामिल है। तीनों आतंकी पाकिस्तान से काठमांडू पहुंचे और काठमांडू से सड़क मार्ग से नेपाल बॉर्डर होते हुए बिहार में घुसे। बिहार में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस दौरान नेताओं की रैली और जनसभाएं होंगी, जिसमें आतंकी बड़ी घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं।

खुफिया एजेंसियों की इस सूचना से पुलिस ने पुख्ता सुरक्षा इंतजामों की कवायद शुरू कर दी है। आतंकियों की तस्वीरें और उनके विवरण बिहार के सभी थानों के साथ-साथ यूपी के सीमाई जिलों में भी भेज दी गई हैं। दोनों राज्यों की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और स्पेशल टास्क फोर्स साथ में काम कर रही हैं। नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को पुख्ता चौकसी और गश्त करने की हिदायत दी गई है।

पहलगाम के आतंकियों...

हमजा अफगान और जिब्रान (पाकिस्तानी नागरिक) मारे गए। सुलेमान पाकिस्तानी आर्मी का पूर्व कमांडो और हमले का मास्टरमाइंड था। एनआईए की फॉरेंसिक जांच ने पुष्टि की कि हमले में इन्हीं के हथियारों का इस्तेमाल हुआ था। 28 जुलाई को चिनार कोर, राष्ट्रीय राइफल्स, पैरा स्पेशल फोर्स, जेकेएप और सीआरपीएफ ने महादेव चोटी के पास तीन घंटे की मुठभेड़ में आतंकियों को ढेर किया। शाह ने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है और यह संदेश देता है कि निर्दोषों के खून से खेलने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस की आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हुई, जिसमें जवानों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संभावित घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिलने के बाद भारतीय सेना और पुलिस ने संयुक्त अभियान शुरू किया। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी, जिस पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। सेना ने जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया। इससे पहले 2 अगस्त को कुलगाम जिले के अखल देवसर इलाके में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए थे। सेना ने 1 अगस्त को आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन अखल शुरू किया था, जो 12 दिनों तक चला, जिसमें 9 अगस्त को दो जवान शहीद हुए थे।

भयानक बारिश के बीच भी पाक सेना अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है। बारिश के कारण सीमा के आरपार दोनों ओर की जनता जहां बाढ़ से जूझ रही थी वहीं पाक सेना मौके का फायदा उठाते हुए आतंकियों को इस ओर धकेलने के नापाक इरादों को पूरा करने में जुटी है। पाक सेना बर्फबारी से दर्रों के बंद हो जाने से पहले बड़ी संख्या में आतंकियों को इस ओर धकेलना चाहती है।

अवैध घुसपैठ...

बीएसएफ डीजी बीजीबी प्रमुख को आधिकारिक तौर पर जानकारी दे दी है अवैध रूप से भारत में घुस बांग्लादेशियों को वापस भेजा जाएगा। दोनों पक्ष इस बात पर राजी हुए हैं कि वे मिलकर जागरूकता अभियान चलाएंगे। वे पिछड़े क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास की योजनाएं भी लागू करेंगे और सीमा की पवित्रता का सम्मान करेंगे। उद्देश्य है कि अपराध करने वाले लोग सीमा पार न कर पाएं। इसके अलावा चर्चा के दौरान बीएसएफ डीजी ने स्पष्ट कर दिया कि जो बांग्लादेशी नागरिक भारत में अवैध तरीके से रह रहे हैं, उन्हें आपसी सहमति और तय प्रक्रिया के तहत वापस भेजा जाएगा। इसके अलावा भारत और बांग्लादेश सीमा पर कुछ और बातों पर सहमत हुए हैं। मसलन, दोनों देश अंतरराष्ट्रीय सीमा के 150 यार्ड के भीतर कोई भी नया काम शुरू करने से पहले एक दूसरे से बात कर लेंगे। इसके अलावा दोनों मिलकर नदियों का कटाव रोकने के लिए काम करेंगे। दोनों देश सीमा के पास होने वाली अवैध गतिविधियों जैसे, तस्करी, मानव तस्करी, पिलर से छेड़छाड़ पर सख्ती से लगाम लगाएंगे। इसके अलावा आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए रियल-टाइम सूचना साझा करेंगे। कोई देश हवाई क्षेत्र का उल्लंघन न करें, इसपर भी सहमति बनी है और किसी भी तरह की गलतफहमी न हो इसके लिए, इस तरह की तय गतिविधियों की सूचनाओं का पहले ही आदान-प्रदान करेंगे।

बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बीच 56वां महानिदेशक स्तरीय सीमा सम्मेलन 25 अगस्त को ढाका के पिलखाना स्थित बीजीबी मुख्यालय में शुरू हुआ था। यह चार दिवसीय सम्मेलन 25 अगस्त से 28 अगस्त, 2025 तक चला। शेख हसीना सरकार के 2024 में गिरने के बाद भारतीय प्रतिनिधिमंडल का ढाका में यह पहला दौरा था। बांग्लादेश से लगी सीमा पर अपराध और घुसपैठ एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने किया, जिसमें 11 सदस्य शामिल थे। 21 सदस्यीय बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीजीबी के महानिदेशक मेजर जनरल मोहम्मद अशरफज्जमां सिद्दीकी ने किया। बीजीबी के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा, प्रतिनिधिमंडल में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, जहाजरानी मंत्रालय, सड़क प्रभाग, भूमि सर्वेक्षण विभाग, संयुक्त नदी आयोग और मादक पदार्थ नियंत्रण विभाग के सलाहकार और प्रतिनिधि शामिल थे।

सम्मेलन में सीमा पर हत्याओं, घुसपैठ और अवैध घुसपैठ को रोकने सहित कई मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों ने सीमा पार से होने वाले अपराधों जैसे मादक पदार्थों की तस्करी, हथियारों की तस्करी और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की आवाजाही पर अंकुश लगाने के उपायों पर चर्चा की। अन्य प्रमुख विषयों में सीमा पर विकासात्मक गतिविधियों को लागू करना, अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 150 गज के भीतर अनधिकृत बुनियादी ढांचे के निर्माण को रोकना, और समान जल बंटवारा सुनिश्चित करते हुए सीमावर्ती नदियों के तटों का संरक्षण शामिल रहा। एकीकृत सीमा प्रबंधन योजना के लिए संयुक्त पहलों पर भी चर्चा की गई। सम्मेलन में दोनों देशों के द्विपक्षीय और सीमा-संबंधी हितों की और समीक्षा की गई।

सम्मेलन में सीमा पार अपराधों, नदी प्रबंधन और द्विपक्षीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। भारत की ओर से बीएसएफ कर्मियों और भारतीय नागरिकों पर बांग्लादेश स्थित असामाजिक तत्वों के हमलों को रोकने, सीमा पार अपराधों पर नियंत्रण, एकल पंक्ति की बाड़बंदी निर्माण, बांग्लादेश में भारतीय उग्रवादी समूहों (आईआईजी) के खिलाफ कार्रवाई, सीमा बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दे, समन्वित सीमा प्रबंधन योजना (सीबीएमपी) के प्रभावी कार्यान्वयन पर संयुक्त प्रयास और अन्य मुद्दे उठाए गए। बीएसएफ के अनुसार इस साल 31 जुलाई तक 35 बीएसएफ कर्मी सीमा पर हमलों में घायल हो चुके हैं, जो 2023 और 2024 में क्रमशः 74 और 72 की तुलना में कम है, लेकिन समस्या अभी भी बरकरार है।

बांग्लादेश की ओर से सीमा के पास हत्याओं को रोकना, घुसपैठियों को भेजे जाने (पुश-इन), अवैध घुसपैठ, भारत से नशीले पदार्थों, हथियारों, गोला-बारूद और अन्य तस्करी का दमन, सीमा के 150 गज के दायरे में विकास गतिविधियों का कार्यान्वयन और अनधिकृत निर्माण रोकना, सीमा नदियों के तटों का संरक्षण और नदियों के जल का निष्पक्ष बंटवारा, एकीकृत सीमा प्रबंधन योजना के संयुक्त कार्यान्वयन समेत कई द्विपक्षीय और सीमा हितों से जुड़े मुद्दे उठाए गए।

2030 राष्ट्रमंडल...

राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को बल मिलेगा।

बयान में यह भी कहा गया, इससे देश का मनोबल बढेगा। इससे नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को करियर के विकल्प के तौर पर खेलों में हाथ आजमाने की प्रेरणा मिलेगी और सभी स्तरों पर खेलों में भागीदारी बढ़ेगी। राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लास्गो में होंगे, जिसमें कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे खेल नहीं है। आईओए ने साफतौर पर कहा है कि अगर भारत को 2030 खेलों की मेजबानी मिलती है तो ये सभी खेल उसमें शामिल होंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री गिरधारीलाल जी कृपा उत्सव में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन

गौ सेवा और आध्यात्मिक उत्थान का संदेश

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आध्यात्मिक शांति और गौ सेवा के प्रति समर्पण को समर्पित श्री गिरधारीलाल जी कृपा उत्सव के अंतर्गत गोकुल धाम, एसएस कन्वेंशन, शमशाबाद रोड में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह पावन कथा 27 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक प्रतिदिन दोपहर 3:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक चल रही है, जिसमें विश्वविख्यात कथा वाचक श्री इन्द्रेश जी उपाध्याय महाराज श्री प्रताप सिंह जी चौहान और महाराज श्री श्याम सिंह जी चौहान के पावन सान्निध्य में कथा का वाचन कर रहे हैं।

श्रीमद् भागवत कथा हिन्दू धर्म में अत्यंत पवित्र और महत्वपूण धार्मिक ग्रंथ है, जो भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उपदेशों का वर्णन करती है। इसे सुनने और समझने से मनुष्य के जीवन में आध्यात्मिक उन्नति होती है, मन की शांति मिलती है और जीवन के कष्टों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। कथा के माध्यम से भगवान की लीला, भक्ति और धर्म के संदेश जन-जन तक पहुंचते हैं, जो समाज में नैतिकता और सद्भाव का संचार करते हैं।

पहले दिन, 27 अगस्त को, श्री रविशंकर जी पुजारी सालासर धाम ने कथा में भाग लेकर आशीर्वाद दिया। दूसरे दिन, 28 अगस्त को आचार्य श्री दीपक कृष्ण जी शास्त्री बरसाना, वृंदावन ने भक्तों को आशीर्वाद दिया। कथा वाचक श्री इन्द्रेश जी उपाध्याय ने भागवत कथा की गूढ़ महिमा पर प्रकाश डालते हुए सभी को इस पावन कथा का लाभ उठाने का आह्वान किया। आयोजकों ने हैदराबाद के सनातनियों से अपील की है कि वे अपने परिवार के साथ इस दिव्य आयोजन में भाग लेकर पुण्य के भागी बने।

प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक जयपुर के मधुर भजन गायक संजय पारीक भक्तों को मनमोहक भजनों से मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। भक्तों की सुविधा के लिए शहर के विभिन्न हिस्सों से मुफ्त बस सेवा भी उपलब्ध कराई गई है। यह आयोजन शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज और ओम शिव मंदिर गौशाला, पालमाकुल द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जा रहा है।

इस कथा आयोजन का एक विशेष पहलू गौ सेवा के प्रति गहरा समर्पण है। कथा के माध्यम से गौ सेवा, भक्ति और धर्म के महत्व को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है, जो समाज में सद्भाव और आध्यात्मिकता को बढ़ावा देता है।

आयोजकों ने भक्तों से आग्रह किया है कि वे समय पर पहुंचकर कथा का रसास्वादन करें और कथा के पश्चात प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

आयोजकों का कहना है कि भक्तों की उपस्थिति से ही यह कथा पूर्ण और सफल होगी। उन्होंने सभी से अनुरोध किया है कि वे इस पुण्य आयोजन में भाग लेकर न केवल आध्यात्मिक विकास करें, बल्कि गौ सेवा जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कर्तव्य को भी अपनाएं।

इस प्रकार, श्री गिरधारीलाल जी कृपा उत्सव का यह आयोजन न केवल धार्मिक भक्ति का प्रतीक है, बल्कि यह समाज में नैतिकता, सेवा और आध्यात्मिक चेतना का संचार भी करता है।

राजस्थानी फाउंडेशन का तीसरा जॉब मेला 13 सितंबर को

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा शनिवार, 13 सितंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक श्रृंग ऋषि भवन में एक भव्य जॉब मेले का आयोजन किया जाएगा। इस संदर्भ में आज श्रृंग ऋषि भवन पर एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा हुई। फाउंडेशन के संस्थापक संदीप जायलवाल ने बताया कि इससे पहले दो सफल जॉब मेले आयोजित किए जा चुके हैं, और यह तीसरा प्रयास है, जिसका उद्देश्य राजस्थानी युवाओं को रोजगार के लिए इधर-उधर भटकने से बचाना है।

कार्यक्रम के संयोजक राजेश पंडित और पवन तिवारी विभिन्न कंपनियों के संपर्क में रहकर आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करेंगे। जॉब के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध होगी, जिसमें राजस्थानी युवाओं के अलावा अन्य जाति और समुदाय के लोग भी अपने नाम ऑनलाइन भेज सकते हैं। अगली बैठक में कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तय की जाएगी।आज की बैठक में रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, महेश उपाध्याय, अनिल तिवाड़ी, संदीप जायलवाल, रूपचंद व्यास, एस.के. वर्मा, हरि प्रसाद रिणवा, कमाल नारायण उपाध्याय, पवन तिवारी, पुरुषोत्तम व्यास, राधेश्याम उपाध्याय, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, अमर जायलवाल, हितैष शर्मा, जुगल किशोर उपाध्याय, और विनोद तिवारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

यह जॉब मेला राजस्थान के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकता है, क्योंकि इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्रीय प्रतिभाओं को पहचान दिलाने में भी सहायक होगा।

वीर तेजाजी महाराज का भव्य जागरण 01 सितंबर से

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भादवा सुदी नवम् के पावन अवसर पर अलमासगुड़ा स्थित परमेश्वर मंदिर में जाट समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में दो दिवसीय भव्य वीर तेजाजी महाराज जागरण का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सोमवार 1 सितंबर और मंगलवार 2 सितंबर को मंदिर प्रांगण में समाज बंधुओं और भक्तों की उपस्थिति में सम्पन्न होगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष दुदाराम बाबल, संरक्षक सोहनलाल बागड़ा, सचिव बाबूलाल पुनिया और कोषाध्यक्ष लिकमाराम खोखर ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भादवा सुदी नवम् पर वीर तेजाजी महाराज का विशेष श्रृंगार, पूजा-अर्चना और आरती के बाद रात्रि 9:15 बजे जागरण शुरू होगा। जागरण में प्रमुख भजन गायक किशोर मालवीय एवं उनकी पार्टी राजस्थान के पाली से पधारे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

मंगलवार 2 सितंबर को प्रातः समाज बंधु पूजा-अर्चना, दर्शन-वंदन एवं श्री तेजाजी महाराज के चरणों में श्रीफल और श्रद्धा के पुष्प अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। प्रातः 11:30 बजे से जाट समाज बंधुओं के लिए महाप्रसादी का भी आयोजन किया जाएगा।जाट समाज बंधुओं से निवेदन है कि 2 सितंबर को अपने प्रतिष्ठान बंद रखें और उक्त कार्यक्रम में समय पर सपरिवार पधारकर इसका लाभ अवश्य लें।

नि:शुल्क गोबर गणेश प्रतिमा वितरण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। देवेंदर नगर कॉलोनी मंदिर में कॉलोनी एसोसिएशन द्वारा निःशुल्क मिट्टी एवं गोबर से बनी गणेश प्रतिमा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत कॉलोनी के निवासियों को पर्यावरण के अनुकूल गोबर गणेश जी की प्रतिमाएं वितरित की गईं।

कार्यक्रम में दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज के सह मंत्री महेश अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने कॉलोनी वासियों को गणेश प्रतिमा प्रदान की और इस पारंपरिक पहल का समर्थन किया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक उत्सवों को जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सनतनगर लोधा में अग्रवाल समाज द्वारा गणेश जी की पूजा-अर्चना का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर भजन और डांस भी प्रस्तुत किए गए, जिससे कार्यक्रम का पावन और आनंदमय माहौल बना। कार्यक्रम में सपना गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, शिवचरण अग्रवाल, मुरारी लाल अग्रवाल, बृज गोपाल लाहोटी, सुशील जैनानी, विनोद अग्रवाल, अशोक जलन और नरेश बागोरिया सहित कई सदस्य उपस्थित थे। सभी ने मिलकर भक्ति और उत्सव का संगम प्रस्तुत किया।

श्री वर्षिणी कैसल, अपरपल्ली, अत्तापुर मेंगणेश स्थापना और पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस पवित्र कार्यक्रम में वीरेंद्र, रामकिशन, लकी, सचिन, सत्य प्रसाद, सुधीर, राजेश और कृष्ण परिवार सहित अन्य भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला, जिसमें सभी ने एक साथ प्रार्थना और पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया।

मुप्पा इन्सिग्निया कम्युनिटी में विनायक चविथी उत्सव

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुप्पा इन्सिग्निया कम्युनिटी में विनायक चविथी उत्सव 10 दिनों तक भव्य रूप से मनाया जा रहा है। इस दौरान बच्चों और वयस्कों के लिए प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उत्सव के पांचवें दिन, 31 अगस्त 2025 को अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

विनायक चविथी उत्सव का समापन 11वें दिन, यानी 6 सितंबर 2025 की रात को विनायक निमज्जन समारोह के साथ किया जाएगा।

यह दस दिवसीय कार्यक्रम मुप्पा इन्सिग्निया एसोसिएशन के सदस्यों एवं गणेश उत्सव समिति के सदस्यों जैसे सुरेश, तिरुमला राव, मनोहर, किरण, गौतम, तुषार, रेड्डी, सुभद्रा, सिरिषा, मौनिका और अन्य सदस्यों द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में समुदाय के सभी सदस्य बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं और उत्सव को भक्ति एवं आनंद के साथ मना रहे हैं।

सिकंदराबाद लाइंस क्लब में 'सिदेश्वर आत्मा की शक्ति योग' का आयोजन

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद लाइंस क्लब में एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें नम्रता ने 'सिदेश्वर आत्मा की शक्ति योग' का प्रशिक्षण दिया। इस कार्यक्रम में एथिना लाइंस की अध्यक्ष कामेक्षी के साथ मनीषा, सपना गुप्ता, अल्का जैनानी, पूजा, किरण, सुरेश जी, नेहा, पायल, दीपा और एथिना टीम के अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया। यह सत्र शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में सम्मान समारोह का आयोजित

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में काग परिवार द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सीरवी समाज के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों और सदस्यों ने हिस्सा लिया।

इस समारोह के आयोजकों में जीडिमेटला सीरवी समाज के संरक्षक मांगीलाल काग, कालुराम काग, भुराराम काग और पुसाराम काग शामिल थे।

इस अवसर पर विभिन्न सीरवी समाज इकाइयों के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे। जिसमें–

जीडिमेटला सीरवी समाज: संरक्षक चेनाराम चोयल, बाबूलाल चोयल; अध्यक्ष रावतराम बर्फा; उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार; सचिव प्रेम पंवार; सह-सचिव मंगलराम पंवार; कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग; सलाहकार अर्जुनलाल बर्फा और संतोष चोयल। सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश: सचिव सोहनलाल हाम्बड़।

सीरवी समाज कोरेमुला: अध्यक्ष कालुराम काग; सचिव डायाराम लचेटा।

श्री आईजी गौशाला: अध्यक्ष मंगलाराम पंवार; सचिव हुकमाराम सानपुरा; सलाहकार भंवरलाल मुलेवा।सीरवी समाज पारसीगुटा शिक्षा समिति: अध्यक्ष लाबुराम; पूर्व सचिव किशनसिंह राठौड़।सीरवी समाज मनिकोंडा: अध्यक्ष बाबूलाल भायल; सचिव मोतीलाल मादावत।

इनके अलावा, अशोक सेपटा, मोतीलाल काग, गोपाराम काग, नेनाराम राठौड़, केसाराम सेपटा, कानाराम बर्फा, ओमप्रकाश पंवार, दुर्गा प्रसाद हाम्बड़, चुतरराम सोनपुरा, लिकमाराम सानपुरा, भंवरलाल काग, बाबूलाल काग, सुरेश, हेमन्त, नरेश, दिलीप, सुरज काग और अन्य समाज बंधु भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

'किसलय' और 'मनीषा' सहित आठ एकल पुस्तकों का भव्य लोकार्पण

इंदौर, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। काव्य-धारा साहित्यिक समूह और काव्य-धारा प्रकाशन का आठवां वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन 24 अगस्त 2025 को श्री मध्य भारत हिंदी सेवा समिति, इंदौर के सभागार में धूमधाम से संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन की अध्यक्षता डॉ. राजीव शर्मा ने की, जबकि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर और चित्रकार विज्ञान व्रत मुख्य अतिथि रहे। मध्य प्रदेश के सुप्रतिष्ठित साहित्यकार हरे राम बाजपेई और विजय बागरी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे, और गीत ऋषि श्याम मनोहर सीरोठीया सम्मानित अतिथि रहे।

कार्यक्रम का संचालन हैदराबाद की लेखिका गीता अग्रवाल (संयोजिका) और रचना चतुर्वेदी ने किया। काव्य-धारा की अध्यक्षा सुनीता लुल्ला ने मंच पर उपस्थित अतिथियों और विभिन्न राज्यों से आए कवियों का स्वागत किया। सभी अतिथियों को शॉल, माला और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में, काव्य-धारा के संपादक मंडल सत्य प्रसन्न, ब्रजेश शर्मा, डॉ. भागिया ख़ामोश और सुनीता लुल्ला का भी सम्मान किया गया।

इस आयोजन का सबसे गर्व का क्षण काव्य-धारा प्रकाशन के वार्षिक साझा संकलन 'किसलय' और 'मनीषा' के साथ-साथ आठ और एकल पुस्तकों का लोकार्पण रहा। इन पुस्तकों में शामिल हैं:

विज्ञान व्रत (नोएडा) की 'सामने है आइना', डॉ. रागिनी शर्मा की 'नित्यश्री', गीता अग्रवाल (हैदराबाद) की 'काव्य तरणि', पायल शर्मा (डूंगरपुर, राजस्थान) की 'तर्पण', रश्मि शर्मा (उदयपुर, राजस्थान) की 'निशिगंधा', डॉ. संजीव धानुका (कोलकाता) की 'छोटे-छोटे डग', मंजू राठी की 'मनन का कथन', मनोरमा शर्मा 'मनु' (हैदराबाद) की 'दरख्तों के साए में'।

काव्य-धारा प्रकाशन हिंदी साहित्य में लगातार प्रयास कर रहा है और यह एक मिसाल है कि उसने आठ वर्षों से लगातार साझा संकलनों के साथ-साथ अनेक एकल काव्य संग्रह भी प्रकाशित किए हैं।

दोपहर के भोजन के बाद काव्य सत्र का शुभारंभ हुआ, जिसका सफल संचालन युवा कवि अभिजीत पाठक (दिल्ली) और बृजेश शर्मा ने किया। इस सत्र में देश भर से आए कवियों ने अपनी बेहतरीन रचनाओं से सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अध्यक्षीय भाषण में डॉ. राजीव शर्मा ने साझा संकलनों की उपयोगिता पर जोर दिया और ऐसे साहित्यिक आयोजनों को साहित्य चेतना के लिए समृद्ध बताया। विशेष अतिथि हरे राम बाजपेई ने कवियों के उत्साह और प्रकाशित पुस्तकों की सराहना की।

अंत में, डॉ. रागिनी शर्मा और सुनीता लुल्ला ने सभी उपस्थित लोगों, विशेषकर विभिन्न प्रांतों से आए कवियों और काव्य-धारा टीम के सदस्यों का भावुक मन से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह एक अविस्मरणीय यात्रा है और काव्य-धारा का सफर इसी तरह निरंतर जारी रहेगा।

'नमन जवानों को करें, झुककर बारम्बार' : काव्य गोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी भाषा और विश्व की समस्त भाषाओं के विकास के लिए समर्पित अंतरराष्ट्रीय संस्था 'विश्व भाषा अकादमी' और 'सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद, भारत' के संयुक्त तत्वावधान में एक वर्चुअल काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह गोष्ठी उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों को समर्पित थी, जिन्होंने देश की आजादी और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।विश्व भाषा अकादमी, तेलंगाना इकाई की प्रदेशाध्यक्ष और सूत्रधार संस्था की संस्थापिका सरिता सुराणा ने सभी साहित्यकारों का स्वागत किया। गोष्ठी का शुभारंभ रिमझिम झा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत करके किया। इसके बाद, हाल ही में दिवंगत हुए डेली शुभ लाभ, हैदराबाद समाचार पत्र के संपादक श्री गोपाल अग्रवाल को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।सरिता सुराणा ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें आजादी दिलाई। उन्होंने उन सभी जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया जो रात-दिन सीमाओं की सुरक्षा करते हैं, जिनके बलिदान के कारण हम खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं।इस काव्य गोष्ठी में विभिन्न शहरों के साहित्यकारों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं:मुंबई से साहित्यकार युगल नवल किशोर अग्रवाल और सुधा अग्रवाल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति देकर सीमा सुरक्षा बल के जवानों और स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित रचनाएं पढ़ीं।कॉलेज छात्रा भारती ने पलाश के फूलों के माध्यम से प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों पर एक सुंदर रचना का पाठ किया।बेंगलुरु से एडवोकेट अमृता श्री और हैदराबाद से आर्या झा ने लघुकथाओं के माध्यम से अपने भाव व्यक्त किए।बिनोद गिरि अनोखा, दर्शन सिंह, अमिता श्रीवास्तव, भावना पुरोहित, रिमझिम झा, और के कुमार प्रसन्ना ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।गोष्ठी के अध्यक्षीय टिप्पणी में, सरिता सुराणा ने सभी रचनाओं की समीक्षा की और उनके रचना-वैविध्य के लिए सभी सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने अपनी स्वयं की लघुकथा और दोहे भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन आर्या झा ने किया और आभार प्रदर्शन रिमझिम झा ने किया।

जैन हाई स्कूल में धूमधाम से मनाई गई गणेश चतुर्थी

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित जैन हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया। इस पावन अवसर पर, सबसे पहले भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई।

छात्र-छात्राओं ने मिलकर पूजा-अर्चना, आरती और भजन में भाग लिया। कार्यक्रम के बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया। सभी ने इस उत्सव को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया और पुण्य लाभ प्राप्त किया।

इस मौके पर स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार जैन, राजेश तोषनीवाल, छात्र-छात्राएं और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर, हैदराबाद अपार्टमेंट के निवासी वेंकटेश ने अपने निवास पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। इस दौरान, उन्होंने परिवार और मित्रों के साथ मिलकर पूरे विधि-विधान से गणपति बप्पा की स्थापना की और उनका आशीर्वाद लिया। यह आयोजन अपार्टमेंट के निवासियों के बीच धार्मिक सौहार्द और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने का एक सुंदर उदाहरण रहा।

उद्यमियों और व्यापारियों ने किया एक राष्ट्र, एक चुनाव का पुरजोर समर्थन

नई दिल्ली, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश के प्रमुख उद्यमी और व्यापारी संगठनों ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का जोरदार समर्थन किया। दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों और व्यापारिक नेताओं ने इस अवधारणा को देश की प्रगति और विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव देश के संसाधनों, समय और ऊर्जा की बर्बादी करते हैं, जिससे विकास कार्य बाधित होते हैं। उन्होंने इसे देश की प्रगति के लिए आवश्यक बताते हुए जनता से इस अभियान के लिए जागरूकता फैलाने की अपील की।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का समर्थन करते हुए कहा कि भारत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय इन वार्ताओं में दिन-रात जुटा हुआ है। इससे पहले, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रविकांत गर्ग ने उनका स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चुनावी खर्च और बोझ को कम करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने बताया कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से चुनावी खर्च में 30 से 35 प्रतिशत की कमी आएगी और बार-बार लागू होने वाली आचार संहिता से विकास परियोजनाओं में आने वाली बाधाएं दूर होंगी।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री ओम प्रकाश धनखड़ ने मंच का संचालन करते हुए अनुमान लगाया कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' लागू होने पर देश की जीडीपी में 1.5% की वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि इससे अर्थव्यवस्था में लगभग 5.5 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त इजाफा होगा, जिससे भारत तेजी से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ेगा।

कार्यक्रम में मौजूद राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन श्री सुनील सिंघी ने सभी को वोकल फॉर लोकल की शपथ दिलाई।

व्यापारी नेता और सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल ने एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें कहा गया कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था का इंजन हैं और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विकास के लिए एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने हर राज्य और जिले में इस विषय पर जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री बालकिशन अग्रवाल ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से व्यापारियों का उत्पीड़न होता है, जिसे 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश में सभी चुनाव एक साथ होने चाहिए।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. गोपाल मोर ने कहा कि जीएसटी और डिजिटल पेमेंट जैसी योजनाओं ने छोटे व्यापारियों को बैंकिंग से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आवश्यक है।

इस कार्यक्रम में कई अन्य व्यापारी संगठनों जैसे फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन, और मारवाड़ी युवा मंच के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें X SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं.28-2025 दि. 25.08.2025
PUB/1033

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से और कार्यरत वरिष्ठ मंडलीय अभियंता/समन्वय/गुंटकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। **अंतिम तिथि और समय:** 23.09.2025 को 15:00 बजे

1. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1902
कार्य का विवरण: एसई/पी.वे/आरयू (रेनिगुंटा - 1 यार्ड) और एसएसई/पी.वे/वीकेआई (वेंकटागिरी, येल्लाकारू और निदिगल्लू - 3 यार्ड) क्षेत्राधिकार: एडीईएन/आरयू उप-मंडल के तहत विभिन्न यार्डों में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी यार्ड सुधार और उन्नयन कार्य।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 9,65,01,396.00
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 6,32,500.00

2. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South-1903
कार्य का विवरण: एसएसई/पी.वे/एचएक्स (कडपा और कृष्णपुरम - 2 यार्ड), एसएसई/पी.वे/वाईए (येर्रगुंटला और कलामल्ला यार्ड - 2 यार्ड) और एसएसई/ पी.वे/ जेएमडीजीएल (नोस्सम, एस उप्पलापाडु, जम्मलमाडुगु और प्रोद्दातुर यार्ड) क्षेत्राधिकार: एडीईएन/एचएक्स उप-मंडल के तहत विभिन्न यार्डों में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी यार्ड सुधार और उन्नयन कार्य।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 6,03,31,832.91
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 4,51,700.00

3. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1904
कार्य का विवरण: एसएसई/पी.वे/केओयू (कोदुरु, अनंतराजुपेटा और ओबुलवारिपल्ली - 3 यार्ड) और एनआरई (पुल्लंपेट, राजमपेटा, हस्तावरामु और नंदलूर - 4 यार्ड) क्षेत्राधिकार: एडीईएन/आरजेपी उप-मंडल के तहत विभिन्न यार्डों में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी यार्ड सुधार और उन्नयन कार्य।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 7,88,60,951.14
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 5,44,300.00

4. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1905
कार्य का विवरण: गुंटकल मंडल-आरयू-जीवाई सेक्शन: ब्र. सं. 550डीएन (109.15मी) किमी 274/885-997 के बीच जीपीवाई-केपीयू स्टेशन पर स्टील गर्डरों को पीएससी स्लैब से बदलने का प्रस्ताव।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 4,44,97,486.91
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 3,72,500.00

5. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1906
कार्य का विवरण: गुंटकल मंडल: मंत्रालयम रोड: एबीएस चरण-खख के तहत स्टेशन का प्रस्तावित उन्नयन - (1) 810मी के लिए सीओपी का प्रावधान (2) एंट्री पोर्च का प्रस्तावित निर्माण, (3) पुराने स्टेशन भवन के पास प्लेटफार्म का विघटन, (4) प्रतीक्षा हॉल में सुधार, (5) 50,000 लीटर क्षमता वाले जीआरपी टैंक का प्रावधान, आदि।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 12,79,21,825.25
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 7,89,600.00

6. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1907
कार्य का विवरण: गुंटकल मंडल: आदोनी स्टेशन का एबीएस चरण-खख के तहत प्रस्तावित उन्नयन। (1) 992मी सीओपी का प्रावधान (2) पुराने स्टेशन भवन को हटाने के बाद पीएफ और सड़क सतह क्षेत्र में सुधार, (3) एडी में नए स्टेशन भवन की पहली मंजिल का निर्माण, (4) कंपाउंड दीवारों पर स्थानीय कला, कॉन्कोर्स आदि।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 12,08,23,490.00
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 7,54,100.00

7. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1908
कार्य का विवरण: गुंटकल मंडल: सीआरएस टीपीटीवाई-शेड में ईओटी क्रेन द्वारा एक बे का 28.75 मीटर तक विस्तार, आरएमपीयू सेक्शन में कोच आवाजाही सुविधाओं को बढ़ाने के संबंध में ईस्ट साइड ट्रैवर्स क्षेत्र में चक्र समय को कम करने के लिए।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 2,14,30,826.90
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 2,57,200.00

8. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1909
कार्य का विवरण: गुंटकल मंडल: सीआरएस टीपीटीवाई-एचएलटी कार्यशाला के अंदर जल वितरण पाइप लाइन, कार्यशाला के अंदर पीओएच के लिए आवश्यक सुविधाओं के पुनःपूर्ति के संबंध में।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 2,56,68,834.25
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 2,78,400.00

9. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1910
कार्य का विवरण: गुंटकल मंडल: सीआरएस टीपीटीवाई-पेंट शॉप शेड का पूर्वी तरफ 30 मीटर लंबाई तक विस्तार, एलएचबी कॉइल स्प्रिंग ओवरहालिंग के लिए रखरखाव सुविधाओं के मशीनीकरण के संबंध में।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 2,62,05,261.15
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 2,81,000.00

10. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South-1911 **कार्य का विवरण:** गुंटकल मंडल: सीआरएस टीपीटीवाई-स्वर्णमुखी नदी जीएलआर से सीआरएस कार्यशाला जीएलआर तक पानी की पाइप लाइन का प्रावधान, स्वर्णमुखी बेड से सीआरएस कार्यशाला तक नई पाइप लाइन के प्रावधान के संबंध में।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 2,90,71,937.96
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 2,95,400.00

11. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1912
कार्य का विवरण: गुंटकल मंडल: रेनिगुंटा-गूटी (यूपी और डीएन)- टीआरआर(पी)- 4.080टीकेएम, टीएसआर(पी)-4.180टीकेएम, नंदयाल- धोने-गुंटकल (एसएल)-टीआरआर (पी)- 1.040 टीकेएम, टीएसआर(पी)-4.580 टीकेएम, रेनिगुंटा- गूटी- सीटीआर(एस)- 5.020 टीकेएम गैर-यात्री लूप लाइनों पर।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 1,98,11,990.29
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 2,49,100.00

12. **निविदा सं.** Engg-GTL-South- 1913
कार्य का विवरण: गुंटकल मंडल: रेनिगुंटा-गूटी टीबीआर 5.82टीकेएम, टीबीआर (एलएल) 0.8टीकेएम, टीबीआर (टीओ) - 32टीकेएम और गूटी-पेंडेकल्लु टीबीआर (एलएल) - 2.68टीकेएम गुंटकल मंडल (सी) - एफएस+ टीडब्ल्यूएस+ डब्ल्यूसी एमएससी-3, सीएमएससी-4, डब्ल्यूसी एमएससी-97, सीएस+ सीएमएससी-1, सीएस-4, एफएस+ टीडब्ल्यूएस-5, टीएफआर (सभी) - 8.12 टीकेएम, टीएफआर (पैड)-16.82 टीकेएम।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 1,67,51,171.35 **पूर्व धरोहर राशि:** (₹) 2,33,800.00

13. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1914
कार्य का विवरण: गुंटकल मंडल: एसडब्ल्यू-खः ट्रिपशेड रेनिगुंटा का विस्तार, सभी निर्दिष्ट सुविधाओं का प्रावधान करके। साथ ही कार्यालय कक्ष, स्टाफ कक्ष, स्टोर रूम, रेत रूम, पिट लाइन का विस्तार, पाथवे का निर्माण आदि जैसी अनिवार्य आवश्यकताएं। एसडब्ल्यू-II: रेनिगुंटा में एआरटी उपकरण रखरखाव कक्ष का निर्माण।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 4,11,57,076.85
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 3,55,800.00

14. **निविदा सं.:** Engg-GTL-South- 1915
कार्य का विवरण: जीटीएल मंडल में वरिष्ठ मंडल अभियंता/दक्षिण/जीटीएल के क्षेत्राधिकार के तहत प्लेटफार्मों पर छत की मरम्मत।
विज्ञापनित मूल्य: (₹) 1,47,14,028.02
पूर्व धरोहर राशि: (₹) 2,23,600.00

किसी भी शुद्धिपत्र को केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।
मंडलीय रेल प्रबंधक/कार्य, गुंटकल

निविदा सूचना
PUB/1032

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल सिग्नल और दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से **खुली निविदाएं** आमंत्रित हैं।

1. **निविदा सं. और तिथि:** C_SG 36_572 दि.:22/08/2025
अंतिम तिथि: 12/09/2025
कार्य का नाम: वीकेबी-पीआरएलआई खंडों में जनवाल और घाटानंदुर स्टेशन पर दो अतिरिक्त लूप लाइनों के प्रावधान के संबंध में सिग्नलिंग व्यवस्था।
अनुमानित मूल्य: (₹) 7,56,80,091.39
बिड सुरक्षा/पूधरा: (₹) 5,28,400.00
अधिक विवरण के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल और दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद

निविदा सं. 18_2025_26_ Sr.DEE_Tr_HYB, दि.: 26.08.2025
PUB/1034

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता/ टीआर/ एचवाईबी द्वारा निविदा सं. 18_2025_26_Sr.DEE_Tr_HYB, दि.: 26.08.2025 के अगेनस्ट् ई-निविदाएं आमंत्रित हैं, जिसकी अंतिम तिथि** 18.09.2025, **15:00 बजे है।** बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल अंतिम तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने पर ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा।

1. **कार्य का विवरण:** हैदराबाद मंडल: एनजेडबी, केसीजी, टीएमएक्स और जीडब्ल्यूडी पर 4 नग 8-पहिया टावर कारों के डीजल इंजनों का दो साल की अवधि के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) और बी, सी और डी चेक। **अनुमानित लागत:** (₹) 82,30,619.60/-
पूर्व धरोहर राशि (₹) 1,64,600/-
पूर्ण करने की अवधि : 02 वर्ष (24 महीने)
अंतिम तिथि: 18.09.2025

वेबसाइट का विवरण: www.ireps.gov.in
नोटिस बोर्ड जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है: वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता/टीआर/एचवाईबी, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद 500025 का कार्यालय।

वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता, (कर्षण) हैदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से)
PUB/1035

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत मुख्य अभियंता/सी-III/एससी और मुख्य अभियंता/सी-V/एससी, निर्माण संगठन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा क्रमशः निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं:

1. **एनआईटी सं.:** 19-CAO-C-SC-2025
तिथि: 13/08/2025
कार्य का नाम: एससीआर निर्माण संगठन: गुंटूर मंडल-गुंटूर-बिबिनगर स्टेशनों के बीच ट्रैक के विद्युतीकरण के साथ दोहरीकरण का प्रस्ताव (239 किमी) - जीएनटी-बीएन खंड (239 किमी) की प्रस्तावित दोहरी लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण गतिविधियों की सुविधा।
अनुमानित लागत : (₹) 64,00,086.55
पूर्व धरोहर राशि (₹) 1,28,000.00
पूर्ण करने की अवधि : 9 (नौ) महीने
खोलने की तिथि: 09/09/2025 15:00 बजे

2. **एनआईटी सं.:** 21-CAO- C-SC- 2025
तिथि: 16/08/2025
कार्य का नाम: एससीआर निर्माण संगठन: विजयवाड़ा मंडल-राजमुंद्री रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के संबंध में 2 फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्मों पर छत, पीएफ 1 का चौड़ीकरण, पीएफ 4-5 का विस्तार और प्लेटफॉर्मों का नवीनीकरण।
अनुमानित लागत : (₹) 58,28,78,753.27
पूर्व धरोहर राशि (₹) 30,64,400.00
पूर्ण करने की अवधि : 12 (बारह) महीने
खोलने की तिथि: 16/09/2025 15:00 बजे

i) बोली दस्तावेज और अन्य विवरणों के लिए, कृपया वेबसाइट https://ireps.gov.in पर लॉग इन करें।
ii) निविदाकर्ता अपनी बोलियां ऑनलाइन निविदा जमा करने की अवधि के दौरान जमा कर सकते हैं, जो निविदा बंद होने से पंद्रह दिन पहले की अवधि है।
iii) निविदाकर्ताओं को निविदा जमा करने की अवधि की शुरुआत की तारीख तक किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) के लिए देखते रहना चाहिए।
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद

निविदा सूचना
PUB/1036

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से और कार्यरत उप मुख्य सिग्नल और दूरसंचार अभियंता (परियोजना), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए 04.10.2025 को 14.00 बजे तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित हैं।

1. **निविदा सं.:** C/SG/C/36/5/415
कार्य का विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे में सिकंदराबाद मंडल के गुंडुतिमडुगु - खम्मम खंडों में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली के प्रावधान के लिए व्यापक सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य।
अनुमानित मूल्य : (₹) 64,11,92,481.28
पूर्ण करने की अवधि : 18 महीने

कृपया उपरोक्त कार्यों के सभी विवरण, जिसमें कार्य का पूर्ण विवरण, निविदा शर्तें, पात्रता मानदंड और विवरण, निविदा दस्तावेज डाउनलोड करना शामिल है, के लिए भारतीय सरकारी निविदा पोर्टल वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।
उप मुख्य सिग्नल और दूरसंचार अभियंता, (परियोजना), सिकंदराबाद
A1275

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, GAYATHRI V, is legally Wedded Wife of Service No. 17008956K, Rank: SEP, Name: V VINOD KUMAR, Unit: MCEME CTW 'E' COY, Secunderabad, residing at Vill:PANANCHAYAL, PO: PANANCHAYAL, TEH:TIRUVADANAI, DIST:RAMANATHAPURAM, STATE:TAMIL NADU, PIN:623315, I have Changed my name from GAYATHRI V to GAYATHRI B. That my date of birth is 05-04-1997 Affidavit P DAYAVATHI, LLM, date 28/08/2025.

CHANGE OF NAME
I, P SUHASINI is legally Wedded Wife of Service No. 14683168W, Rank: HAV, Name: PRG REDDY, Unit:MCEME 'B' Coy, Secunderabad, residing at Vill:AMMAYAGARIPALLI, PO:V KOTHAPALLE, Dist: Cuddapah, State:ANDHRA PRADESH, Pin:516349, I have changed my name from P SUHASINI to BOGALA SUHASINI That my date of birth 10-06-1991, Affidavit P DAYAVATHI, LLM, date 14/07/2025

बिहार महिला शक्ति द्वारा हरियाली तीज मिलन समारोह का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद की इकाई बिहार महिला शक्ति ने 24 अगस्त 2024, रविवार को मेडचल के हनीबर्ग रिसॉर्ट में हरियाली तीज मिलन कार्यक्रम का धूमधाम से आयोजन किया।

महिला शक्ति की महासचिव डॉ. आशा मिश्र ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस कार्यक्रम में हैदराबाद के विभिन्न क्षेत्रों से महिलाएं शामिल हुईं। तीज को अखंड सुहाग का प्रतीक माना जाता है, और महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत रखती हैं। कार्यक्रम में महिलाएं लाल रंग के पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर पहुंचीं और शाम तक विभिन्न गतिविधियों का आनंद लेते हुए उत्सव मनाया।महिला शक्ति की अध्यक्ष रेखा सिंह ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

कार्यकारिणी सदस्य विनीता राय के नेतृत्व में कई मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। अंताक्षरी में सभी ने मिलकर गाने गाए, वहीं देशी लोकगीतों की धुन पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। अंशु चौधरी के तंबोला खेल ने भी सभी का खूब मनोरंजन किया।बच्चों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं का संचालन नीजू सिंह ने किया, जिसमें निश्चय, अयान, अरुणा और देवांशी विजेता रहे। महिलाओं के खेलों में अंशु चौधरी और कोमल सिंह ने जीत हासिल की। विजेताओं को पुरस्कार दिए गए, जिसकी प्रायोजक डॉ. आशा मिश्र थीं।दोपहर के भोजन के बाद, सभी ने रिसॉर्ट का भ्रमण किया और उसकी सुविधाओं का लुत्फ उठाया। अनीता सिंह, रेखा सिंह और पिंकी सिंह के सौजन्य से सभी महिलाओं को सुहाग के प्रतीक चिह्न भेंट किए गए। यह समारोह चाय और नाश्ते के साथ संपन्न हुआ, जिसमें सभी ने खूब उत्साह के साथ भाग लिया।

इस कार्यक्रम में डॉ. आशा मिश्र, रेखा सिंह, विनीता राय, नीजू सिंह और अंशु चौधरी के अलावा पूजा मिश्रा, कविता त्यागी, अमिता, सुनीता यादव, हेमा यादव, नीलम सिंह, राधिका झा, ऊषा पांडे, निभा सिंह, अनीता सिंह, अर्चना पांडे, मनीषा, कंचन, नीता राय, पूनम सिंह, अनामिका झा, प्रेमशीला सिंह, सुमन पांडे, मोती मिश्रा, तनु सिंह, रितिका सिंह सहित बच्चों में रेयांश, देवांशी, आराध्या आदि ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और इसे सफल बनाया।

नारायणगुडा स्थित श्री रामनिवास अरुण लाहोटी के निवास पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और सेवा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों और मित्रों ने मिलकर पूर्ण भक्ति और श्रद्धा के साथ गणपति बप्पा की आराधना की।लाहोटी परिवार ने इस दौरान सभी आगंतुकों का स्वागत किया और प्रसाद वितरण किया। यह कार्यक्रम धार्मिक और पारिवारिक सद्भाव का प्रतीक बन गया, जहां सभी ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

महिला से बलात्कार और हत्या के प्रयास के लिए आजीवन कारावास, 30,000 का जुर्माना

आसिफाबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक महिला से बलात्कार और हत्या के प्रयास के दोषी शेख मगदुम (49) को आदिलाबाद की एससी एसटी अदालत के मुख्य न्यायाधीश कुमार विवेक ने आजीवन कारावास और 30,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। इस फैसले को यौन उत्पीड़न करने वालों के लिए एक कड़ी चेतावनी माना जा रहा है।

जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने इस मामले में कड़ी मेहनत करने वाले पुलिस अधिकारियों और विशेष लोक अभियोजक (डशिलळरश्र झझ)

रमना रेड्डी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 31 अगस्त 2024 को शेख मगदुम ने जैनूर से सिरपुर (यू) जा रही एक महिला को अपने ऑटो में बैठाया। रास्ते में उसने महिला के साथ बलात्कार का प्रयास किया और फिर लोहे की रॉड से उसके सिर और चेहरे पर वार कर उसे बेहोश कर दिया।

बेहोशी की हालत में देखकर, दो लोगों ने 108 पर कॉल कर उसे जैनूर सरकारी अस्पताल पहुँचाया, जहाँ से बेहतर इलाज के लिए उसे हैदराबाद के गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया। 3 सितंबर 2024 को, होश में आने पर पीड़िता ने अपनी मातृभाषा जानने वाली एक महिला पुलिस कांस्टेबल को वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से पूरी घटना बताई।

इस बयान के आधार पर, सिरपुर (यू) के एसएसआई डी. रामकृष्ण ने एससी/एसटी बलात्कार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। तत्कालीन आसिफाबाद डीएसपी सदाय्या ने जांच शुरू की और आरोपी के रूप में शेख मगदुम की पहचान की। पुलिस ने आरोपी द्वारा इस्तेमाल किया गया ऑटो और लोहे की रॉड भी जब्त कर ली।

इसके बाद, डीएसपी सदाय्या, बाद में आसिफाबाद डीएसपी करुणाकर, और फिर आसिफाबाद एएसपी श्री चित्तरंजन आईपीएस ने गवाहों की जांच की और आरोप पत्र दायर किया। एसआई रामकृष्ण, जैनूर सीआई रमेश, लाइजन ऑफिसर ईश्वर सिंह एएसआई और स्पेशल पीपी रमना रेड्डी ने गवाहों को अदालत में पेश किया।

आरोपी शेख मगदुम 4 सितंबर 2024 से पीडी एक्ट के तहत जेल में था। अब कोर्ट ने उसे दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वे इस मामले में शामिल सभी पुलिस अधिकारियों को उचित इनाम देने के लिए राज्य के डीजीपी को रिपोर्ट भेजेंगे। उन्होंने जनता से किसी भी आपात स्थिति में सीधे पुलिस से संपर्क करने या 100 नंबर डायल करने की सलाह दी है।

श्रीराम कॉलोनी स्थित श्री सिद्धि विनायक क्लब द्वारा स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस पावन अवसर पर, पंडित गणेश जोशी जी और गुरुजी शंकर नायक ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गणेश जी का पूजन किया। इस धार्मिक अनुष्ठान में क्लब के सदस्यों और स्थानीय भक्तों ने भाग लिया और भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

ट्रक-ऑटो की भीषण टक्कर में 6 लोगों की मौत, 2 गंभीर रूप से घायल

राजुरा/आसिफाबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजुरा-गड़चांदूर मार्ग पर आज शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा शाम 4 बजे कपाणगांव के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने विपरीत दिशा से आ रहे एक ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी।

दुर्घटनास्थल पर ही तीन यात्रियों ने दम तोड़ दिया, जबकि तीन घायलों को चंद्रपुर जिला अस्पताल ले जाते समय उनकी भी मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं

शामिल हैं।

इस हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं: निर्मला रावजी जाडे (50), निवासी पचगांव, जिन्हें चंद्रपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है, और भोजराज महादेव कोडापे (40), निवासी भुरकुंडा, जिनका इलाज राजुरा उपजिला अस्पताल में चल रहा है।

हादसे का कारण हाईवे पर चल रहे काम को बताया जा रहा है। राजुरा शहर से दो किलोमीटर दूर हाईवे का काम चल रहा है, जिसके कारण अचानक सड़क यातायात को मोड़ दिया गया था।

हालांकि, इसके लिए कोई चेतावनी संकेत नहीं लगाया गया था, जिससे ऑटो चालक भ्रमित हो गया और सीधे हाईवे पर आ गया, तभी सामने से आ रहे ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पूरी तरह से चकनाचूर हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और थाना प्रभारी सुमित परतेकी आगे की जांच कर रहे हैं।

मोंडा मार्केट, सिकंदराबाद स्थित जस-ोदा कुंज में गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। इस दौरान, लड्डू, बबीता, आदित्य और मेहुल बंग ने मिलकर पूरी श्रद्धा के साथ गणेश जी की पूजा-अर्चना की।

पूजन के बाद सभी उपस्थित भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

यह आयोजन परिवार और मित्रों के बीच एकता और धार्मिक भावना को दर्शाता है।

आसिफाबाद लायंस क्लब ने बांटे 300 मिट्टी के गणेश

आसिफाबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर, आसिफाबाद लायंस क्लब ने एक अनोखी पहल करते हुए आज विवेकानंद चौक स्थित सुमंगली दुकान के सामने 300 मिट्टी के गणेश जी की मूर्तियों का वितरण किया।इस कार्यक्रम का आयोजन आसिफाबाद के सर्किल इंस्पेक्टर श्री बालाजी वरप्रसाद और क्लब के अध्यक्ष लायन नामपल्ली शंकर के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान, उन्होंने लोगों को पर्यावरण के अनुकूल गणेश उत्सव मनाने का संदेश दिया।

इस कार्यक्रम में क्लब के कई सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें कार्यक्रम अध्यक्ष लायन रावुला विनायक राव, सदस्य लायंस उबेद बिन याहिया, पुल्लुरी शंकर, अंजनेयुलु, कोटा वेंकन्ना, वेणुगोपाल, पीआरओ वेंकटेश्वरलु, नगर कर्मचारी, पुलिसकर्मी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल थे।इस पहल का उद्देश्य लोगों को इको-फ्रेंडली मूर्तियों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

रेबेना नदी में अवैध रेत तस्करी जारी !

आसिफाबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुरम भीम आसिफाबाद जिले में भारी बारिश के बाद भी रेबेना नदी से रेत की अवैध तस्करी धड़ल्ले से जारी है। दिनदहाड़े चल रही इस तस्करी को लेकर स्थानीय प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं।

रेबेना मंडल के गोलेटी के पास, अवैध तस्कर बिना किसी अनुमति के रेबेना नदी से रेत निकाल रहे हैं। वे इस रेत को किसानों के खेतों में जमा कर रहे हैं और फिर सुबह-सुबह या रात के अंधेरे में इसे शहरी इलाकों में बेचकर पैसा कमा रहे हैं।

स्थानीय राजस्व और पुलिस विभाग समय-समय पर कार्रवाई करते हुए तस्करों को पकड़ रहे हैं और मामले भी दर्ज कर रहे हैं, लेकिन तस्करों में कानून का कोई डर नहीं दिख रहा। जनसंघ के नेताओं का आरोप है कि यह अवैध धंधा अधिकारियों की मिलीभगत से चल रहा है। उन्होंने प्रशासन से इस पर तुरंत रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

नारायणगुड़ा स्थित सिंफोनी रॉयल अपार्टमेंट में मूंदड़ा परिवार ने पूरे विधि-विधान और हर्षोल्लास के साथ भगवान गणेश का मंगलमय आगमन किया।परिवार के सभी सदस्यों, जिनमें गोविंद लालजी, नर्मदा देवी, अभिषेक, कोमल, दीपेश कुमार, दिव्या, यशिका, चहक, लविश्का, अयांश कुमार और युवान कुमार मूंदड़ा शामिल थे, ने मिलकर गणपति बप्पा की स्थापना और पूजा-अर्चना की। इस शुभ अवसर ने परिवार में खुशी और भक्ति का माहौल भर दिया।

भावभीनी श्रद्धांजलि

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)
(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)
स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

आपकी वो मुस्कान कभी बिसरा न पाएँगे
वो सुखमय दिन हर पल हमें याद आएँगे...
आपके व्यक्तित्व की वो अनमोल छाप
हम दिल से कभी न मिटा पाएँगे !...
ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि
आपकी आत्मा को परम शांति प्रदान करें...

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

आशीष शर्मा एवं परिवार
रामकोट, हैदराबाद

रायशा इम्पेक्स
हैदराबाद

माँ शाकम्भरी इंटरप्राइजेज
रायपुर (छत्तीसगढ़)

॥ श्री हरिः ॥ ॥ श्री हरिः ॥ ॥ श्री हरिः ॥

बाढ़-प्रभावित जिलों का मुख्यमंत्री रेड्डी ने किया हवाई सर्वेक्षण

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कमारेड्डी, मेडक, सिद्दीपेट, निजामाबाद और पेड्डापल्ली जिलों के बाढ़-प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। भारी बारिश के कारण इन क्षेत्रों में लोग फंसे हुए हैं और गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के साथ सिंचाई मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (झउउ) अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ भी मौजूद थे। उन्होंने श्रीपदा येल्लंपल्ली परियोजना पर बाढ़ के प्रवाह का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की।

मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि येल्लंपल्ली एक रणनीतिक रूप से स्थित परियोजना है जो विशेषज्ञों द्वारा बनाई गई थी, इसलिए यह दशकों से मजबूती से खड़ी है।

इसके विपरीत, उन्होंने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तहत आने वाले मेडिगड्डा बैराज को डिजाइन और निर्माण में दोष के कारण बेकार बताया। उन्होंने सवाल किया, मेडिगड्डा की मरम्मत किए बिना, क्या हम अन्नारम और सुंदिला में पानी जमा कर सकते हैं? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मेडिगड्डा, अन्नारम और सुंदिला - तीनों बैराज खराब डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के कारण आसपास के गांवों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार मेडिगड्डा पर आगे की कार्रवाई के लिए तकनीकी समिति की सिफारिशों पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा, हम विधानसभा में कालेश्वरम आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा करेंगे और फिर आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों के साथ मौजूदा बाढ़ की स्थिति पर भी चर्चा की और प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुँचाने के लिए आवश्यक उपायों का सुझाव दिया।

सीपी सीवी आनंद ने गणेश विसर्जन सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने आज खैरताबाद के बड़े गणेश पंडाल का दौरा किया और 6 सितंबर को होने वाले गणेश विसर्जन के लिए सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि विसर्जन को सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए लगभग 30,000 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। इनमें 19,000 पुलिसकर्मी शहर से, 8,500 अन्य जिलों से, 42 प्लाटून, 10 सीएपीएफ कंपनियां और ऑक्टोपस टीमें शामिल होंगी। पुलिस आयुक्त के अनुसार, 10,900 गणेश मंडपों को ऑनलाइन अनुमति दी गई है, और बाकी मूर्तियों को भी बेहतर निगरानी के लिए रिकॉर्ड में लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और क्यूआर कोड-आधारित स्टिकर के माध्यम से विसर्जन जुलूसों पर नजर रखी जाएगी।

एनटीआर मार्ग और पीपल्स प्लाजा में संयुक्त नियंत्रण केंद्र बनाए गए हैं, जबकि बंजारा हिल्स में टीजी आईसीसीसी में एक 24 घंटे का कमांड सेंटर विसर्जन दिवस की गतिविधियों की निगरानी करेगा।

आयुक्त आनंद ने आयोजकों से भारी बारिश के दौरान सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि गीली लकड़ी बिजली की सुचालक हो सकती है, इसलिए उचित बिजली कनेक्शन सुनिश्चित करें। भीड़ प्रबंधन के लिए स्वयंसेवकों की नियुक्ति भी करने को कहा। उन्होंने बताया कि हुसैन सागर और मीर आलम टैंक जैसे विसर्जन स्थलों पर पहले ही क्रेनें तैनात कर दी गई हैं, जिनकी संख्या बढ़ाकर 40 की जाएगी।

उन्होंने बताया कि खैरताबाद गणेश प्रतिमा के दर्शन के लिए प्रतिदिन 60,000 से 70,000 श्रद्धालु आते हैं, और सप्ताहांत में यह संख्या दो लाख तक पहुँच जाती है। इसे देखते हुए, उन्होंने अधिकारियों को भगदड़ को रोकने के लिए बैरिकेडिंग और निगरानी को मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने शांतिपूर्ण और घटना-मुक्त उत्सव के लिए जनता, उत्सव समिति के सदस्यों और भक्तों से सहयोग मांगा।

सबसे बड़ा फैशन और लाइफस्टाइल एग्जिबिशन आज से

हैदराबाद, 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर का सबसे प्रतीक्षित लक्जरी फैशन और लाइफस्टाइल एग्जिबिशन 'हाइलाइफ' एक बार फिर हैदराबाद के फैशन प्रेमियों के लिए तैयार है। यह एग्जिबिशन दुल्हन के परिधानों, उत्सव के कपड़ों, डिजाइनर गहनों, और अन्य एक्सेसरीज का एक शानदार संग्रह एक ही छत के नीचे पेश करेगा। यह प्रदर्शनी आज शुक्रवार, दि. 29 से हाईटेक सिटी में आयोजित की जा रही है।

इस आयोजन में आप इस सीजन के सबसे नए और ट्रेंडिंग कलेक्शन को देख सकते हैं। यह आधुनिकता और पारंपरिक कारीगरी का बेहतरीन संगम है। यहाँ आपको शीर्ष डिजाइनरों से मिलने और उनकी कलाकृतियों को नजदीक से जानने का मौका मिलेगा, जो विशेष रूप से आज की आधुनिक महिलाओं के लिए तैयार की गई हैं।

यह एग्जिबिशन उन सभी के लिए एक शानदार अनुभव होगा जो फैशन, स्टाइल और लक्जरी की दुनिया में नवीनतम रुझानों की तलाश में हैं।

आंध्र प्रदेश: एसआईबीपी ने 53,922 करोड़ की 30 परियोजनाओं को दी मंजूरी

अमरावती (आंध्र प्रदेश), 28 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में गुरुवार को अमरावती में आयोजित दसवीं राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड (डखझइ) की बैठक में 30 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इन परियोजनाओं में कुल 53,922 करोड़ का निवेश होगा, जिससे 83,437 युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है।मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि वह हर महीने इन परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करेंगे। उन्होंने मंत्रियों को भी निर्देश दिया कि वे व्यक्तिगत रूप से जमीनी स्तर पर इन परियोजनाओं की प्रगति पर नजर रखें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे राज्य में स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस की नीति को सफल बनाने पर ध्यान केंद्रित करें। श्री नायडू ने यह भी बताया कि वे आंध्र प्रदेश के लिए महिंद्रा इलेक्ट्रिक वाहन संयंत्र लाने का प्रयास कर रहे हैं। बैठक में जिन महत्वपूर्ण निवेशों को मंजूरी मिली, उनमें कुछ इस प्रकार हैं:

1197 करोड़ का निवेश, जिससे मदकासिरा में 870 लोगों को रोजगार मिलेगा।

अपोलो टायर्स: चित्तूर जिले में 1110 करोड़ का निवेश, 500 लोगों को रोजगार।

धीरूभाई अंबानी ग्रीन टेक पार्क: कृष्णापटनम में 1843 करोड़ का निवेश, जिससे 19,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

सेरेंटिका रिन्यूएबल्स ऑफ इंडिया: अनंतपुर में 2000 करोड़ का निवेश, 320 लोगों को रोजगार।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास के लिए अपार अवसर हैं। उन्होंने अधिकारियों को खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों से बातचीत शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चित्तूर और रायलसीमा में बागवानी के विकास और चित्तूर जिले में आम प्रसंस्करण कंपनियों से किसानों को काफी फायदा हो रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.